दैनिक
नवयत्न
केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा विज्ञापनों के लिए स्वीकृत
RNI No. RAJHIN/2010/31619
Post.Reg No. sikar/041/2016-2018
खबरें सड़क से संसद तक
वर्ष: 16 | अंक 02 | सीकर, गुरुवार 26 फरवरी 2026 | Email : navyatndainik@gmail.com | मूल्य 1 रुपया | पृष्ठ 8

खाटूश्यामजी फाल्गुनी लक्खी मेला परवान पर

बेहतरीन व्यवस्थाओं से श्याम भक्तों को हो रहे सुगम दर्शन

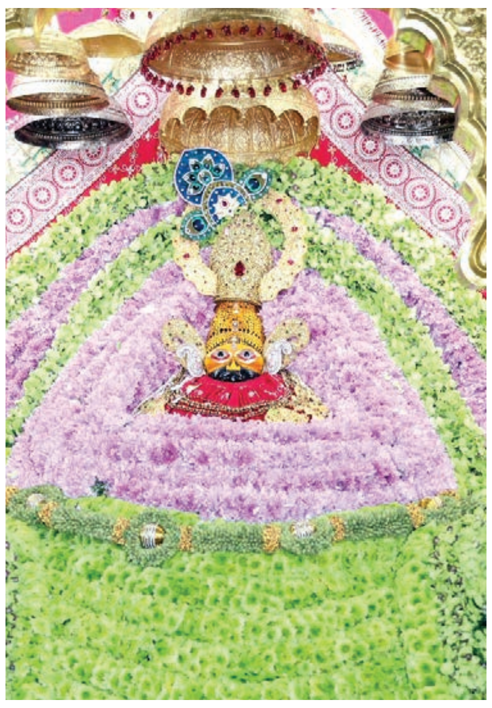

प्रदीप सैनी

खाटूश्यामजी (नवयत्न)। खाटूश्यामजी का फाल्गुनी लखी मेला 2026 अपने परवान पर है, जिसमें देशभर से लाखों श्याम भक्त बाबा श्याम के दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। जिला कलेक्टर मुकुल शर्मा के निर्देश में जिला प्रशासन द्वारा मेले में श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और स्वास्थ्य के लिए अभूतपूर्व व्यवस्थाएं की गई हैं, जिससे भक्तों को सुगम, सुरक्षित और सुखद दर्शन प्राप्त हो रहे हैं। अब तक कुल 6,67,643 श्रद्धालु बाबा श्याम के दरबार में शीश नवाकर आशीर्वाद प्राप्त कर चुके हैं। बाबा श्याम का मुख्य मेला 27 फरवरी एकादशी को आयोजित होगा। इस दिन बाबा श्याम रथ पर विराजमान होकर नगर भ्रमण करेंगे जिसे लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह और उमंग देखने को मिल रही है। जिला कलेक्टर शर्मा के निर्देश पर विशेष रूप से नगर पालिका द्वारा मेला परिसर में बेहतरीन साफसफाई की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है।

पर्याप्त कचरा पात्र लगाए गए हैं, अतिरिक्त ऑटो टीपर तैनात किए गए हैं, और डोर-टू-डोर होटल तथा ढाबों के कचरे के निस्तारण के लिए टेंडर आधारित व्यवस्थाएं की गई है, जिससे प्रतिदिन नियमित सफाई और कचरा संग्रहण हो रहा है। साथ ही भारत स्काउट्स एंड गाइड्स के कैडेट्स मंदिर परिसर में दिव्यांगजन एवं वृद्ध श्याम भक्तों को व्हीलचेयर पर बैठाकर बाबा श्याम का सुगम दर्शन करवा रहे हैं, जो भक्तों के लिए अत्यंत सराहनीय सेवा है। जिला कलेक्टर ने बताया कि मेले की समग्र मॉनिटरिंग 44 डिजिटल स्क्रीनों और श्याम सारथी ऐपएपोर्टल के माध्यम से की जा रही है। इस पोर्टल पर पार्किंग, मेडिकल कैंप, ऑनलाइन रूट दर्शन, भंडारा एवं विभिन्न पासों की अनुमति एक ही स्थान पर उपलब्ध है। मुख्य अप्रोच सड़कों पर लगाए गए क्यूआर कोड स्कैनर्स से श्रृद्धालु आसानी से पार्किंग स्थलों की जानकारी प्राप्त कर रहे हैं, जिससे परिवहन और दर्शन में बड़ी सुगमता आई है। क्यूआर कोड के माध्यम से भक्तों को सटीक जानकारी प्राप्त हो रही है।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य

मेले में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाओं के लिए 14 मेडिकल बूथ स्थापित किए गए हैं, जहां थके-हारे श्रृद्धालुओं को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं मिल रही हैं। कुल 31 एंबुलेंस जिनमें 8 बाइक एंबुलेंस शामिल तैनात हैं, और मुख्य पार्किंग स्थलों पर एंबुलेंस एवं फायर ब्रिगेड की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। रसद विभाग एवं चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा मिलावटी भोजन, एक्सपायरी डेट वाले सामान एवं समय-सीमा पार खाद्य पदार्थों के सैंपल लेकर लगातार जांच की जा रही है। ऐसे सामान को नष्ट करवाया जा रहा है तथा दोषियों पर कानूनी कार्यवाही की जाएगी। भंडारा संचालकों को निर्देश दिए गए हैं कि भक्तों को बैठाकर ही भोजन परोसें तथा केवल स्टील के बर्तन या बायोडिग्रेडेबल डिस्पोजेबल प्लेट का उपयोग करें। रींगस से खाटू तक पैदल पथ पर कारपेट बिछाया गया है, मेला क्षेत्र में पर्याप्त एलईडी एवं हाई मास्क लाइट्स से रोशनी की पर्याप्त व्यवस्था, 24 घंटे निर्बाध बिजली आपूर्ति करने के साथ हीए ई-रिक्शा के लिए अलग-अलग जोन एवं निर्धारित रूट चार्ट, मुख्य पार्किंग पर सीसीटीवी कैमरे तथा चार नियंत्रण कक्ष से मेले की निरंतर मॉनिटरिंग करने की व्यवस्थाएं की गई हैं।

मेले में स्काउट-गाइड की अनुकरणीय सेवा

राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड जिला मुख्यालय सीकर के तत्वावधान में बाबा श्याम के फाल्गुन मेले में राज्य स्तरीय सेवा शिविर का आयोजन किया जा रहा है। सीओ स्काउट बसंत कुमार लाटा के नेतृत्व में 700 रोवर-रेंजर 12-12 घंटे सेवाएं दे रहे है। सीओ स्काउट बसंत कुमार लाटा के नेतृत्व में संचालित इस शिविर में स्काउट, गाइड, रोवर एवं रेंजर बढ़-चढ़कर अपनी सेवाएं दे रहे हैं। सेवा शिविर 21 फरवरी से 28 फरवरी तक आयोजित किया जा रहा है, जिसमें राजस्थान के विभिन्न जिलों से आए स्वयंसेवक सहभागिता निभा रहे हैं। मेले में उमड़ रही श्रृद्धालुओं की भारी भीड़ के बीच स्काउट-गाइड पूरी मुस्तैदी से व्यवस्था संभाल रहे हैं। सेवा शिविर में खोया पाया केंद्र का संचालन, पूछताछ व्यवस्था, वृद्धजनों की सहायता, प्राथमिक उपचार, जनसेवा, श्रृद्धालुओं की लाइनों को सुव्यवस्थित रूप से आगे बढ़ाना तथा अन्य आवश्यक सहयोग कार्य किए जा रहे हैं। स्वयंसेवक अनुशासन, समर्पण और सेवा भावना का उत्कृष्ट परिचय दे रहे हैं। सीओ स्काउट बसंत कुमार लाटा के निर्देशन में सेवा दल पूरी सजगता के साथ कार्य करते हुए श्रृद्धालुओं को हर संभव सहयोग प्रदान कर रहे है तथा व्हील चैयर के द्वारा श्रृदालुओं को पूरी निष्ठा के साथ दर्शन करवा रहे है। फाल्गुन मेले के इस पावन अवसर पर स्काउट-गाइड की सेवा भावना श्रृद्धालुओं के लिए संबल बनी हुई है और समाज के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को सशक्त रूप से दर्शा रही है। उन्होंने बताया कि बुधवार को राजस्थान राज्य भारत स्काउट एंड गाइड के स्काउट को मन्दिर परिसर में एप्पल का फोन मिला जो पूछताछ कार्यालय में जमा करवाया गया जिसकों जिस श्याम भक्त का फोन था उसकी पहचान पूछकर श्याम भक्त को सौंपा गया। सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, राजस्थान द्वारा राज्य सरकार के दो वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के पम्पलेट, हमारा राजस्थान बुकलेट सहित प्रचार सामग्री का वितरण किया जा रहा है। श्रृद्धालुओं को योजनाओं की जानकारी देकर सरकार की उपलब्धियों से अवगत कराया जा रहा है।

सूरजगढ़ निशान यात्रा का किया स्वागत

निसं

चिड़ासन (नवयत्न)। फाल्गुन मास में खाटूश्याम के लक्खी मेले के अवसर पर सूरजगढ़ निशान के साथ पहला जत्था रविवार को खाटू धाम के लिए रवाना हुआ जिसमे काफी संख्या में श्रद्धालु शामिल थे। वहीं श्रद्धालुओं का दूसरा जत्था महंत पूर्णमल सैनी, मनोहर लाल, नथुराम, जयसिंह, सुनील, संजय सूरजगढ़ के सानिध्य में श्याम ध्वज लेकर खाटू धाम के लिए बुधवार सुबह 11 बजे भाटीवाड रोड पर चनाना तिराहे पर सूरजगढ़ मंदिर के श्याम शमहंत पूरणमल सैनी के चरणों में पुष्प अर्पित कर श्रद्धालुओं ने धोक लगाई और उनके गले में पुष्प माला पहनाकर कर उनका स्वागत किया। उनके साथ मंदिर कमेटी के अध्यक्ष मनोहर लाल, श्याम भक्त मंत्री मोहनलाल, श्याम भक्त कोषाध्यक्ष संजय कुमार सैनी, श्याम भक्त निशान धारी सुनील कुमार, अविनाश शर्मा पदमपुरा, रविकांत बिशनपुरा आदि सभी हजारों श्रद्धालुओं के जत्थे को नेतृत्व कर रहे थे। पदयात्रा का पुरुष और महिलाओं ने मिलकर श्याम भक्तों का जेसीबी से पुष्पों की वर्षा कर मनोभाव से स्वागत किया। पदयात्री चनाना तिराहे पर नाचते गाते बाबा के जयकारे लगते गुजरे। कई महिलाए मन्नत पूरी होने पर सिर पर सिगड़ी लेकर खाटूधाम के लिए रवाना हुई। पदयात्री सुल्ताना, गुढ़ा, चनाना, उदयपुरवाटी, गुरारा, भैरु चौराहे होते हुए 4 दिन की पैदल यात्रा कर खाटूधाम पहुचेंगे। दो दिन जत्था खाटू श्याम के दरबार में विश्राम करेगा और फाल्गुन शुक्ल द्वादशी को खाटू श्याम मंदिर के शिखर पर सूरजगढ़ का श्याम ध्वज फहराएंगे।

गौरतलब है कि सूरजगढ़ से जाने वाले श्याम ध्वज खाटू श्याम शिखर पर वर्षभर ध्वज फहरता रहेगा और ध्वज फहराने के बाद भगत वापस सूरजगढ़ के लिए पैदल रवाना हो जाएंगे। इस मौके पर आकाश भुकाना, जितेंद्र सोनी, निहाल सिंह, रामनाथ गोवला, सुमेर सिंह निजामपुरा, घासी राम एवं मनभरी कॉलेज का स्टाफ प्राचार्य विद्याधर तेतरवाल, नंदलाल नेहरा, सचिव प्रताप सिंह आदि मौजूद रहे।

पीछे हटना पड़ा अंग्रेज सरकार को

खाटूश्यामजी के लाखों भक्त विश्व भर में फैले हैं लेकिन सूरजगढ़ से निकलने वाला निशान अपनी अनूठी आस्था और इतिहास के लिए विशेष है। बताया जाता है कि मुगल शासनकाल में लगभग 1779 के आसपास जब मुगलों ने खाटू मंदिर को ध्वस्त करने की साजिश रची तो सूरजगढ़ के ठाकुर सूरजमल सिंह ने अपने जाबांज योद्धाओं, आम जनता और श्रद्धालुओं के साथ तलवारें उठाई। सूरजगढ़ से खाटू तक पदयात्रा कर उन्होंने तीन माह तक मुगलों से युद्ध लड़ा और मंदिर की रक्षा की। इसी प्रकार अंग्रेजी काल में जब अंग्रेजों ने मंदिर के मुख्य द्वार पर ताला लगाकर आस्था पर ठेस पहुंचाने की कोशिश की तो मंगला भगत ने मोर छड़ी से ताले पर प्रहार कर उसे खोल दिया। डर के मारे अंग्रेज पीछे हट गए। तब से मंदिर कमेटी ने निर्णय लिया कि सूरजगढ़ का निशान पूरे वर्ष मुख्य शिखर पर लहराएगा। यह परंपरा आज भी जीवंत है, जो सूरजगढ़ की भक्ति और बलिदान की प्रतीक बनी हुई है।

कोबरी-सार

पटवारी पचास हजार की रिश्वत लेते गिरफ्तार

जयपुर (नवयत्न)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो एसीबी की धौलपुर टीम ने बुधवार को कार्रवाई करते हुए पटवारी बीरेन्द्र कुमार शर्मा को पचास हजार रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया। आरोपी पटवारी पटवार हल्का बसई सामंता तहसील एवं जिला धौलपुर में कार्यरत है। एसीबी पुलिस महानिदेशक गोविन्द गुप्ता ने बताया कि एसीबी टीम धौलपुर को एक परिवादी द्वारा शिकायत दी गई थी कि उसके पिता ने 6 जनवरी 2026 को खाता संख्या 141 के खसरा नंबर 244, 249 व 476 की रजिस्ट्री अपने नाम कराई थी। उक्त रजिस्ट्री के आधार पर नामांतरण दर्ज करने के लिए आरोपी पटवारी बीरेन्द्र कुमार शर्मा 50 हजार रुपये की रिश्वत की मांग कर रहा था और लगातार परेशान कर रहा था। शिकायत का सत्यापन करने के बाद एसीबी ने ट्रैप की कार्रवाई की योजना बनाई। जहां एसीबी चौकी धौलपुर के पुलिस उप अधीक्षक ज्ञानचन्द के नेतृत्व में टीम ने आरोपी पटवारी को परिवादी से 50 हजार रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया गया।

भोमियाजी के फाग उत्सव 1 को

जयपुर (नवयत्न)। नाटाणी परिवार का भोमिया जी के 1 मार्च को नाटाणी भवनए मनिहारों का रास्ता, त्रिपोलिया बाजार में सायं 7 बजे से देर रात्रि तक फागोत्सव का आयोजन किया जाएगा। फागोत्सव से जुड़े भक्त विकास नाटाणी, गोविन्द नाटाणी, त्रिलोक नाटाणी, अभिताभ नाटाणी एवं राजेश नाटाणी ने बताया कि नाटाणी परिवार के 250 वर्ष पुराने भोमिया जी महाराज के फागोत्सव में सुगंधित फुलों और रंग बिरंगी गुलाल के साथ फागोत्सव का आयोजन किया जाएगा। फागोत्सव में राजस्थान के प्रसिद्ध कलाकारों की और से अपनी प्रस्तुति दी जाएगी।

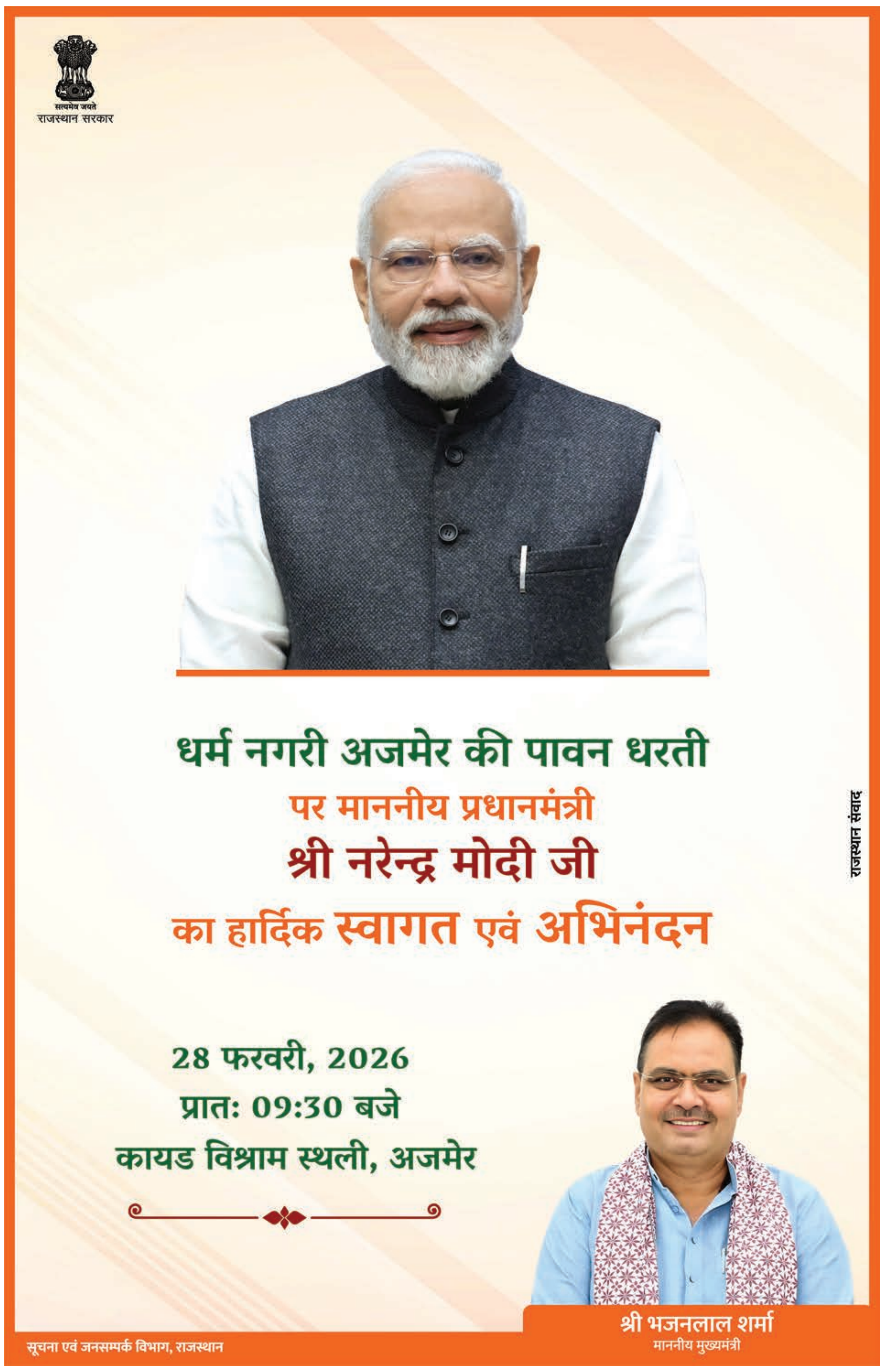

भामस ने विरोध प्रदर्शन कर सौंपा ज्ञापन

संजय सोनी

झुंझुनू (नवयत्न)। भारतीय मजदूर संघ के राष्ट्रीय आह्वान पर 21 सूत्री मांगों के समर्थन में जिला कलेक्टर कार्यालय के समक्ष विरोध प्रदर्शन कर प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन जिला कलेक्टर को दिया गया। भारतीय मजदूर संघ के जिला अध्यक्ष राजेश किरोड़ीवाल व जिला मंत्री संदीप धाभाई ने कहा कि केंद्र व राज्य सरकार मजदूरों की मांगों पर सहानुभूति पूर्व के विचार करें अन्यथा बड़ा आंदोलन किया जाएगा। प्रदर्शन में रामगोपाल शर्मा, देवकरण सैनी, दुर्ग पाल सिंह, भंवर सिंह शेखावत, मूलचंद महला, कृष्णा कंवर, सुनील शर्मा, राम सिंह, सुभाष चंद्र, प्रमोद गुर्जर, संदीप महला, संजय कुमार, मुकेश, रिछपाल सैनी, सुनील कुमार, वीरेंद्र सिंह, शैलेश, श्रीराम, राजेश कुमार, रघुवीर, कमल किशोर, मोहिनी, पूनम, प्रमोद, मुकेश कुमार पांडे, सज्जन सिहाग, सुभाष सैनी, विजय कुमार, मुकेश बीओआई उपस्थित रहे।

प्रमुख मांगे : आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, मिनी आंगनवाड़ी सहायिका, आशा सहयोगिनी व मिड डे मील वर्कर का मानदेय व ग्रेच्युटी 3 लाख रुपए भाजपा के संकल्प पत्र के अनुसार दिया जावे। रोडवेज विभाग में वेतन व पेंशन समय पर दी जावे व नए बसों की खरीद की जावे। विद्युत विभाग में विभिन्न नाम से चल रही ठेका प्रथा बंद की जावे। असंगठित क्षेत्र में विभिन्न श्रेणियां में श्रमिकों हेतु कल्याण बोर्ड का गठन किया जावे। न्यूनतम मजदूरी केंद्र सरकार के समकक्ष 1 अक्टूबर 24 से लागू की जावे। बैंकिंग सेक्टर में पांच दिवसीय कार्य सप्ताह लागू किया जावे। ईपीएस 95 के अंतर्गत न्यूनतम पेंशन 1000 से बढ़ाकर 8500 की जावे। ईपीएफ में अनिवार्य अंशदान 15000 से बढ़ाकर 30000 किया जावे। ईएसआईसी कवरेज के लिए मासिक वेतन 21000 से बढ़कर 42000 किया जावे तथा बोनस की सीमा 7000 से बढ़ाकर 21000 किया जाए। ठेका श्रमिकों को स्थाई किया जावे।

सीएलजी सदस्यों की बैठक आयोजित

निसं

मुकुंदगढ़ (नवयत्न)। होली के त्योहार के मध्यनजर पुलिस थाना परिसर में सीएलजी, शांति समिति सदस्यों की बैठक थानाधिकारी ताराचंद यादव की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में होली के त्योहार को आपसी सौहार्द एवं भाईचारे से मनाने की अपील की। थानाधिकारी ताराचंद यादव ने बताया कि कोई भी संदिग्ध व्यक्तयों की सूचना पुलिस थाने पर देने की अपील की। पंडित आदित्य नारायण सुरोलिया ने रात्रि के समय ऑटो किराया निर्धारित करने की मांग उठाई। हरफुल सिंह ने गोपीनाथ मंदिर से मुख्य बाजार तक अतिक्रमण हटाने एवं कपिल शर्मा ने मंडी चौराहे पर ट्रैफिक व्यवस्था सुचारू रूप से व्यवस्था करवाने की अपील की। थानाधिकारी ताराचंद यादव ने सदस्यों की समस्या का जल्द जल्द समाधान करने का आश्वासन दिया है। इस अवसर पर एएसआई सुनील कुमार, हैड कांस्टेबल दिलीप सिंह, हैड कांस्टेबल रोशन लाल, इंद्राज मील, मुकेश पारीक डूंडलोद, हुसैन खान कायमखानी डूंडलोद, पंडित आदित्य नारायण सुरोलिया, कपिल शर्मा, सतपाल सिंह शेखावत, ओमप्रकाश जांगिड़, बबलू शर्मा, नवीन शर्मा, योगेश शर्मा, खेताराम रजनीश कुमार, संदीप सैन, बजरंग लाल, सुरेंद्र कुमार सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे।

सड़क हादसे में दो युवक घायल

निसं

सुजानगढ़ (नवयत्न)। निकटवर्ती गांव गनोडा व सारोठिया के बीच बिजली घर के पास मोटरसाइकिल सवार दो युवक सड़क पर अचानक पशुधन आने से घायल हो गए। सूचना पर टीम हारे का सहारा संयोजक श्याम स्वर्णकार, एम्बुलेंस चालक सिकंदर मौके पर पहुंचे तथा दोनों घायलों को सुजानगढ़ अस्पताल की इमरजेंसी मे पहुंचाकर इलाज शुरू कराया। घायलों मे किशन जाट, भवानी शंकर स्वामी, निवासीगण सारंगसर के नाम शामिल हैं। जानकारी के अनुसार किशन अपने दोस्त भवानी शंकर को हैदराबाद वाली बस मे छोड़ने के लिए सुजानगढ़ आ रहा था, कि अचानक सड़क पर पशुधन आ गया।

सम्पर्क पोर्टल प्रकरणों की गहन मॉनीटरिंग व समुचित निस्तारण से परिवादियों को संतुष्ट करें अधिकारी : सुराणा

निसं

चूरू (नवयत्न)। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने बुधवार को डीओआईटी वीसी सभागार में आयोजित बैठक में संपर्क पोर्टल पर दर्ज प्रकरणों, उनके निस्तारण व परिवादियों के संतुष्टि स्तर की समीक्षा कर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। इस मौके पर सुराणा ने कहा कि संपर्क पोर्टल पर दर्ज व अंसतुष्टि वाले प्रकरणों का सूक्ष्म व गहनता से मॉनिटर करें और समुचित निस्तारण से परिवादियों को संतुष्ट करें।

उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी सुनिश्चित करें कि शिकायत जिस स्तर की है, वह उसी स्तर पर निस्तारित हो। इसी के साथ ब्लॉकों पर प्राप्त शिकायतें जिला व राज्य से संबंधित हो तो समुचित जानकारी के साथ उच्चाधिकारियों को अवगत कराते हुए अपेक्षित कार्यवाही करें। जिला कलक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिन विभागों में लंबित प्रकरणों की संख्या अधिक है, वे प्राथमिकता के आधार पर उनका समाधान करें और नियमित मॉनीटरिंग सुनिश्चित करें। शिकायतों का वेरिफिकेशन किया जाए तथा अपेक्षित कार्यवाही से परिवादियों को संतुष्ट किया जाए।

सभी अधिकारी देखें कि अंतर-विभागीय प्रकरणों में समुचित समन्वय हो और किसी प्रकार की तकनीकी समस्या होने पर समाधान किया जाए। इसी के साथ संपर्क पोर्टल पर वर्तमान में प्रक्रियाधीन शिकायतों का समुचित व समयबद्ध निस्तारण कर परिवादियों का संतुष्टि स्तर बेहतर रखें। उन्होंने बैठक में पिछले 2 महीनों के दौरान असंतुष्टि वाले प्रकरणों की समीक्षा की तथा विभागीय अधिकारियों को प्रकरण आवंटन करते हुए समुचित निस्तारण की बात कही। उन्होंने कहा कि प्रत्येक प्रकरण में तथ्यात्मक जांच कर समयबद्ध कार्रवाई की जाए तथा परिवादियों से फीडबैक लेकर संतुष्टि स्तर बढ़ाने पर विशेष ध्यान दिया जाए। एडीएम अर्पिता सोनी ने निर्वाचन गतिविधियों, विभागवार संपर्क पोर्टल प्रकरणों सहित बिन्दुओं पर चर्चा करते हुए अपेक्षिक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। एडीपीएस नरेश कुमार ने विभागवार प्रकरणों, रिपोर्टिंग, डिस्पोजल व संतुष्टि स्तर के बारे में जानकारी दी।

इस दौरान सीईओ श्वेता कोचर, एसीईओ भागचंद खारिया, डीएफओ भवानी सिंह, सीडीईओ संतोष महर्षि, सीएमएचओ डॉ मनोज शर्मा, आयुक्त अभिलाषा सिंह, डिस्कॉम एसई आरपी वर्मा, पीएचईडी एसई चुन्नीलाल सहित जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे तथा वीसी के जरिए सभी उपखंडों से उपखंड स्तरीय अधिकारी जुड़े रहे।

खाटूश्यामजी जाने वाले श्रद्धालुओं की रींगस रेलवे स्टेशन पर उमड़ रही भीड़

रेलवे प्रशासन ने किए पुख्ता प्रबंध

निसं

रींगस (नवयत्न)। खाटूश्यामजी मेले के अवसर पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को ध्यान में रखते हुए रेल प्रशासन द्वारा व्यापक और सुव्यवस्थित तैयारियाँ की गई हैं। मेले के दौरान यात्रियों की सुरक्षितएसुगम एवं सुविधाजनक यात्रा सुनिश्चित करने के लिए विशेष व्यवस्थाएँ लागू की गई हैं। रेल प्रशासन ने सभी संबंधित विभागों के साथ समन्वय स्थापित करते हुए 24 घंटे निगरानी एवं नियंत्रण की व्यवस्था की है। पूजा मित्तल वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक जयपुर के अनुसार मेले के दौरान स्टेशन पर भीड़ प्रबंधन को सुव्यवस्थित रखने के उद्देश्य से यात्रियों को ट्रेन प्रस्थान समय से एक घंटे पूर्व ही स्टेशन परिसर में प्रवेश की अनुमति दी जाएगी। इससे प्लेटफॉर्म पर अनावश्यक भीड़ को नियंत्रित किया जा सकेगा तथा सुरक्षा व्यवस्था बेहतर बनी रहेगी। यात्रियों की सुविधा के लिए स्टेशन के द्वितीय प्रवेश द्वार पर भी टिकट की व्यवस्था की गई है, जिससे लंबी कतारों से राहत मिलेगी और यात्रियों को शीघ्र टिकट उपलब्ध हो सकेगा। सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए स्टेशन परिसर में यात्रा टिकट चेकिंग के उपरांत ही प्रवेश की व्यवस्था लागू की गई है। इससे बिना टिकट यात्रा पर प्रभावी नियंत्रण रहेगा तथा भीड़ को व्यवस्थित ढंग से प्लेटफॅार्म तक पहुँचाया जा सकेगा। मेले के मद्देनजर 20 मेला स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त नियमित ट्रेनों में भी अतिरिक्त कोच जोड़े गए हैं, ताकि अधिक से अधिक श्रद्धालु सुरक्षित रूप से यात्रा कर सकें। रेल प्रशासन द्वारा एक विशेष मेला कंट्रोल रूम की स्थापना की गई है, जहाँ से 24 घंटे संपूर्ण व्यवस्थाओं की निगरानी की जा रही है। कंट्रोल रूम से ट्रेनों की आवाजाही, भीड़ नियंत्रण, सुरक्षा व्यवस्था तथा अन्य आवश्यक सेवाओं पर सतत नजर रखी जा रही है। किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की गई है। सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने हेतु लगभग 450 से अधिक आरपीएफ एवं जीआरपी जवानों की तैनाती की गई है। स्टेशन परिसर, प्लेटफॉर्म, प्रवेश एवं निकास द्वारों सहित संवेदनशील स्थलों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से भी गतिविधियों पर पैनी नजर रखी जा रही है। यात्रियों की सहायता एवं मार्गदर्शन के लिए स्टेशन परिसर में सहायता बूथ स्थापित किए गए हैं, जहाँ प्रशिक्षित कर्मचारी 24 घंटे उपलब्ध रहेंगे। यात्रियों को ठहरने एवं विश्राम की सुविधा प्रदान करने के लिए मेल शेल्टर की व्यवस्था की गई है। यहाँ बैठने, पेयजल एवं आवश्यक मूलभूत सुविधाएँ उपलब्ध कराई गई हैं। चिकित्सा सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए स्टेशन परिसर में 24 घंटे डॉक्टर एवं एंबुलेंस की तैनाती की गई है, ताकि किसी भी स्वास्थ्य संबंधी आपात स्थिति में तुरंत सहायता प्रदान की जा सके। इसके अतिरिक्त, वाणिज्य विभाग सहित विभिन्न विभागों के 100 से अधिक कर्मचारी 24 घंटे मेले में ड्यूटी कर रहे हैं। टिकट वितरण, यात्री मार्गदर्शन, सफाई व्यवस्था, पेयजल आपूर्ति एवं अन्य व्यवस्थाओं को सुचारु बनाए रखने के लिए सभी विभाग समन्वित रूप से कार्य कर रहे हैं। स्वच्छता पर विशेष ध्यान देते हुए अतिरिक्त सफाई कर्मियों की तैनाती भी की गई है, जिससे स्टेशन परिसर स्वच्छ एवं व्यवस्थित बना रहे। रेल प्रशासन ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे निर्धारित समय से पूर्व स्टेशन पर पहुँचें, वैध टिकट के साथ यात्रा करें तथा रेलवे कर्मचारियों द्वारा दिए जा रहे निर्देशों का पालन करें। भीड़भाड़ की स्थिति में धैर्य बनाए रखें एवं किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें।

इनका कहना है

रेलवे अधिकारियों ने विश्वास व्यक्त किया है कि सभी विभागों के समन्वित प्रयासों से इस वर्ष खाटूश्याम मेले के दौरान रेल सेवाएँ सूचारु, सुरक्षित एवं व्यवस्थित रूप से संचालित होगी। रेल प्रशासन श्रद्धालुओं को सुरक्षित एवं सुखद यात्रा अनुभव प्रदान करने के लिए पूर्णत: प्रतिबद्ध है। डॉ जगदीश कुमार, मेला अधिकारी रींगस/मंडल वाणिज्य प्रबंधक जयपुर

निजी बसों की हड़ताल से यात्री हो रहे परेशान

निसं

साण्डवा (नवयत्न)। परिवहन विभाग के सख्त नियमों व चालान कार्रवाई के विरोध में मंगलवार व बुधवार को प्रदेश स्तरीय आह्वान जिला प्राइवेट बस यूनियन की तरफ से जिले में निजी बसों की अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू की गई। इस कारण मंगलवार व बुधवार को जिले के स्टेट हाइवे नं 20 पर नोखा से सुजानगढ़ व बीकानेर से सीकर जयपुर के रूटों पर करीब 50 बसों का संचालन ठप रहा।

यात्रियों को काफी परेशानी उठानी पड़ी, स्टेट हाइवे नं 20 पर मात्र दो रोडवेज बसे चलती है, खासकर ग्रामीण रूट के यात्रियों को काफी परेशानिया उठानी पड़ी। जिले में कई गांवों में रोडवेज बसें नहीं जाती है, इस कारण ग्रामीण परिवहन के लिए निजी बसों पर निर्भर रहते हैं। हड़ताल के कारण कई स्टूडेंट्स और कर्मचारियों को परेशानी हुई। हड़ताल के चलते जिले में लंबी दूरी को गांव के लिए ऑनलाइन बुकिंग भी बंद कर दी गई है। प्राइवेट बस के मालिकों ने बताया कि बसों की छतों से कैरियर हटाने, 50 हजार से 1.5 लाख रुपए तक चालान और परिवहन विभाग के सख्त नियमों के खिलाफ प्रदेशव्यापी हड़ताल की जा रही है।

यदि यूनियन की मांगों पर उचित कार्रवाई नहीं होती है तो हड़ताल जारी रखेगी। रोडवेज में भीड़, हड़ताल के कारण रोडवेज बसों में यात्रियों की भीड़ बढ़ गई है। जयपुर, बीकानेर से सीकर व जयपुर सहित कई रूटों की बसों में मात्रियों को पैर रखने तक की जगह नहीं मिल रही है। महिलाओं और बुजुर्गों को भी खड़े रह कर यात्रा करनी पड़ रही है। जानकारी के मुताबिक मंगलबार को कई बसों में आम दिनों की तुलना में यात्रियों की संख्या डेढ़ से दो गुना अधिक रही। क्षेत्र के लोगो की स्टेट हाइवे नं. 20 रूट पर रोडवेज प्रशाशन से रोडवेज बसे और लगाने की मांग की है।

होली फाग महोत्सव आयोजित

निसं

लाडनूं (नवयत्न)। होली रंग रसिया समूह लाडनूं के द्वारा फाग महोत्सव 2026 कार्यक्रम का स्थानीय जेतमाल फार्म हाऊस में शानदार आयोजन हुआ। इसमें शेखावाटी के कलाकारों द्वारा चंग की थाप पर शानदार नृत्य की प्रस्तुतियां पेश की गईं। कार्यक्रम में पुष्प होली, बांसुरी वादन का मुख्य आकर्षण रहा। इस दौरान आयोजन समिति के सदस्यों द्वारा आगंतुक मेहमानों का दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया गया एवं सहभोज का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में राजेश पगारिया विशाखा पटनम, उम्मेद बोकड़िया चेन्नई, रामनिवास पटेल, लूणकरण शर्मा, डॉ. सुमन गोदारा, अंजना शर्मा, संजय कुमार चोटिया, मनीष राजपुरोहित, व्यवसायी सुमित जांगिड़, ददिनेश धेड़ू, समाजसेवी हरिराम खीचड़, आयोजन समिति के पिंटू सिंह, प्रकाश सोनी, निक्की जेतमाल, प्रभात अरोड़ा, नीतेश माथुर लक्ष्मण शर्मा, शरद पीपलवा, आशीष किल्ला, रितेश नाहटा, देवेन्द्र सोनी, मनोज सोनी आदि मौजूद रहे।

ग्लोबल हेल्थ एंड वेलनेस फेस्टिवल 28 से

निसं

जयपुर (नवयत्न)। ग्लोबल हेल्थ एंड वेलनेस फेस्टिवल जीएचडब्लूएफ इस बार जयपुर के ऐतिहासिक बिड़ला ऑडिटोरियम में 28 फरवरी और 01 मार्च को आयोजित होने जा रहा है। फेस्टिवल की एक अहम् और खास बात यह होगी कि इसमें प्रवेश पूरी तरह नि:शुल्क रहेगा और प्रत्येक पंजीकृत प्रतिभागी को 15 हजार मूल्य की हेल्थकेयर बेनिफिट बुकलेट प्रदान की जाएगी। जिससे वे वर्षभर संबद्ध अस्पतालों और हेल्थकेयर सेवाओं में चिकित्सा खर्च पर बचत कर सकेंगे। फेस्टिवल के फाउंडर हिम्मत सिंह नाथावत ने बताया कि जस्ट हेल्थ एंड वेलनेस जेएचडब्लू की अगुवाई में शुरू किया गया यह अभियान हर साल नए आयाम छू रहा है और इस बार का आयोजन भी अब तक का सबसे बड़ा होगा। इस मंच के माध्यम से हम स्थानीय डॉक्टरों और अस्पतालों को अंतरराष्ट्रीय मेडिकल स्पेशलिस्ट से साथ जुड़ने का अवसर दे रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस वर्ष फेस्टिवल सात वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने की कोशिश करेगा। जो हेल्थ अवेयरनेस, इंश्योरेंस जागरूकता, वरिष्ठ नागरिक सशक्तिकरण, कॉर्पोरेट हेल्थ ट्रेनिंग, महिलाओं के स्वास्थ्य और बड़े पैमाने पर जनभागीदारी जैसे विषयों पर केंद्रित होंगे। आयोजन के टाइटल केयर हेल्थ इंश्योरेंस है, जो गौ माया फाउंडेशन के साथ मिलकर इस पहल को समर्थन दे रहा है और प्रेजेंटिंग स्पॉन्सर डीएसके हेल्थ केयर हैं। इस सीजन में इस साल के मिशन और आउटरीच के लिए कोगता फाइनेंस, जीसीएलए बीसीआईए रेफोर्मेर्स, बीमा जंक्शन और ड्रीम लाइन ग्रुप हमारा साथ दे रहे हैं। इस इवेंट में राहुल पचोरी, सीता राम गुप्ता, आयुष कोगटा, सुदेश सैनी और अजय अग्रवाल जैसे कई जाने-माने गेस्ट भी शामिल होंगे। को-फाउंडर भूपेंद्र सिंह, आर.के. व्यास और अजय शर्मा ने कहा कि इस बार दुबई और ऑस्ट्रिया के डॉक्टर और हेल्थ एक्सपर्ट डिजिटल माध्यम से जुड़कर एडवांस मेडिकल इंफ्रास्ट्रक्चर और ग्लोबल हेल्थ इनोवेशन पर अपने विचार साझा करेंगे। इससे लोकल से ग्लोबल की सोच को और मजबूती मिलेगी। समापन समारोह में बॉलीवुड अभिनेत्री मिनिषा लामबा और प्रसिद्ध कलाकार सुधा चंद्रन की उपस्थिति रहेगी और साथ ही लोकगायक रैपरिया बालम और बॉलीवुड प्लेबैक सिंगर, रविंद्र उपाध्याय की संगीतमय प्रस्तुति कार्यक्रम को यादगार बनाएगी।

पांच दिवसीय फागोत्सव को लेकर पुलिस एवं प्रशासन ने ली बैठक

निसं

राजलदेसर (नवयत्न)। राजलदेसर कस्बे में करीबन 400 वर्षो से अधिक समय से चली आ रही गींदड़ नृत्य की परंपरा आज भी राजलदेसर कस्बे वासी अपनी धरोहर को जिंदा रखने के लिए दिन-रात लगे हुए हैं। इसी के तहत कस्बे के मैन बाजार नृत्य कला मंडल, गांधी चौक नृत्य कला मंडल, श्री राजलदेसर गौशाला, श्रीनाथ नगर गौशाला, श्री श्याम मंदिर के प्रांगण में फागोत्सव इसके अलावा यूनियन क्लब, मैन बाजार, गांधी चौक में चंग प्रतियोगिता को लेकर एवं इस भव्य आयोजन को सफल बनाने के लिए नगर पालिका परिसर में शांति समिति की मीटिंग आयोजित की गई। जिसमें सुजानगढ़ एडिशनल एसपी दिनेश कुमार, रतनगढ़ डीएसपी इनसार अली, तहसीलदार हरदीप सिंह, थाना प्रभारी सुरेंद्र बारूपाल, चिकित्सा प्रभारी डॉक्टर कपिल धाबाई, मैन बाजार नृत्य कला मंडल के अध्यक्ष मनोज महावर, गांधी चौक नृत्य कला मंडल के अध्यक्ष कमल डागा के सानिध्य में मीटिंग आयोजित की गई। जिसमें कस्बे के अलग-अलग व्यक्तियों ने अपने सुझाव अधिकारियों के समक्ष रखें साथ ही ट्रैफिक व्यवस्था बेरिकेट, होलिका दहन स्थल पर सफाई लाइटिंग की व्यवस्था एवं कस्बे के प्रमुख वार्डों में रोशनी की व्यवस्था इसके अलावा पुलिस का अधिक जाब्ता लगाने की बात रखी। जिस पर समस्त अधिकारियों ने उपस्थित व्यक्तियों के सुझाव लिखित में नोट किया एवं सुजानगढ़ एडिशनल एसपी दिनेश कुमार ने कहा कि राजलदेसर का गींदड नृत्य बहुत प्रसिद्ध है इसीलिए आप सब इस ऐतिहासिक गींदड नृत्य को और अधिक सुंदर बनाने के लिए आपस में प्रेम भाव से सभी कार्यक्रम में आनंद लेवें। इसके अलावा उन्होंने रतनगढ़ के थाना प्रभारी रतनलाल मेघवाल को राजलदेसर होली के पावन पर्व को लेकर 5 दिन तक राजलदेसर लगाने की घोषणा की। मीटिंग में डीएसपी इनसार अली ने कहा कोई भी व्यक्ति नृत्य के दौरान धारदार हथियार, बड़ी लाठी या सरिया आदि अगर लेकर आते है तो उसके ऊपर कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी एवं दोषी व्यक्ति को किसी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा ।

तहसीलदार हरदीप सिंह ने कहा होली का त्योहार रंगों का त्योहार है इस त्योहार को आपस में प्रेम भाव से मनाए एवं प्रशासन का सहयोग करें। वहीं थाना प्रभारी सुरेंद्र कुमार बारूपाल ने कहा पुलिस प्रशासन के साथ कस्बेवासियों का सहयोग भी जरूरी है मुझे पूरा विश्वास है राजलदेसर में इस बार ऐतिहासिक फागोत्सव कार्यक्रम शानदार संपन्न होगा एवं पुलिस हमेशा जनता के लिए तत्पर तैयार रहेगी। इस अवसर पर चिकित्सा प्रभारी डॉक्टर कपिल धाबाई ने कहा 5 दिन विशेष कर चिकित्सा परिसर में सभी कर्मचारियों को अलर्ट रहने के आदेश जारी किए जाएंगे। इस अवसर पर गांधी चौक नृत्य कला मंडल के अध्यक्ष कमल डागा, मैन बाजार नृत्य कला मंडल के अध्यक्ष मनोज महावर ने प्रशासन एवं कस्बे वासियों का आभार प्रकट किया एवं शांतिपूर्ण त्योहार मनाने की अपील की। इस मौके पर नरपत बैद, खींवकरण कुंडलिया, पवन प्रजापत, भंवरलाल नाई, चन्द्र प्रकाश घिंटाला, गोपाल शर्मा, गांधी चौक नृत्य कला मण्डल के कार्यकारी अध्यक्ष पवन मारू, विष्णु प्रजापत, टोनु पांडे, पवन बोथरा, पवन झेडू, विष्णु स्वामी, कालूराम तंवर, रामेश्वर कच्छावा, नथमल सैनी, श्रवण सैनी, कालूराम जाट, प्रमोद नाई, कैलाश सोनी, भागाराम प्रजापत, ओम पांडे, मनोज प्रजापत सहित सैकड़ों की संख्या में कस्बे वासी मौजूद रहे।

पुलिस की एरिया डोमिनेशन अभियान में बड़ी कार्रवाई

निसं

लाडनूं (नवयत्न)। एसपी ऋचा तोमर के निर्देशन में लाडनूं पुलिस ने एरिया डोमिनेशन अभियान के तहत सख्त कार्रवाई करते हुए कानून-व्यवस्था को मजबूत किया। अभियान में 3 स्थाई वारंट व 2 गिरफ्तारी वारंट का निस्तारण किया गया, जबकि धारा 170 बीएनएसएस के तहत 1 व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने क्षेत्र के 13 हिस्ट्रीशीटर बदमाशों की पत्रावलियां जांचकर नोटिस दिए व पूछताछ कर उनको बदमाशी नहीं करने के लिए पाबंद किया। इसके अलावा 13 आर्टिकल मालखाना का निस्तारण किया गया। एमवी एक्ट के तहत 7 वाहनों के चालान काटकर 4,900 रुपए का जुर्माना वसूला गया। धारा 126 व 135 बीएनएस में इस्तगासा तैयार कर 4 व्यक्तियों को पाबंद किया गया। वहीं आबकारी अधिनियम के तहत 2 प्रकरण दर्ज किए गए। अभियान के दौरान करीब दो दर्जन स्थानों पर दबिश देकर 12 संदिग्धों से जांच-पड़ताल की गई। सीआई शिंभू दयाल मीणा का कहना है कि ऐसे अभियान निरंतर जारी रहेंगे जिससे अपराध पर अंकुश लगेगा और आमजन में सुरक्षा का भरोसा बढ़ेगा।

सीकर की ओर दौड़ लगा रहे हैं विद्यार्थी और उनके अभिभावक

प्रोफेशनल कोर्सेज का अभाव बना परिजनों का सरदर्द

निसं

सुजानगढ़ (नवयत्न)। विद्यार्थियों के परिजन इन सालों सुजानगढ़ में अजीब और पेशोपेश भरी जिन्दगी से गुजर रहे हैं। खासकर तब जबकि उनके बच्चे 10वीं, 12 वीं कक्षा में अध्ययन कर रहे हैं और अगले साल उनके कैरियर का चिंता परिजनों को दिन रात सताती रहती है। परिजनों का एक बड़ा वर्ग तो अपने बच्चों को सीकर जयपुर भेजने के लिए पहले से ही या तो कमर कस चुका है या तैयार हो रहा है। इन दिनों अनेक परिजन तो अपने बच्चों के अध्ययन के सिलसिले में उनके साथ सीकर में ही निवास करने लगे हैं। क्योंकि लड़कियों के मामले में अब भी परिजन असुरक्षा के भाव से ग्रस्त हैं। सीकर जहां इन सालों में शिक्षा के हब के रूप में विकसित हो गया है, वहां किरायेदारों का जीवन काटने के लिए आस-पास के शहरों से परिजन अपने बच्चों के साथ पहुंच रहे हैं। हालांकि इन सालों सुजानगढ़ में उच्च शिक्षा के लिहाज से कुछ हद तक काम हुआ है, लेकिन प्रोफेशनल कोर्सेज जैसे-नीट, जेईई, क्लेट, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारियां, नेट की तैयारियां, आरएएसए आईएएस की कोचिंग क्लासेज एलएलबी आदि के यहां पर न तो कोचिंग हैं और न ही कॉलेज। स्नातक और स्नातकोतर की शिक्षा यहां पर उपलबध है, जिसे अब लोग परम्परागत शिक्षा के नजरिये से देखने लगे हैं। इस इसका उदाहरण ऐसे समझा जा सकता है कि अगर कोई बच्चा डॉक्टर, इंजीनियर, आर्किटेक्ट, पत्रकार, वकील बनना चाहता है, तो उसके लिए सुजानगड़ में कोई स्कोप नहीं है, उसे सुजानगढ़ से बाहर सीकर की तरफ दौड़ लगानी पड़ेगी। या फिर जयपुर, कोटा के चक्क लगाओ। इस प्रकार की समस्याओं से जब परिजन अपने आपको घिरा हुआ पाते हैं, तो उनको लगता है कि सुजानगढ़ में शिक्षा के क्षेत्र में काम काफी कम हुआ है। क्योंकि बड़े बिजनेसमेन भी यहां नहीं आते और न ही इस प्रकार की हिम्मत जुटा पाते हैं। इस बारे में दैनिक नवयत्न ने लोगों से बात की तो काफी सारी बातें निकलकर सामने आई। इस बारे में वरिष्ठ अधिवक्ता एडवोकेट निरंजन सोनी ने कहा कि नीट, क्लेट, जेईई की कोचिंग क्लासेज यहां पर नहीं है। जिन बच्चों को डॉक्टर इंजीनियर बनना है, वो और उनके परिजन सीकर की तरफदौड़ लगाते हैं, इससे यही साबित होता है कि सुजानगढ़ राजस्थान का 25 वां बड़ा शहर होने के बावजूद भी शिक्षा का हब नहीं बन पाया। उच्च लेवल के शिक्षक प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करवाने के लिए सुजानगढ़ को अपनी कर्मभूमि नहीं बना रहे, जिससे विद्यार्थीगण परेशान हैं और अभिभावक चिंतित। सुजानगढ़ के शिक्षा का हब नहीं बन पाने में जनप्रतिधियों की उदासीनता भी कुछ हद तक जिम्मेदार है। दूसरी ओर इस बारे में त्रिशला पब्लिक स्कूल के निदेशक आनंद सिंह शेखावत ने बताया कि सुजानगढ़ में शिक्षा का स्तर पिछले कुछ वर्षों में निश्चित रूप से बेहतर हुआ है, विशेषकर माध्यमिक स्तर पर विद्यालयों ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर विद्यार्थियों की मजबूत नींव तैयार की है। यह हमारे क्षेत्र के लिए गर्व और संतोष का विषय है। फिर भी उच्च शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए यहाँ पर्याप्त संसाधनों और संस्थानों का अभाव आज भी स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। यही कारण है कि विद्यार्थियों को मजबूर होकर सीकर, कोटा, जयपुर या दिल्ली जैसे बड़े शहरों की ओर पलायन करना पड़ता है। इस पलायन का प्रभाव केवल विद्यार्थियों पर ही नहीं, बल्कि उनके अभिभावकों पर भी पड़ता है। कई अभिभावक बच्चों के भविष्य की चिंता में उनके साथ किराये पर रहने लगते हैं, जिससे आर्थिक बोझ बढ़ता है। वहीं जो अभिभावक ऐसा नहीं कर पाते, उन्हें बच्चों को हॉस्टल या पीजी में भेजना पड़ता है, जहाँ बच्चों को मानसिक अकेलेपन, असुरक्षा और गलत संगति, नशे की प्रवृति में होने का खतरा बना रहता है। एडवोकेट तिलोकचंद मेघवाल ने बताया कि संस्कारित, मानसिक और शारीरिक विकास की दृष्टि से सुजानगढ़ वासियों को अपने बच्चों का स्थानीय स्तर पर ही सर्वांगीण विकास करने पर ध्यान देना चाहिए। क्योंकि सभी बच्चे अगर डॉक्टर इंजीनियर बनने की अंधी दौड़ में शामिल हो जायेंगे, तो निश्चित रूप से यह अभिभावकों की बच्चों से आवश्यकता से अधिक उम्मीदें हैं और बच्चों के साथ ज्यादती भी। एक दौर आजकल चल पड़ा है कि ज्यादा पैसे खर्च करने से ज्यादा शिक्षा बेहतर मिलेगीए यह शिवाय मिथक के अलावा और कुछ नहीं। हां यह बात सही है कि उच्च शिक्षण संस्थाओं का सुजानगढ़ में भी होना आवश्यक है, लेकिन ये हर जगह हों, ऐसा संभव नहीं हैं। वहीं अभिभावक अशोक जाखड़ ने बताया कि मेरा पुत्र कोटा अध्ययनरत है, क्योंकि यहां पर इस प्रकार के व्यवसायिक कोर्स नहीं हैं। जिसके कारण प्रतिवर्ष लाखों रूपयों का खर्च तो शिक्षा पर करना ही पड़ता है। लेकिन महीने में एक दो बार कोटा की यात्रा भी करनी पड़ती है। बच्चे परिजनों से दूर रहेंगे, तो उनके नकारात्मक भाव आने का खतरा रहता है और परिजन बच्चों की संगत को लेकर काफी चिंचित रहते हैं। इसलिए उच्च शिक्षण संस्थाएं आवश्यक हैं, जिनमें व्यवसायिक शिक्षा जैसे चिकित्सा, शिक्षा, आईटी आदि की सुविधाएं हों और बच्चों व अभिभावकों को पलायन करना नहीं पड़े।

दूसरी ओर इस बारे में लायंस क्लब के जोन चैयरपर्सन कमल तापड़िया ने बताया कि जाने वाले लोगों की मजबूरी है और हमारे राजनेताओं में ईच्छाशक्ति की कमी है कि आज तक इस प्रकार की उच्च शिक्षा के संस्थान यहां पर विकसित नहीं हो पाये। तापड़िया ने कहा कि बच्चों के साथ पलायन करना लोगों की मजबूरी है और इसके चलते अगर सुजानगढ़ का टेलेंट बाहर जाकर काम करता है, तो ये विडंबना की बात है। पार्टियां आपस में एक दूसरे पर छिंटाकशी करके अनर्गल बातों में पांच साल निकाल देती हैं, लेकिन उच्च शिक्षा जैसी मूलभूत सुविधाओं पर काम नहीं करती, तो लोगों का कैसे भला होगा। इस प्रकार यदि सुजानगढ़ में ही उच्च शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं की गुणवत्तापूर्ण तैयारी की सुविधाएँ विकसित की जाएँ, तो विद्यार्थियों को अपने ही शहर में सुरक्षित, सुलभ और सकारात्मक वातावरण मिल सकेगा। इससे न केवल विद्यार्थियों का भविष्य उज्ज्वल होगा, बल्कि सुजानगढ़ का शैक्षिक और सामाजिक विकास भी नई ऊँचाइयों को प्राप्त करेगा।

किसान महापंचायत आयोजित

निसं

रतनगढ़ (नवयत्न)। अखिल भारतीय किसान सभा, ब्लॉक के नेतृत्व में किसानों एवं आमजन की समस्याओं को लेकर बुधवार को रतनगढ़ उपखंड अधिकारी कार्यालय के समक्ष किसान महापंचायत का आयोजन किया गया। इससे पहले किसान भवन से मुख्य बाजार होते हुए उपखंड कार्यालय तक रैली निकाली गई। रैली के दौरान किसानों ने किसान एकता जिंदाबाद, इंकलाब जिंदाबाद के नारों के साथ अपनी मांगों को उठाया। महापंचायत की अध्यक्षता ब्लॉक अध्यक्ष भादर भामू व सचिव गोपीचंद खीचड़ ने की तथा मुख्यमंत्री के नाम 25 सूत्रीय मांगपत्र उपखंड अधिकारी को सौंपा गया। महापंचायत को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष कॉमरेड इंद्राज सिंह ने एम एस पी पर कानून बनाने, किसानों को कर्जमुक्त करने तथा लंबित फसल बीमा क्लेम तुरंत जारी करने की मांग की। जिला सचिव कॉमरेड उमराव सारण ने स्मार्ट मीटर पर रोक, किसानों को दिन में बिजली आपूर्ति, 100 यूनिट मुफ्त बिजली तथा आर डी एस एस योजना में पारदर्शिता की आवश्यकता बताई। जिला कार्यकारिणी सदस्य रामकृष्ण छींपा, बिरजूराम खीचड़ ने मनरेगा में 200 दिन रोजगार, 600 रुपये मजदूरी, इसे खेती से जोड़ने तथा खेत कुंड व आवासीय पट्टों की मांग उठाई। जिला संयुक्त मंत्री कॉमरेड रामनारायण रुलानिया, मदनलाल जाखड़, बिशनलाल रुलानिया, खींवाराम ख्यालिया, शमशेर भालू खान, कालूराम नाई ने 765 केवी लाइन से प्रभावित किसानों को चार गुना मुआवजाए एनएच के 75 मीटर भूमि प्रतिबंध में संशोधन तथा नीलामी पर रोक लगाने की मांग की। कस्बा राजलदेसर में भ्रष्टाचार की जांच, जल जीवन मिशन व अन्य विकास कार्यों में अनियमितताओं पर कार्रवाई की मांग की। चूरू सचिव शमशेर भालू खान ने क्षेत्र में कृषि उपज मंडी की स्थापना, राजलदेसर में पंचायत समिति गठन, पशु मेले शुरू करने, मिड-डे मील की ठेका प्रथा समाप्त करने तथा पेयजल योजनाओं को शीघ्र चालू करने की मांग उठाई। वक्ताओं ने चेतावनी दी कि यदि किसानों और आमजन की समस्याओं का शीघ्र समाधान नहीं किया गया तो किसान सभा आंदोलन को और तेज एवं व्यापक किया जाएगा। कार्यक्रम का संचालन रामकिशन भामू ने किया।

फागोत्सव पर थिरके श्रद्धालुजन

निसं

रतनगढ़ (नवयत्न)। सिद्धपीठ श्री ताल वाले बालाजी श्याम मंदिर में चल रहे सप्तदिवसीय श्याम फागोत्सव में तीसरे दिन के आयोजन में हरी प्रसाद बूंटोलिया ने बाबा की ज्योत लेकर शुभारंभ किया। भजन गायक एस पी वर्मा, विष्णु स्वामी, बालकृष्ण धर्ड़ ने शानदार भजनों की प्रस्तुतिया दी। वहीं धमाल भजनों पर सैकड़ों भक्त बाबा श्याम के दरबार मे पुष्पों की वर्षा करते हुए नाचते गाते रहे। इस अवसर पर गोपीकृष्ण पुजारी, राकेश पुजारी, मनोज पुजारी, गिरधारी बाजोरिया, श्याम सुंदर धर्ड़, प्रकाश सोनी, गोपाल सोनी, सरिता प्रजापत, प्रहलाद पारीक भूरामल जांगिड ललित रांकावत, कमल शर्मा, नितिन मंडार, राजेश मंडार, प्रो जे पी भाटी, कपिल देव जाट, राकेश जाट, एड जगदीश संखोलिया विष्णु धरेन्द्र, गजेन्द्र शर्मा, संजय मुरारका, विष्णु सराफ, बलवीर स्वामी, सहित सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

किसान अपनी आय बढ़ाने के लिए कृषि गतिविधियों में नवीन तकनीकों का उपयोग करें : सुराणा

निसं

चूरू (नवयत्न)। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने बुधवार को जिला मुख्यालय पर आत्मा परियोजना सभागार में राष्ट्रीय बागवानी मिशन योजना अंतर्गत दो दिवसीय जिला स्तरीय सेमीनार का पर्यवेक्षण कर उपस्थित किसानों से संवाद किया। इस दौरान जिला कलक्टर सुराणा ने कहा कि किसानों की आय बढ़ाने के लिए परंपरागत खेती के साथ उद्यानिकी फसलों को अपनाना समय की आवश्यकता है। कृषक बदलते जलवायु परिदृश्य, सीमित जल संसाधनों को देखते हुए कृषि गतिविधियों में नवीन तकनीकों का उपयोग करें। इसी के साथ फसल विविधीकरण की दिशा में परंपरागत फसलों के साथ औषधीय व मसाला पौधों को बढ़ावा दें। उन्होंने कहा कि भौतिक परिस्थितियों में जिले में अधिकांशत : खारा पानी है और मिट्टी भी विविधता लिए हुए है। सिंचित क्षेत्र में भी पानी के अधिक उपयोग से फसल व मिट्टी की गुणवत्ता प्रभावित होती है, इसलिए किसान मिनिड्रिप व मिनिस्प्रिंकलर सिंचाई अपनाएं। सुराणा ने कहा कि प्रधानमंत्री धन धान्य कृषि योजना अंतर्गत चूरू जिले का चयन भी किया गया है। इसलिए किसान योजना व एकीकृत बागवानी विकास मिशन अंतर्गत फसल उत्पादकता को बढ़ाते हुए वैल्यू एडिशन पर फोकस करें। राज्य एवं केंद्र सरकार द्वारा संचालित योजनाओं में अनुदान का लाभ उठाएं और स्थानीय स्तर पर ही वेयरहाउस, प्रसंस्करण इकाईयां व मार्केटिंग विकल्प तैयार करें। उन्होंने कहा कि युवा कृषक दलहन, तिलहन प्रोसेसिंग व उत्पादों की ट्रेडिंग स्वयं करें और कृषि के साथ उद्यमिता को बढ़ावा दें। उद्यानिकी उपनिदेशक डॉ धर्मवीर डूडी ने कहा कि सूक्ष्म सिंचाई पद्धतियों को अपनाकर जल की बचत के साथ उत्पादन एवं गुणवत्ता दोनों में वृद्धि संभव है। उन्होंने बताया कि कृषि एवं उद्यानिकी क्षेत्र के समग्र विकास तथा किसानों को विभिन्न योजनाओं की जानकारी प्रदान करने के उद्देश्य से जिला स्तरीय सेमीनार आयोजित किया गया। सेमीनार में राष्ट्रीय बागवानी मिशन एवं अन्य उद्यानिकी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर विस्तार से चर्चा की गई। सेमीनार के दौरान विभागीय अधिकारियों ने आधुनिक तकनीकों, उन्नत किस्मों, एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन तथा कीट-रोग नियंत्रण के संबंध में प्रस्तुतीकरण दिया। इसी क्रम में किसानों को प्रधानमंत्री धन धान्य कृषि योजना, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना सहित उद्यानिकी विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं, फल एवं सब्जी फसलों के विस्तार, संरक्षित खेती, ड्रिप एवं स्प्रिंकलर सिंचाई तथा बागवानी फसलों के गुणवत्तापूर्ण उत्पादन की जानकारी दी गई। इसी के साथ उपस्थित किसानों की समस्याओं एवं सुझावों भी जाने। इस दौरान रामावतार शर्मा, मोतीलाल, सविता बुडानिया सहित अन्य मौजूद रहे।

भारतीय सेना द्वारा चूरू में वेटरन्स रैली का आयोजन आठ मार्च को

निसं

जयपुर (नवयत्न)। सप्त शक्ति कमान की ओर से रणबंकुरा डिवीजन द्वारा 08 मार्च 2026 को चूरू साई स्पोर्ट्स स्टेडियम में गौरव सैनिक समारोह एक वेटरन्स रैली का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन चूरू जिले की आठ तहसीलों के वेटरन्स, वीर नारियों एवं वीरांगनाओं को सम्मानित करने के लिए समर्पित है। जनसंपर्क अधिकारी रक्षा राजस्थान निखिल धवन के अनुसार इस जनसंपर्क कार्यक्रम से 6000 से अधिक वेटरन्स के लाभान्वित होने की अपेक्षा है। भारतीय सेना एवं नागरिक प्रशासन के अनेक वरिष्ठ गणमान्य अधिकारी इस कार्यक्रम में उपस्थित रहेंगे तथा वेटरन्स कल्याण के प्रति सेना की निरंतर प्रतिबद्धता की पुनः पुष्टि करेंगे। जनसंपर्क अधिकारी रक्षा राजस्थान के अनुसार रैली के दौरान प्रदान की जाने वाली मुख्य सेवाओं में स्पर्श के माध्यम से पेंशन सहायता, रिकॉर्ड कार्यालयों एवं सीडी, द्वारा सहयोग, पेंशन खातों हेतु बैंकिंग सहायता, तथा भूमि एवं विधिक मामलों से संबंधित शिकायतों के निवारण के लिए नागरिक प्रशासन के स्टॉल शामिल होंगे । विशेषज्ञ परामर्श एवं दंत-चिकित्सा सुविधाएँ उपलब्ध कराने वाला एक चिकित्सा शिविर भी लगाया जाएगा। नागरिक काउंटर, आधार सेवाएँ तथा विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं से संबंधित मार्गदर्शन भी प्रदान किये जायेगें। आर्मी वेलफेयर प्लेसमेंट ऑर्गनाइजेशन के प्रतिनिधि वेटरन्स को पुनः रोजगार एवं कौशल-विकास पर मार्गदर्शन देंगे। वेटरन्स को बेहतर स्थायित्व एवं सम्मानजनक जीवन सुनिश्चित करने के लिए आर्मी वेलफेयर प्लेसमेंट ऑर्गनाइजेशन तथा विभिन्न नागरिक एजेंसियों के माध्यम से रोजगार अवसर भी उपलब्ध कराए जाएंगे। सभी उपस्थित लोगों के लिए एक सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा सैन्य उपकरणों का प्रदर्शन भी आयोजित किया जा रहा है।

सात दिवसीय भागवत कथा का समापन

निसं

राजलदेसर (नवयत्न)। राजलदेसर में मेहंदीपुर बालाजी मंदिर में बालाजी भक्त मंडल के द्वारा चल रही सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का समापन हुआ। कथावाचक ने दण्डी स्वामी शिवेन्द्राश्रम महाराज ने भागवत कथा के अंतिम प्रसंगों का भावपूर्ण वर्णन करते हुए भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं, धर्म, भक्ति और सदाचार का संदेश दिया। साथ ही भजनों की प्रस्तुति से भक्तगण आत्मविभोर होकर झूम उठे। भगवान श्रीकृष्ण के वात्सल्य व असीम प्रेम के अलावा उनके द्वारा की गई विभिन्न लीलाओं का वर्णन कर वर्तमान समय में समाज में व्याप्त अत्याचार, कटुता, व्यभिचार को दूर कर सुंदर समाज निर्माण के लिए युवाओं को प्रेरित किया। इस धार्मिक अनुष्ठान के समापन दिवस पर भगवान श्रीकृष्ण की सर्वोपरि लीला रासलीला, मथुरा गमन, दुष्ट कंस राजा के अत्याचार से मुक्ति के लिए कंसवध, शिशुपाल वध एवं सुदामा चरित्र का वर्णन कर लोगों को भक्तिरस में डुबो दिया। इस दौरान भजन गायकों ने उपस्थित लोगों को ताल एवं धुन पर नृत्य करने के लिए विवश कर दिया। इस कथा में बड़ी संख्या में महिला-पुरूषों भक्तों ने आनंद उठाया। इस अवसर पर यजमान विष्णु पारीक, गजानंद दिल्ली, ओमप्रकाश स्वामी बीकानेर सह पत्नीक रहे।

पूर्व पालिकाध्यक्ष तनसुख बने जिला महामंत्री

निसं

श्रीमाधोपुर (नवयत्न)। कस्बे के पूर्व पालिकाध्यक्ष तनसुख कुमावत को राजस्थान कुम्हार कुमावत महासभा का जिला महामंत्री नियुक्त किया गया है। जिला अध्यक्ष ओमप्रकाश कुमावत ने बताया कि प्रदेशाध्यक्ष डॉ आर सी कुमावत के निर्देशानुसार जिले में संगठन को मजबूती प्रदान करने के उद्देश्य को लेकर नव कार्यकारिणी का गठन किया गया है। जिसमें समाज के वरिष्ठ एवं कर्मशील तनसुख कुमावत को जिला महामंत्री बनाया गया है। गौरतलब है कि कुमावत ने पूर्व में भी महासभा के लिए अनुकरणीय काम किया था। नियुक्ति पर कस्बे के बजरंग लाल बरमुंडा, बनवारी लाल खोवाल, राजेन्द्र बासनीवाल, नन्द लाल मोरोठिया, रामेश्वर मारवाल, अनुराग खोवाल, कमलेश खोवाल कोटडी, रामावतार कुमावत हासपुर, देवीलाल कुमावत मऊ आदि ने प्रदेशाध्यक्ष डॉ आर सी कुमावत व प्रदेश संगठन का आभार व्यक्त किया है।

सन्तोषी फाग दीवाना ग्रुप का होली चंग धमाल कार्यक्रम का आगाज

निसं

नोखा (नवयत्न)। होली पर्व ज्यों-ज्यों नजदीक आता जा रहा है, त्यों-त्यों शहरवासियों में सतरंगी होली की मस्ती परवान चढ़ती जा रही है। विभिन्न चौकों- मोहल्लों में अलग-अलग कार्यक्रम रहे है। सब अपनी अपनी स्टाईल से मस्ती में डूबे हुए है परम्परा के साथ आधुनिकता का समिश्रण होने से रंगत बढ़ी हुई है। युवाओं के साथ-साथ बुजुर्ग भी मस्ती लेने में पीछे नहीं रह रहे है शहर में रम्मतों के साथ फागोत्सव, चंग धमाल आदि के कार्यक्रम हो रहे है। सन्तोषी फाग दीवाना ग्रुप के राधेश्याम राठी व फरसराम तापड़िया ने बताया कि कार्यक्रम संतोषी चोक प्रांगण में चंग की थाप पर धमाल का आयोजन शुरू किया गया। जिसमे पारम्परिक होली के गीतों की धमाले गायन के साथ रसिये नाचते हुवे नजर आ रहे है। सन्तोषी फाग दीवाना ग्रुप के राजू राठी व संजय लाहोटी ने बताया कि कार्यक्रम रात्रि 8:30 बजे शुरू किया जाता है जो देर रात्रि तक जारी रहता है

कार्यक्रम में महिलाओं की अलग से बैठने की व्यवस्था के चलते मातृ शक्ति की उपस्थिति सराहनीय नजर आने लगी है। मोहित सोनी द्वारा धोलागढ़ व श्याम भट्टड़ द्वारा प्रणचंडी हर्षित लाहोटी द्वारा भाभी का चेहरा सुहाना लगता है व श्याम बजाज, रमेश बागड़ी, कमल राठीब द्वारा धमाल गाई गई तब रसिये नाचने पर मजबूर हो गए ओर मोहित सोनी, शुभम सोनी, कुशाल चाण्डक, निखिल चाण्डक ने जमकर नृत्य किया। कार्यक्रम में गौरीशंकर करनानी, मूलचन्द राठी, जयकिशन राठी, सुरेश चाण्डक, श्यामसुंदर खड़लोहिया, नन्दकिशोर लाहोटी, महावीर प्रसाद लाहोटी, विनोद चितलांगिया, रमेश मूंदड़ा, महावीरप्रसाद तोषनीवाल, रमेश राठी, गणेश राठी, दामोदर छिम्पा, जीवराज मरोठी, सूरज सोनी, पवन तोषनीवाल, सुनील भट्टड़, कमल चाण्डक, राजू बाहेती, रामगोपाल चाण्डक, ललित डागा, गोपाल तापड़िया, राधेश्याम डागा, महावीर चाण्डक, श्याम लोहिया, शुशील चितलांगिया, आलोक राठी, जेठमल लाहोटी, कैलाश करवा, रामकरन उपाध्याय के साथ होली के रसिये व मातृशक्ति की उपस्थिति रही। ग्रुप के सुनील राठी ने बताया कि सन्तोषी फाग दीवाना चंग धमाल कार्यक्रम होली तक लगातार रात्रि 8:30 बजे से जारी रहेगा।

150 लोगों की जांच कर 68 का ऑपरेशन हेतु चयन

निसं

सुजानगढ़ (नवयत्न)। लायंस क्लब सुजानगढ़ एवम शंकरा आई हॉस्पिटल जयपुर के तत्वावधान में जिला अंधता निवारण समिति जयपुर व हितेश ज्वेलर्स सुजानगढ़ के आर्थिक सौजन्य से बुधवार को तीसवां नेत्र चिकित्सा शिविर माहेश्वरी सेवा सदन में आयोजित किया गया। भामाशाह सीताराम मौसूण, अध्यक्ष लॉयन प्रशांत पारीक, सचिव अशोक जाजू, उपाध्यक्ष एडवोकेट रजनीकांत

सोनीए एमजे, फ पवन मौसूण, डॉक्टर आशना गुप्ता ने बालाजी महाराज की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन कर शिविर का शुभारंभ किया। एमजेएफ कमल तापड़िया ने आभार व्यक्त किया। शंकरा आई हॉस्पिटल की टीम ने 150 लोगों का परीक्षण किया एवम ऑपरेशन के लिए 68 लोगों का चयन किया। क्लब अध्यक्ष लॉयन प्रशांत पारीक ने शिविर के सफल आयोजन के लिए साधुवाद ज्ञापित किया। लायंस क्लब द्वारा रोगियों को मुफ्त दवाइयां एवम चश्मे दिए गए। लॉयन एम जे एफ कमल तापड़िया, प्रशांत पारीक, एडवोकेट रजनीकांत सोनी, पवन मौसूण, देवकृष्ण मालपानी, देवेंद्र बेदी, एडवोकेट अंकित चोटिया, रुपेश शर्मा, मधुसूदन शर्मा, कमला सिंघी, सुषमा मूंदड़ा, सुनीता रावतानी, सुनीता तापड़िया, रेखा सोनी, प्रियंका सोनी, मोहम्मद अनवर मौलानी, गोपालचंद सोनी, गिरधारी प्रजापत, मालाराम प्रजापत, आदिल भाटी, महावीर शर्मा, विकास आदि ने शिविर को सफल बनाने में योगदान दिया।

सर्व विप्र समाज की महिलाओं की प्रतियोगिता आयोजित

निसं

रतनगढ़ (नवयत्न)। रतनगढ़ में श्री परशुराम अथिति भवन में श्री गौड़ ब्राह्मण सेवा समिति की महिला मण्डल अध्यक्ष यशोदा शर्मा की अध्यक्षता में बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर सर्व ब्राह्मण समाज की महिलाओं की प्रतियोगिता का आयोजन करना सुनिश्चित किया गया। जिसमें, कल गायन, राजस्थानी वेशभूषा, एकल एवं सामूहिक नृत्य, धार्मिक प्रश्नोत्तरी, मटका फोड़, मोती पिरोओ प्रतियोगिता, होगी। अध्यक्ष यशोदा

शर्मा ने बताया कि ऐसे कार्यक्रम होने से महिलाओं में जागृति आत्मविश्वास और सम्बलता आती हैं तथा प्रतिभाओ को आगे बढ़ने से साथ साथ समाज को दिशा देने का अवसर मिलता हैं। बैठक में पुष्पा हरितवाल, निर्मला शर्मा, कुसुम सांखोलिया, ऊषा शर्मा, भंवरी देवी, सुमन वशिष्ठ, बबीता धर्ड़, कविता शर्मा, मधु धर्ड़, अर्चना शर्मा आदि मातृ शक्ति ने अपने अपने विचार वक्त किए तथा प्रतियोगिता से संबंधित तैयारियां के दायित्व सौंपे।

सम्पादकीय

एआई को समावेशी बनाता भारत

नवाचार के साथ जवाबदेही सुनिश्चित करना चुनौती

नई दिल्ली में आयोजित इंडिया एआई इंपैक्ट समिट मात्र एक शिखर सम्मेलन न होकर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई पर वैश्विक विमर्श को दिशा देने वाला अहम पड़ाव बना। यह सम्मेलन एआई के मोर्चे पर आकार ले रहे भौगोलिक, राजनीतिक एवं मनोवैज्ञानिक परिवर्तनों को प्रदर्शित करने के मंच के रूप में भी उभरा।

हाल के दौर में एआई सम्मेलनों के केंद्र में सुरक्षा, अस्तित्व संबंधी जोखिम और नियमन की चिंता जैसे मुद्दे ही छाए रहे। ब्रिटेन में आयोजित ऐसे पहले प्रमुख सम्मेलन को जहां एआई सुरक्षा समिट का नाम दिया गया तो नई दिल्ली में इसके नामकरण में प्रभाव शब्द का समावेश हुआ। यह भी भारत की बड़ी उपलब्धि रही, क्योंकि प्रभाव का अर्थ बहुत व्यापक है। यानी यह तकनीक कैसे अपनी उपयोगिता से प्रभावित कर सकती है और इस तक सबकी समावेशी पहुंच कैसे सुनिश्चित हो। कई दिग्गज संस्थाओं के सर्वेक्षणों में यह सामने आया है कि भारत और चीन जैसे देशों में एआई के प्रति 88 प्रतिशत तक की सकारात्मक भावना है। इसके उलट पश्चिमी यूरोप और अमेरिका के कुछ हिस्सों में इसे लेकर सतर्कता एवं संदेह का भाव दिखता है। विकसित अर्थव्यवस्थाओं में एआई ने कुछ स्थापित पारंपरिक पेशों के लिए खतरे की घंटी बजाई है तो उभरती अर्थव्यवस्थाओं में इसे अवसर के रूप में देखा जा रहा है। इस संबंध में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यथार्थ ही कहा है कि कुछ पक्ष एआई में डर देखते हैं तो भारत इसमें अपना भविष्य देखता है। एआई से जुड़ी भारत की उम्मीदें उसके अनुभवों से ही उपजी हैं। जैसे आधार और यूपीआइ जैसे डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर ने भुगतान, पहचान सत्यापन और कल्याणकारी योजनाओं के वितरण में तमाम बाधाओं को दूर करते हुए दैनिक जीवन को बहुत सुगम बनाया है।

यह इसका जीवंत प्रमाण है कि कोई तकनीक कैसे लागत को घटाकर सक्षमता को बढ़ा सकती है। स्वाभाविक है कि भारत अपनी इस सफलता को अगले स्तर पर ले जाना चाहता है। इसी क्रम में उसने एआई समिट में स्वास्थ्य, कृषि, शिक्षा और शासन में समावेशन को बढ़ाने के लिए डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर की एआई के साथ जुगलबंदी का खाका पेश किया। पिछले एआई सम्मेलनों में विमर्श का केंद्रबिंदु सुरक्षा संबंधी प्राथमिकताएं रहीं, जबकि नई दिल्ली घोषणापत्र मजबूत डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर, सस्ती कनेक्टिविटी और कार्यबल प्रशिक्षण पर जोर देता है। इसमें यह स्वीकार्यता प्रदान की गई है कि सार्थक एआई भागीदारी के लिए कंप्यूटिंग शक्ति, इंटरनेट पहुंच और कुशल लोगों की आवश्यकता होती है। यह उचित स्थानों पर ओपन-सोर्स एआई का समर्थन भी करता है। इसके पीछे यही सोच रहा कि कई देश अपने तंत्र को शून्य से खड़ा करने की स्थिति में नहीं तो उनके लिए कुछ गुंजाइश तो मिलनी ही चाहिए। निःसंदेह एआई से जुड़े अपने जोखिम भी हैं, पर भारत ने अपने दृष्टिकोण में उसकी व्यावहारिक पहुंच पर ध्यान केंद्रित किया है। सहभागिता एवं स्वीकार्यता की दृष्टि से भी सम्मेलन सफल रहा। विभाजित भू-राजनीतिक माहौल में भी नई दिल्ली घोषणापत्र पर 80 से अधिक देशों एवं वैश्विक संगठनों के हस्ताक्षर इसकी सफलता को रेखांकित करते हैं। यह सही है कि जिन घोषणाओं पर सहमति बनी, वे बाध्यकारी नहीं हैं, किंतु याद रहे कि किसी भी व्यवस्था के आकार लेने में उस पर सहमति बनना आवश्यक होता है। उसके बाद ही कानूनी ढांचा आकार लेता है। आर्थिक पहलुओं पर भी प्रगति देखने को मिली है। इसमें 400 अरब डालर से अधिक की निवेश प्रतिबद्धताएं व्यक्त की गई हैं। इनमें 250 अरब डॉलर का निवेश बुनियादी ढांचा संबंधी आवश्यकताओं तो 150 अरब डॉलर गहन तकनीकी पूंजी से जुड़ा होगा।

विशेष आलेख

मुफ्त रेवड़ी संस्कृति जीवंत लोकतंत्र के लिये घातक

भारतीय लोकतंत्र की विडंबना यह है कि चुनाव आते ही जनसेवा का स्वरूप बदलकर जनलुभावन राजनीति में परिवर्तित हो जाता है। राजनीतिक दलों ने मुफ्त की योजनाओं को चुनावी सफलता का शॉर्टकट बना लिया है। मतदाताओं को तात्कालिक आर्थिक लाभ देकर वोट हासिल करने की प्रवृत्ति लगातार मजबूत हो रही है। आगामी तीन-चार माह में विधानसभा चुनाव होने है, इसी संदर्भ में जब असम, पश्चिम बंगाल, केरल और तमिलनाडु जैसे राज्यों में राजनीतिक सरगर्मियां तेज हुईं, तब इस संस्कृति का प्रभाव और स्पष्ट दिखाई देने लगा। इसी पृष्ठभूमि में देश की शीर्ष अदालत, सर्वोच्च न्यायालय, ने मुफ्त की योजनाओं के अनियंत्रित विस्तार पर गंभीर टिप्पणी की। यह टिप्पणी केवल कानूनी दृष्टिकोण से नहीं, बल्कि लोकतंत्र की आत्मा को लेकर एक चेतावनी है।

लोकतंत्र का मूल उद्देश्य जनकल्याण है। राज्य का दायित्व है कि वह गरीब, वंचित और कमजोर वर्गों को सहारा दे। सामाजिक सुरक्षा योजनाएं, शिक्षा और स्वास्थ्य की सुविधाएं, न्यूनतम जीवन स्तर की गारंटी-ये सब कल्याणकारी राज्य की पहचान हैं। लेकिन जब जनहित और चुनावी लाभ के बीच की रेखा धुंधली हो जाती है, तब समस्या जन्म लेती है। लक्षित समर्थन और अतिरेक उदारता में अंतर है। एक ओर ऐसी योजनाएं हैं जो व्यक्ति को आत्मनिर्भर बनाती हैं, दूसरी ओर ऐसी घोषणाएं हैं जो केवल मतदाता को तात्कालिक राहत देकर उसे निर्भरता की आदत सिखाती हैं। जब राजस्व घाटे से जूझ रहे राज्य मुफ्त बिजली, मुफ्त यात्रा या नकद वितरण की घोषणाएं करते हैं, तो प्रश्न उठता है कि यह संसाधन कहां से आएंगे और इसकी कीमत कौन चुकाएगा? राजकोषीय अनुशासन किसी भी राज्य की आर्थिक सेहत का आधार है। यदि राज्य अल्पकालिक राजनीतिक लाभ के लिए खजाने को खाली करता है, तो दीर्घकालिक विकास प्रभावित होता है। जो धन बुनियादी ढांचे के निर्माण, अस्पतालों के सुदृढ़ीकरण, विद्यालयों की गुणवत्ता सुधार और रोजगार सृजन में लगना चाहिए, वह वोटों की फसल काटने में खर्च हो जाता है। यह प्रवृत्ति केवल आर्थिक दृष्टि से ही नहीं, बल्कि नैतिक दृष्टि से भी चिंताजनक है। लोकतंत्र में मतदाता की स्वतंत्रता सर्वोपरि मानी जाती है। यदि मतदाता को परोक्ष रूप से आर्थिक प्रलोभन देकर प्रभावित किया जाता है, तो यह स्वतंत्र निर्णय की भावना को कमजोर करता है।

सर्वोच्च न्यायालय ने तार्किक प्रश्न उठाया कि राज्य रोजगार सृजन और कौशल विकास पर अधिक ध्यान क्यों नहीं देते? वास्तव में रोजगार ही स्थायी सशक्तीकरण का माध्यम है। जब व्यक्ति अपने श्रम और कौशल से आय अर्जित करता है, तब उसमें आत्मसम्मान और आत्मविश्वास दोनों विकसित होते हैं। इसके विपरीत, निरंतर मुफ्त सुविधाएं व्यक्ति को निर्भर बनाती हैं। धीरे-धीरे परिश्रम की संस्कृति कमजोर पड़ती है और समाज में अकर्मण्यता की मानसिकता पनपने लगती है। यह स्थिति लोकतंत्र की सुदृढ़ता के लिए खतरनाक है, क्योंकि लोकतंत्र केवल वोट डालने की प्रक्रिया नहीं, बल्कि सक्रिय और जिम्मेदार नागरिकता का नाम है। चुनाव पूर्व घोषित योजनाओं की निष्पक्षता भी प्रश्नों के घेरे में है। जब आचार संहिता लागू रहने के दौरान बड़े पैमाने पर आर्थिक वितरण होता है, तो विपक्षी दल इसे असमान प्रतिस्पर्धा मानते हैं। ऐसे मामलों में निष्पक्ष निगरानी की जिम्मेदारी भारत का निर्वाचन आयोग पर आती है।

निर्वाचन आयोग को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि कोई भी दल मतदाताओं को अप्रत्यक्ष रिश्वत देकर चुनावी लाभ न ले। आचार संहिता का उल्लंघन केवल तकनीकी त्रुटि नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक मर्यादा का हनन है। यदि इस पर कठोर कार्रवाई नहीं होती, तो भविष्य में यह प्रवृत्ति और गहरी जड़ें जमा सकती है। निस्संदेह, इस बारे में कोई दो राय नहीं हो सकती है कि राज्यों का यह प्राथमिक कर्तव्य है कि वे विशेष रूप से कमजोर वर्ग के लोगों की खास तौर से देखभाल करें। हालांकि, जब राजस्व घाटे वाले राज्य मुफ्त की योजनाओं पर बड़ी रकम खर्च करते हैं, तो सरकारी खजाने पर दबाव और अधिक बढ़ जाता है। विडंबना यह है कि जिस धनराशि का इस्तेमाल बुनियादी ढांचे में सुधार, स्वास्थ्य सेवाओं को सक्षम बनाने और शिक्षा की सुविधा को समृद्ध करने के लिये किया जाना चाहिए, वो राशि अल्पकालिक राजनीतिक लाभ के लिये खर्च कर दी जाती है। जरूरत इस बात की है कि कौशल विकास के जरिये लोगों को इस तरह सक्षम बनाया जाए जिससे उन्हें दीर्घकालिक व स्थायी लाभ मिल सकें। यह भी समझना होगा कि मुफ्त योजनाओं का हर स्वरूप गलत नहीं है। आपातकालीन परिस्थितियों में राहत देना, महामारी या प्राकृतिक आपदा के समय सहायता पहुंचाना, सामाजिक न्याय के तहत वंचित वर्गों को अवसर देना-ये सब राज्य की जिम्मेदारी है। परंतु चुनावी मौसम में अचानक घोषणाओं की बाढ़ आ जाना और दीर्घकालिक वित्तीय परिणामों की अनदेखी करना लोकतांत्रिक परिपक्वता का संकेत नहीं है। यह राजनीतिक दलों के वैचारिक दिवालियेपन को दर्शाता है, जहां दूरदृष्टि की जगह तात्कालिक लाभ को प्राथमिकता दी जाती है। लोकतंत्र की मजबूती केवल संस्थाओं से नहीं, बल्कि नागरिकों की सजगता से भी आती है। यदि मतदाता केवल तात्कालिक लाभ देखकर मतदान करता है, तो वह अनजाने में ऐसी संस्कृति को प्रोत्साहित करता है जो अंततः उसी के भविष्य को प्रभावित करती है। परिपक्व मतदाता वही है जो घोषणाओं के पीछे की मंशा और आर्थिक व्यवहार्यता को समझे। वह यह पूछे कि पांच साल बाद राज्य की आर्थिक स्थिति क्या होगी, विकास की दिशा क्या होगी और रोजगार के अवसर कितने बढ़ेंगे। लोकतंत्र में वोट केवल अधिकार नहीं, बल्कि जिम्मेदारी भी है।

आज भारत स्वयं को वैश्विक मंच पर एक सशक्त लोकतंत्र के रूप में स्थापित करना चाहता है। हम विश्वगुरु बनने का संकल्प लेते हैं, लेकिन यदि हमारी राजनीति लोकलुभावनवाद के जाल में उलझी रहेगी, तो यह संकल्प खोखला सिद्ध होगा। दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र होने का गौरव तभी सार्थक है जब हमारी नीतियां दूरदर्शी, संतुलित और टिकाऊ हों। मुफ्त की संस्कृति से बाहर निकलकर उत्पादकता, नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देना ही वास्तविक प्रगति का मार्ग है। यह समय आत्ममंथन का है। राजनीतिक दलों को समझना होगा कि जनता को सशक्त बनाना केवल धन बांटने से संभव नहीं है। शिक्षा, कौशल, स्वास्थ्य और रोजगार-ये चार स्तंभ किसी भी राष्ट्र की मजबूती तय करते हैं। यदि इन पर निवेश बढ़ेगा, तो नागरिक आत्मनिर्भर बनेंगे और राज्य पर बोझ कम होगा। वहीं, नागरिकों को भी यह ठानना होगा कि वे तात्कालिक प्रलोभनों के बजाय दीर्घकालिक विकास को प्राथमिकता देंगे। लोकतंत्र की सुदृढ़ता तभी सुनिश्चित होगी जब शासन और जनता दोनों अपने-अपने दायित्वों का ईमानदारी से निर्वहन करें। निस्संदेह, चुनावी निष्पक्षता के लिये यह आवश्यक हो गया है कि चुनाव से पहले घोषित की गई या लागू की गई लोकलुभावनी नीतियों व योजनाओं की गहन पड़ताल की जाए। विपक्षी दलों द्वारा बिहार सरकार पर आरोप लगाया गया था कि पिछले साल अक्तूबर में आचार संहिता लागू रहने के दौरान मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत महिला लाभार्थियों को 15,600 करोड़ रुपये दिए गए थे। जो कि स्वस्थ लोकतांत्रिक प्रक्रिया के विरुद्ध कदम था। ऐसे में जरूरी हो जाता है कि भारत के निर्वाचन आयोग की ओर से राजनीतिक दलों द्वारा मतदाताओं को अपरोक्ष रूप से रिश्वत देने के प्रयासों पर पैनी नजर रखी जाए।

आज का राशिफल

मेष
घर में अतिथियों का आगमन होगा। व्यय होगा। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। आय बनी रहेगी। अज्ञात भय रहेगा। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी।

वृष
चोट व रोग से परेशानी संभव है। आराम तथा मनोरंजन के साधन उपलब्ध होंगे। यश बढ़ेगा। व्यापार वृद्धि होगी। नई योजना बनेगी जिसका तत्काल लाभ नहीं मिलेगा। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। विरोधी सक्रिय रहेंगे। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। प्रमाद न करें।

मिथुन
किसी अपने के व्यवहार से स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है। शारीरिक कष्ट संभव है। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। शत्रु पस्त होंगे। वाणी पर नियंत्रण रखें। स्थायी संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। आर्थिक उन्नति के प्रयास सफल होंगे। निवेश शुभ रहेगा। व्यापार में वृद्धि होगी।

कर्क
शत्रु पस्त होंगे। सुख के साधन जुटेंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पराक्रम बढ़ेगा। लंब समय से रुके कार्य सहज रूप से पूर्ण होंगे। कार्य की प्रशंसा होगी। शेयर मार्केट में सफलता मिलेगी। व्यापार-व्यवसाय में वृद्धि होगी। नौकरी में अधिकारी प्रसन्न रहेंगे। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी।

सिंह
घर के सदस्यों के स्वास्थ्य व अध्ययन संबंधी चिंता रहेगी। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का मौका मिलेगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। दुष्टजनों से दूरी बनाए रखें। निवेश शुभ रहेगा। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में उच्चाधिकारी सहयोग करेंगे।

कन्या
वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। पुराना रोग परेशानी का कारण रह सकता है। दूसरों के कार्य में दखल न दें। बड़ों की सलाह मानें। लाभ होगा। अपेक्षित कार्यों में विलंब होगा। मानसिक बेचैनी रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। धैर्य रखें।

तुला
शारीरिक कष्ट संभव है तथा तनाव रहेंगे। सुख के साधन प्राप्त होंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। लंबे समय से रुके कार्यों में गति आएगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। मित्रों का सहयोग मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी।

वृश्चिक
आंखों का ख्याल रखें। अज्ञात भय सताएगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। कानूनी अड़चन आ सकती है। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। लॉटरी व सट्टे से दूर रहें। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। नौकरी में प्रमोशन प्राप्त हो सकता है।

धनु
स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। किसी अपरिचित पर अतिविश्वास न करें। विवाद से क्लेश होगा। दूसरों के उकसाने में न आएं। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। चिंता तथा तनाव रहेंगे। व्यवसाय की गति धीमी रहेगी। आय में निश्चितता रहेगी। कोई बड़ी समस्या आ सकती है। धैर्य रखें।

मकर
प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। बेवजह कहासुनी हो सकती है। कानूनी अड़चन दूर होगी। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहकर्मियों का साथ मिलेगा। निवेश शुभ रहेगा। प्रसन्नता रहेगी। लेन-देन में जल्दबाजी न करें।

कुंभ
शत्रु हानि पहुंचा सकते हैं। दु:खद समाचार मिल सकता है। व्यर्थ भागदौड़ रहेगी। लाभ के अवसर हाथ से निकलेंगे। बेवजह कहासुनी हो सकती है। पुराना रोग उभर सकता है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। व्यापार ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी।

मीन
धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। कोर्ट व कचहरी के काम मनोनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। कुबुद्धि हावी रहेगी। चिंता तथा तनाव रहेंगे। मित्रों से संबंध सुधरेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। विरोधी सक्रिय रहेंगे। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रह सकता है।

स्वास्थ्य समाचार

सौंफ और इलायची से आपको मिलते हैं कई फायदे

इलायची और सौंफ इन दोनों को ही आपने अपने मुंह की दुंगध को दूर करने के लिए लोगों को खाते देखा होगा। लेकिन आपको बता दें कि इन दोनों का आपकी सेहत पर गहरा असर पड़ता है। ये दोनों ही आपको उच्चतम स्वास्थ्य प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। सौंफ के अंदर पोटैशियन, आयरन, कैल्शियम व अन्य कई तत्व पाए जाते हैं। वहीं इलायची कैल्शियम, मैग्निशियम, पोटैशियम की मात्रा पाई जाती है।

पेट संबंधी रोगों को दूर करने में सहायक

आपको बता दें कि सौंफ और इलायची को पानी में उबालकर पीने से आपको पेट संबंधी रोगों में फायदा मिलता है। जिन लोगों को कब्ज, गैस, भूख न लगना, जी मिचलाना व पेट में दर्द और पेट में ऐंठन की समस्या होती है उनके लिए सौंफ व इलायची का पानी खासकर लाभकारी होता है।

वजन को तेजी से करें कंट्रोल

मोटापे की समस्या में आप सौंफ व इलायची की चाय पी सकते हैं। इस चाय से आप अपने वजन को कुछ ही दिनों में कंट्रोल कर लेंगे। दरअसल सौंफ में फाइबर व इलायची में एंटी ऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो शरीर से फैट कम करता है। सुबह उठकर आप इन दोनों को मिलाकर चाय पी सकते हैं।

पीरियड्स के दौरान आराम मिलता है

सौंफ व इलायची में विटामिन, आयरन और पोटैशियम पाए जाते हैं। महिलाओं में पीरियड्स के अनियमित होने की समस्या को ये ठीक करता हैं। इसके साथ ही पीरियड्स के समय होने वाले दर्द को भी कम करने में मददगार होता है।

आंखों के लिए फायदेमंद

सौंफ और इलायची के पानी में ऐसे कई तत्व होते हैं जो आपकी आंखों को लंबे समय तक स्वस्थ रखते हैं। सौंफ व इलायची की चाय पीने से आपको आंखों में जलन नहीं महसूस होती है। साथ ही ये आंखों की रोशनी को भी बेहतर करता है।

रोग प्रतिरोधक क्षमता होती है बेहतर

नियमित रूप से सौंफ व इलायची का पानी पीने से आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता यानी की इम्यून सिस्टम बेहतर होता है। इसकी वजह से आप सर्दियों में गले दर्द, सर्दी जुकाम, बुखार, खांसी आदि बीमारियों की चपेट में नहीं आते हैं। इससे आपको इंफेक्शन होने का खतरा भी कम होता है।

कैसे पीएं सौंफ व इलायची का पानी

सौंफ व इलायची के पानी को आप दो तरह से पी सकते हैं। एक तो आप सौंफ व इलायची को पानी में डालकर रात भर रख दें। इसके बाद आप इस पानी का सेवन कर सकते हैं।

तलने के बजाय उबालकर खाएं मूंगफली सेहत को मिलेंगे यह जबरदस्त फायदे

मूंगफली खाना लगभग सबको पसंद होता है। सर्दियों के मौसम में मूंगफली खाने का मजा ही अलग है। आपने भुनी या तली हुई मूंगफली तो जरूर खाई होगी। लेकिन, क्या आपने कभी मूंगफली को उबालकर खाया है? उबली हुई मूंगफली न सिर्फ खाने में स्वादिष्ट होती है, बल्कि सेहत के लिए भी फायदेमंद होती है। इमसें प्रोटीन, नैचुरल शुगर, आयरन, फोलेट, कैल्शियम और जिंक जैसे पोषक तत्व मौजूद होते हैं। अमेरिकन केमिकल सोसायटी के रिसर्च के मुताबिक, मूंगफली को उबालकर खाने से इसमें मौजूद पोषक तत्वों के फायदे 4 गुना और बढ़ जाते हैं। उबली हुई मूंगफली को आप स्नैक्स के तौर पर खा सकते हैं या सुबह के नाश्ते में इसका सेवन कर सकते हैं। मूंगफली को उबालकर खाने से सेहत को कई फायदे मिलते हैं।

वेट लॉस में मददगार : मूंगफली को उबालकर खाने से वजन कम करने में मदद मिलती है। अगर आप वजन कम करना चाहते हैं, तो उबली हुई मूंगफली खा सकते हैं। दरअसल, उबली हुई मूंगफली में फाइबर काफी मात्रा में मौजूद होता है। इससे मेटाबॉलिज्म बूस्ट होता है और शरीर में जमा अतिरिक्त चर्बी कम होती है। इसके साथ ही उबली हुई मूंगफली खाने से आंतों की सफाई होती है।

जोड़ों में दर्द से राहत : उबली हुई मूंगफली को गुड़ के साथ खाने से जोड़ों के दर्द में राहत मिलती है। मूंगफली और गुड़ में कैल्शियम होता है, जिससे हड्डियां मजबूत बनती है। मूंगफली को उबालकर खाने से जोड़ों और हड्डियों में दर्द की शिकायत दूर होती है। अर्थराइटिस के मरीजों के लिए उबली मूंगफली का सेवन काफी फायदेमंद होता है।

आंखों की रोशनी बढ़ाए : उबली हुई मूंगफली का सेवन हमारी आंखों के लिए भी फायदेमंद होता है। मूंगफली को उबालकर खाने से आंखों की रोशनी बढ़ती है। दरअसल, मूंगफली में विटामिन ए और विटामिन बी6 होता है, जो आंखों के स्वास्थ्य के लिए जरूरी है। सर्दियों में सुबह उबली हुई मूंगफली खाएं, इससे आपकी आंखें स्वस्थ रहेंगी।

दिल को स्वस्थ रखे : उबली मूंगफली का सेवन हमारे हृदय के स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी होता है। मूंगफली को उबालने से उसमें एंटीऑक्सीडेंट्स की मात्रा बढ़ जाती है। उबली मूंगफली में पॉलीफेनॉलिक एंटीऑक्सिडेंट और रेस्वेराट्रॉल होता है, जो दिल को स्वस्थ रखने में मददगार है। मूंगफली को उबालकर खाने से शरीर में नाइट्रिक ऑक्साइड ज्यादा बनने लगता है, जिससे हार्ट अटैक और दिल की बीमारियों का खतरा कम होता है।

शरीर में खून की कमी नहीं होती : उबली हुई मूंगफली खाने से एनीमिया की शिकायत दूर होती है। दरअसल, मूंगफली में आयरन काफी मात्रा में होता, जो शरीर में हीमोग्लोबिन का स्तर बढ़ाता है। मूंगफली को उबालकर खाने से शरीर में खून की कमी नहीं होती है। इसके साथ ही, मूंगफली में मौजूद पोषक तत्वों से शरीर को ऊर्जा मिलती है। इससे व्यक्ति दिनभर एनर्जेटिक महसूस करता है।

खुजली से छुटकारा पाने के लिए अपनाएं यह घरेलू उपाय

खुजली कई बार व्यक्ति को काफी परेशान कर देती हैं। एक बार खुजली होनी शुरू हो जाएं, तो आसानी से बंद नहीं होती हैं। कई बार खुजली की परेशानी होने पर लोग शर्मिंदगी की वजह से कई बार खुजली भी नहीं कर पाते हैं। कई बार ज्यादा खुजली होने के कारण रैशेज की समस्या से हो सकती हैं। ऐसे में खुजली की समस्या को दूर करने के लिए कई लोग दवाइयों का सेवन शुरू कर देते हैं। कई बार ये दवाइयां शरीर के लिए हानिकारक हो सकती हैं।

एप्पल साइडर विनेगर : एप्पल साइडर विनेगर शरीर के लिए बहुत फायदेमंद होता है। एप्पल साइडर विनेगर का इस्तेमाल करने के लिए एक कप गुनगुने पानी में एक चम्मच एप्पल साइडर विनेगर को मिलाएं। अब रूई की सहायता से इस मिश्रण को प्रभावित एरिया पर लगाएं। उसके 5 मिनट बाद उस एरिया को नॉर्मल पानी से वॉश करें।

नारियल का तेल : नारियल का तेल शरीर के लिए बहुत हेल्दी होता है। इसे शरीर पर लगाने से स्किन को पोषण मिलने के साथ से स्किन चमकदार भी बनती है। खुजली होने पर नारियल का तेल इस्तेमाल करने के लिए नारियल के तेल को हल्का सा गर्म कर लें। अब इस तेल को खुजली वाली जगह पर इसे लगा लें। ऐसा करने से खुजली में आराम मिलेगा।

एलोवेरा जेल : एलोवेरा जेल स्किन संबंधी परेशानियों को दूर करके स्किन को हेल्दी बनाने में मदद करता हैं। एलोवेरा जेल का इस्तेमाल करने के लिए खुजली वाली जगह पर एलोवेरा जेल को लगाएं। आधे घंटे बाद जगह को नॉर्मल पानी से वॉश करें। ऐसा करने से स्किन को पोषण मिलने के साथ इंफेक्शन दूर करने में मदद मिलेगी।

नीम : नीम शरीर के लिए बहुत फायदेमंद होती है। इसमें पाए जाने वाला एंटीबैक्टीरियल और एंटीफंगल गुण खुजली दूर करने के साथ रैशेज की समस्या को भी दूर करेंगे। नीम का इस्तेमाल करने के लिए इसकी पत्तियों को पीस कर पेस्ट बना लें। अब इस पेस्ट को खुजली वाली जगह पर 5 से 10 मिनट तक लगा के रखें। उसके बाद नॉर्मल पानी से वॉश करें।

नींबू : नींबू स्किन की खुजली को दूर करने में मदद करता है। इसमें पाए जाने वाले एंटीबैक्टीरियल गुण स्किन संबंधई परेशानियों को दूर करता हैं। खुजली को दूर करने के लिए नींबू के रस का इस्तेमाल करने के लिए एक नींबू के रस को कटोरी में निकाल लें। अब इस रस को रूई की मदद से प्रभावित जगह पर लगाएं। उसके बाद स्किन को 5 मिनट बाद नॉर्मल पानी से वॉश कर लें।

गौसाई बाबा का मेला आज

निसं

खेतड़ी नगर (नवयत्न)। गोठड़ा ग्राम पंचायत के गौसाई मंदिर में गुरूवार को गौसाई बाबा का मेला भरा जाएगा। समाजसेवी हरीराम गुर्जर ने बताया कि गौसाई सेवा समिति के तत्वाधान में गौसाई मंदिर में गौसाई बाबा के मेले का आयोजन गुरूवार को होगा। मेले में कुश्ती प्रतियोगिता होगी जिसमें हरियाणा, दिल्ली व अन्य राज्यों के पहलवान भाग लेगें।

दो दिवसीय श्याम फागोत्सव कल से

निसं

खेतड़ी नगर (नवयत्न)। केसीसी के सनातन धर्म मंदिर में श्री श्याम भक्त मंडल के सौजन्य से 27 वां दो दिवसीय श्री श्याम फागोत्सव महोत्सव शुक्रवार से मनाया जाएगा। श्याम भक्त गोपालसिंह व विमल शर्मा ने बताया कि शुक्रवार शाम चार बजे श्याम बाबा का अलौकिक श्रृंगार कर नगर के मुख्य मार्गो से होते हुए शोभायात्रा निकाली जाएगी। देर रात्री को स्थानिय कलाकारों द्वारा भजनों की प्रस्तुती दी जाएगी। शनिवार दोपहर साढ़े बारह बजे श्री श्याम बाबा की ज्योत प्रज्वलित व पूजा अर्चना कर भंडारे का आयोजन किया जाएगा।

बेचान, हस्तान्तरण, रूपांतरण पर लगाई रोक

निसं

सुजानगढ़ (नवयत्न)। उपखंड अधिकारी ओमप्रकाश वर्मा ने एन एच 58 से मेगाहाईवे तक बनने वाली सड़क के लिए भूमि अवाप्ति वाले खसरों में बेचान, हस्तान्तरण, रूपांतरण आदि पर रोक लगा दी है। उपखंड अधिकारी की ओर से जारी आदेश में बताया गया है कि ग्राम मींगणा, भोम बोबासर, बोबासर बीदावतान, भोजलाई, कस्बा सुजानगढ, सुजानगढ़ ग्रामीण, गुलेरिया आदि क्षेत्रों में भूमि अवाप्त होनी है। इसलिए सड़क की भूमि अवाप्ति से सम्बंधित खसरों पर बेचान, हस्तान्तरण, रूपांतरण रोक लगाई जाती है।

होली के रंग में रंगे राजेंद्र राठौड़, चंग की थाप पर जमकर थिरकेए

निसं

चूरू (नवयत्न)। शेखावाटी अंचल में होली का रंग अभी से चढ़ने लगा है। फाल्गुन माह की मस्ती और लोक संस्कृति की मिठास के बीच शेखावाटी परिषद द्वारा शेखावाटी फाग उत्सव कार्यक्रम आयोजित किया गया। फाग उत्सव सांस्कृतिक कार्यक्रम में पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ पूरे रंग में नजर आए। कार्यक्रम के दौरान चंग की थाप गूंजते ही माहौल पूरी तरह होलीमय हो गया। लोक कलाकारों द्वारा फाग गीतों की प्रस्तुति दी जा रही थी और इसी बीच राजेंद्र राठौड़ ने भी सुर से सुर मिलाते हुए चंग के साथ कदमताल की। वे मंच पर पारंपरिक अंदाज में नृत्य करते दिखाई दिए, जिसे देख उपस्थित लोगों ने तालियों और उत्साह के साथ उनका स्वागत किया। कार्यक्रम में भाजपा नेता अभिनेष महर्षि भी मौजूद रहे। दोनों नेताओं ने स्थानीय कलाकारों का उत्साहवर्धन किया और शेखावाटी की लोक परंपराओं को जीवित रखने की बात कही। चंग की थाप पर थिरकते नेताओं का यह अंदाज लोगों के बीच चर्चा का विषय बना रहा। होली आने में अभी कुछ दिन शेष हैं लेकिन शेखावाटी क्षेत्र में फागोत्सव की शुरुआत हो चुकी है। गांव-गांव और कस्बों में फाग गीत, चंग और ढोल की धुन पर लोग झूमते नजर आ रहे हैं।

अन्नपूर्णा रसोई में अवैध वसूली का आरोप

निसं

बीदासर (नवयत्न)। शहर के रैन बसेरा स्थित अन्नपूर्णा रसोई में भोजन करने गए एक श्रमिक के साथ अवैध वसूली और मारपीट का मामला सामने आया है। पीड़ित श्रमिक ने इस संबंध में नगरपालिका के अधिशाषी अधिकारी भरत गौड़ को ज्ञापन सौंपकर कार्रवाई की मांग की है। जानकारी के अनुसार वार्ड नंबर 28 निवासी पीड़ित मनोज मेघवाल ने बताया कि वह पिछले करीब 2 वर्षों से नियमित रूप से रैन बसेरा स्थित अन्नपूर्णा रसोई में भोजन करने जाता है। मनोज का आरोप है कि वहां टोकन काटने वाला कर्मचारी राकेश रैगर उर्फ पिंटू पिछले काफी समय से निर्धारित दर 8 रुपये के बजाय उससे 10 रुपये वसूल रहा है।

विरोध करने पर की मारपीट-पत्र में उल्लेख किया गया है कि 24 फरवरी की दोपहर करीब 12:53 बजे जब मनोज भोजन करने गया तो उसने अतिरिक्त 2 रुपये वसूलने का विरोध किया। इस पर आरोपी कर्मचारी आवेश में आ गया और पीड़ित के साथ गाली-गलौच शुरू कर दी। आरोप है कि कर्मचारी ने मनोज के साथ मारपीट की और उसे धक्का देकर रसोई से बाहर निकाल दिया। वहीं अब पीड़ित मनोज मेघवाल ने नगरपालिका ईओ को पत्र लिखकर आरोपी कर्मचारी के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने और उससे वसूली गई अतिरिक्त राशि वापस दिलवाने की गुहार लगाई है। इस घटना को लेकर स्थानीय श्रमिकों में रोष व्याप्त है।

विशेष जागरूकता शिविर आयोजित

नोखा (नवयत्न)। औद्योगिक विकास में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्गों की प्रभावी एवं सशक्त भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से डॉ. भीमराव अम्बेडकर राजस्थान दलित, आदिवासी उद्यम प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत नोखा में विशेष जागरूकता शिविर का आयोजन किया जाएगा। जिला उद्योग केन्द्र के महाप्रबंधक सुरेन्द्र कुमार ने बताया कि विशेष जागरूकता शिविर का आयोजन नोखा में 26 को प्रातः 11:30 बजे होटल सत्यम पैलेस टॉवर एवं सी.ओ. ऑफिस के सामनेद्ध में आयोजित होगा। कार्यक्रम का आयोजन जिला उद्योग एवं वाणिज्य केन्द्र, बीकानेर द्वारा किया जा रहा है। महाप्रबन्धक सुरेन्द्र कुमार ने बताया कि शिविर में उद्यम की स्थापना, विस्तार, विविधीकरण एवं आधुनिकीकरण हेतु उपलब्ध अनुदान, ऋण, ब्याज अनुदान, पूंजी निवेश प्रोत्साहन तथा अन्य विभागीय सुविधाओं के संबंध में विस्तृत जानकारी दी जाएगी। इसके अतिरिक्त मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना तथा विश्वकर्मा युवा उद्यम प्रोत्साहन योजना सहित विभिन्न विभागीय योजनाओं के प्रावधानों, पात्रता, आवेदन प्रक्रिया एवं आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी भी प्रदान की जाएगी। उन्होंने बताया कि इच्छुक अभ्यर्थियों को शिविर में विशेषज्ञ अधिकारियों द्वारा मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जाएगा तथा उद्यम स्थापना से संबंधित व्यवहारिक पहलुओं पर परामर्श भी दिया जाएगा, जिससे अधिकाधिक युवाओं एवं उद्यमियों को स्वरोजगार के अवसर प्राप्त हो सकें। पात्र अभ्यर्थियों, उद्यमियों एवं युवाओं से अधिकाधिक संख्या में उपस्थित होकर योजनाओं का लाभ उठाने का आह्वान किया गया है।

विशाल भण्डारा, संत सम्मेलन एवं भजन संध्या आयोजित

निसं

श्रीमाधोपुर (नवयत्न)। अजीतगढ़ शहर की पूर्व दिशा में शाहपुरा एवं श्रीमाधोपुर विधानसभा क्षेत्रों की सीमा में अरावली पर्वत शिखर पर स्थित धार्मिक आस्था और विश्वास के केन्द्र आराध्य देव भगवान जगन्नाथ, जगदीश स्वामी मंदिर में मंगलवार को श्री खोजी द्वाराचार्य श्रीश्री1008 श्री रामरिछपाल देवाचार्य महाराज, त्रिवेणी धाम के सान्निध्य में समस्त भक्तगण जगदीश धाम की तरफसे विशाल भण्डारे, संत सम्मेलन एवं भजन-संध्या के आकर्षक धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। प्रातः काल जल्दी ही गणेश वंदना के साथ आयोजन शुरू कर दिया गया। हजारों लोगों ने भगवान जगदीश स्वामी के दर्शन कर पुण्य-फल प्राप्त किया। प्रातः से बड़ी संख्या में साधु-संत पंहुचने शुरू हुए जिन्हें भोजन प्रसादी के बाद दक्षिणा देकर एवं शॉल ओढ़ाकर विदाई दी गई। साधु संतों में श्रीश्री1008श्री राम रिछपाल दास महाराज त्रिवेणी धाम, प्रहलाद दास महाराज कुंडा धाम, भींवादास महाराज बाड़ी जोड़ी, प्रभुदास महाराज हथौरा, हरिओमदास महाराज खोरी, हरिदास महाराज आसपुरा, सेडूदास महाराज नांगल सहित साधु.संत प्रमुख रहे। दोपहर से गायक कलाकार प्रकाश चन्द्र गुर्जर एण्ड पार्टी त्रिवेणी धाम का रंगारंग भजन-संध्या का कार्यक्रम शुरू हुआ जिसमें भजन कलाकारों ने एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुति देकर भक्तगणों, श्रृद्धालुगणों, ग्रामीणजनों को झूमने के लिए मजबूर कर दिया। डांसरों ने नृत्य द्वारा एवं कॉमेडियनों ने स्वस्थ कॉमेडी द्वारा सबका मनोरंजन किया। प्रातः 10 बजे से भण्डारा पंगत, प्रसादी वितरण कार्यक्रम शुरू हुआ जो देर रात तक बदस्तूर जारी रहा। देसी घी के लड्डूएपूरी, सब्जी एवं भुजिया की लज्जतदार प्रसादी का हजारों भक्तगणों, श्रृद्धालुओं, ग्रामीणजनों, संत महात्माओं, जनप्रतिनिधियों, मीडियाकर्मियों ने लुत्फ उठाया। मंदिर पुजारी सुल्तान भोजगी ने बताया कि कार्यक्रम में हजारों भक्तगणों, श्रृद्धालुगणों, ग्रामीणजनों संत महात्माओंए जनप्रतिनिधियोंए मीडियाकर्मियों ने शिरकत की। कार्यक्रम में पधारे मुख्य अतिथियों, साधु संतों, भामाशाहों, दानदाताओं का यथोचित स्वागत, अभिनन्दन, सम्मान किया गया। लगभग 20 हजार श्रद्धालुओं ने जगदीश धाम पंहुच कर मन्नत मांगी एवं प्रसादी ग्रहण की। जगदीश धाम एवं तमाम मंदिरों की साज-सज्जा और सजावट ने सभी का मन मोहित कर दिया। जगमग रोशनी में यह पावन धाम नहाया हुआ प्रतीत हो रहा था। साधु-संतों के रुकने एवं रहने के लिए पांडाल बनाए गए वहीं वाहनों के लिए पार्किंग व्यवस्था सुनिश्चित की गई। गठित कार्यकर्ताओं की टीमों ने बेहतरीन सेवाएं देकर कार्यक्रम को सफल बनाया। अजीतगढ़, मानगढ़, जगदीशपुरी, त्रिवेणी धाम,सीपुर, देवीपुरा, नाथावाला, साईवाड, भानीपुरा, शाहपुरा, चिमनपुरा, अमरसर, नायन आदि गांवों कस्बों से पंहुचे जगदीश सेवा धाम समिति के कार्यकर्ताओं ने व्यवस्थाओं में सहयोग किया। कार्यक्रम के दौरान रामचंद्र गुर्जर, ओमदत्त शर्मा टीलावत-नांगल, कैलाश यादव, भारत सैनी, ओमप्रकाश सैनी, श्याम लाल यादव, चंदाराम बोबास्या, श्रीराम शर्मा, नरोत्तम सैनी, एल टेलर, विजेन्द्र सिंह पीथलपुर, साधुराम स्वामी समेत अनेक कार्यकर्ताओं ने भरपूर सेवा कार्य में सहयोग प्रदान किया। तमाम कार्यकर्ताओं का भी यथोचित सम्मान किया गया। अरावली पर्वतमाला के उच्च शिखर पर अवस्थित जगदीश स्वामी का यह

अनुपम पावन धाम अपने प्राकृतिक सौंदर्य एवं चमत्कार के लिए जाना-पहचाना जाता है। अजीतगढ़ शहर की पूर्व दिशा में और सीपुर गांव के दक्षिण में स्थित यह स्थान चारों तरफ पहाड़ियों से घिरा हुआ है। स्थान की प्राकृतिक छटा बड़ी निराली है।समतल मैदान के बाद सैकड़ों सीढियां चढ़कर ऊपर जाना पड़ता है तब कहीं आराध्य देव के दर्शन हो पाते हैं। श्रद्धालुओं के लिए स्थान पर आने का सुगम रास्ता बना हुआ है। अजीतगढ़ से शेखाजी द्वार तक सड़क मार्ग बना हुआ है। उसके बाद चढ़ाई वाला सीमेंटेड मार्ग बना हुआ है। दुपहिया एवं चारपहिया वाहन से स्थान तक आसानी से पंहुचा जा सकता है। सीढ़ियों के पास समतल जगह पर धर्मशालाएं बनी हुई हैं, ठाकुर जी महाराज का प्राचीन मंदिर बना हुआ है। वाहनों के लिए पार्किंग व्यवस्था, भण्डारा, भोजनशाला व्यवस्था है। पुजारी सुल्तान भोजगी ने बताया कि भामाशाहों एवं दानदाताओं के सहयोग से स्थान पर निर्माण कार्य चलते ही रहते हैं। दोनों वार्षिक मेलों में देश-प्रदेश के लाखों भक्तगणों-श्रृद्धालुगणों-ग्रामीणजनों का हुजूम उमड़ता रहता है। जात-जडूले और गठजोड़े की जात के लिए स्थान पर आवाजाही लगी ही रहती है।

गोठ, सवामणी, पार्टियों का दौर तो आए दिन चलता ही रहता है। स्थानीय लोग जो दूर-दराज के प्रदेशों में रहने लगे हैं वो भी इस स्थान पर अपनी सकारात्मक उपस्थिति दर्ज कराते रहते हैं। जयपुर और सीकर जिले के चुनिंदा जनप्रतिनिधि इस स्थान पर नजर टिका, रखते हैं क्योंकि यह स्थान दोनों जिलों की सीमा पर स्थित ऐसा चमत्कारिक स्थान है जहां पर मांगी हुई मन्नत अवश्य पूरी होती है। अनेकों संत-महात्माओं की तपोस्थली रह चुके इस स्थान की गरिमा बच्चा-बच्चा जानता है। त्रिवेणी धाम, राव शेखा और शाहपुरा का जुड़ाव पुरातन की कहानी है।

तस्करों का तांडव : नाकाबंदी तोड़ सरकारी वाहन को मारी टक्कर, दुकान में घुसी पिकअप

निसं

चिड़ावा (नवयत्न)। शहर के पिलानी रोड पर कबूतरखाना बस स्टैंड के पास मंगलवार तड़के अवैध लकड़ी तस्करों और वन विभाग की टीम के बीच जमकर मुठभेड़ हुई। हरी खेजड़ी की लकड़ियों से भरी पिकअप को पकड़ने के दौरान तस्करों ने फिल्मी स्टाइल में नाकाबंदी तोड़ी और वन विभाग सहित तीन वाहनों को टक्कर मार दी।

अंत में तस्कर की गाड़ी एक दुकान का शटर तोड़कर उसमें जा घुसी। क्षेत्रीय वन अधिकारी संदीप लोयल ने बताया कि बुधवार सुबह करीब 4:30 से 5:00 बजे के बीच सूचना मिली थी कि अवैध रूप से काटी गई खेजड़ी की लकड़ियों से भरी चार पिकअप गाड़ियाँ पिलानी की ओर से आ रही हैं। इस पर वन विभाग की टीम ने तुरंत कबूतरखाना बस स्टैंड पर मोर्चा संभाला और नाकाबंदी की। जैसे ही गाड़ियाँ आईं, तीन गाड़ियाँ चकमा देकर निकल गईं लेकिन चौथी पिकअप के चालक ने रुकने के बजाय वन विभाग के बैरिकेड्स और सरकारी गाड़ी को सीधी टक्कर मार दी। तस्कर

यहीं नहीं रुका, पीछा करने के दौरान उसने रास्ते में दो अन्य निजी वाहनों को भी अपनी चपेट में लिया।

दुकान के शटर से टकराई पिकअप, चालक फरार

तेज रफ्तार और हड़बड़ाहट के कारण तस्कर की पिकअप अनियंत्रित होकर सड़क किनारे एक दुकान के शटर से जा टकराई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दुकान का शटर पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे के बाद चालक मौके का फायदा उठाकर फरार हो गया, जिसे वन विभाग की टीम ने घेराबंदी कर पकड़ने का प्रयास किया। विभाग ने अवैध लकड़ी से भरी पिकअप को अपने कब्जे में ले लिया है।

सरला पाठशाला के बच्चों के संग मनाया रोटी डे

निसं

चिड़ावा (नवयत्न)। युवाओं की टीम ने चिड़ावा में सरला पाठशाला के 80 बच्चों के साथ खुशी होटल चिड़ावा में रोटी डे मनाया। शहर में एक भावनात्मक और प्रेरणादायी दृश्य उस समय देखने को मिला जब झुग्गी-झोपड़ी में रहने वाले बच्चों के सपनों को साकार करते हुए उन्हें होटल में बैठाकर सम्मानपूर्वक भोजन कराया गया। भीम आर्मी जिलाध्यक्ष विकास आल्हा ने बताया कि अक्सर ये बच्चे होटल के बाहर खड़े होकर अंदर झांकते रहते हैं। उनके मन में जिज्ञासा रहती है कि होटल के अंदर कैसा खाना बनता है और लोग कैसे बैठकर खाते हैं। झुग्गी में रहने वाले हर बच्चे का सपना होता है कि वह भी कभी होटल में शाही अंदाज में भोजन करे। इसी सपने को पूरा करने के उद्देश्य से यह आयोजन किया गया ताकि बच्चों के चेहरे पर खुशी और मन में आत्मविश्वास आ सके। कमलेश काला ने बताया कि फरवरी माह में जहां युवा वर्ग वेलेंटाइन डेए रोज डे और चॉकलेट डे मनाने में व्यस्त रहता है, वहीं झुंझुनू के जागरूक युवाओं ने इससे अलग हटकर सामाजिक सरोकार निभाते हुए झुग्गी-झोपड़ी में रहने वाले बच्चों के साथ रोटी डे मनाया। चिड़ावा पुलिस थाना से सब इंस्पेक्टर कैलाश चंद्र ने बताया कि शिक्षा ही एकमात्र ऐसा हथियार है, जिससे कोई भी व्यक्ति अपनी मंजिल हासिल कर सकता है। रोटी डे का उद्देश्य बच्चों को यह अहसास कराना था कि यदि वे पढ़-लिखकर आगे बढ़ेंगे तो उनका भविष्य भी उज्ज्वल हो सकता है। जिले के युवाओं ने व्हाट्सएप के माध्यम से अभियान चलाकर आर्थिक सहयोग जुटाया। कार्यक्रम में बच्चों को भोजन के साथ-साथ पढ़ाई के लिए स्टेशनरी कॉपी, पैंसिल भी वितरित की गईं। इस अवसर पर चिड़ावा बार एसोसिएशन अध्यक्ष एडवोकेट विजय गुरावा, एडवोकेट ओमप्रकाश माहिच ने कहा कि शिक्षा से ही व्यक्ति अपने सपनों को पूरा कर सकता है और सम्मानजनक जीवन जी सकता है। सीए राजकुमार अग्रवाल बताया है कि इस माध्यम से समाज में फैली कुरीतियों के खिलाफ संदेश दिया गया। आयोजन के दौरान बच्चों ने मारवाड़ी गीतों पर नृत्य कर खुशी जाहिर की। सरला पाठशाला चिड़ावा के संयोजक विकास पूनिया और टीचर दीदी अनिता पूनिया ने कार्यक्रम आयोजित कर रहे साथियों को धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर सुनील सिरस्वा, विकास काला, अजय वर्मा, अध्यापक विकास बुलानिया, अरुण मेहरा, मंगेश भगत, रतन सिंह, योगेंद्र सिंह शेखावत, नवीन माहिच, बंटी माहिच, अभिषेक चारणवास, शुभकरण बसवाला, ममता, पूजा, अंकिता, कृपा सहित सर्व समाज के सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

श्रीराम अमृतवाणी ग्रुप ने मनाया फागोत्सव

निसं

चिड़ावा (नवयत्न)। गढ़वाले बालाजी मंदिर के निकट मोहल्ले में श्रीराम अमृतवाणी ग्रुप द्वारा फागोत्सव का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मोहल्लेवासियों ने भक्ति और हर्षोल्लास के साथ फुलों की होली खेली। वातावरण श्राधा-कृष्ण के जयकारों और फाग गीतों से गुंजायमान रहा। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण नन्हें-मुन्नों द्वारा राधा और कन्हैया का रूप धारण करना रहा। बच्चों ने भगवान के स्वरूप में उपस्थित होकर पुष्प वर्षा के बीच फाग खेलाए जिसे देख श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। आयोजन के दौरान राम अमृतवाणी ग्रुप के सदस्यों द्वारा सुमधुर भजनों की प्रस्तुति दी गई, जिस पर महिलाएं और श्रद्धालु झूमने को मजबूर हो गए। रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने उत्सव में चार चांद लगा दिए। उत्सव के समापन पर सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ किया गया।

कार्यक्रम के अंत में पंडा परिवार की ओर से श्रद्धालुओं के लिए जलपान और विशेष प्रसाद की व्यवस्था की गई। इस फागोत्सव में नारी शक्ति का उत्साह देखते ही बनता था। कार्यक्रम में सरोज देवी, बबीता जसपाल, गुड्डी, कोमल, प्रीति, बिंदु, इंदु, साक्षी, राधिका और खुशी ने सक्रिय भागीदारी निभाई। इनके साथ ही आरोहिता, सुमित्रा टेलर, दीपिका, रेखा, अनिता, मंजू, ललिता, चंदा, सुशीला और कृष्णा सहित काफी संख्या में क्षेत्र की महिलाएं उपस्थित रहीं। सभी ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर और फुलों की वर्षा कर होली की शुभकामनाएं दीं।

राजस्थान में पंचायत स्तर तक मजबूत होगा लोजपा का संगठन : संजय कुमार

निसं

जयपुर (नवयत्न)। लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास राजस्थान की ओर से बुधवार को विद्याधर नगर सेक्टर-4 स्थित राजस्थान ब्राह्मण महासभा भवन में कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया गया। प्रदेश अध्यक्ष सूरज कुमार बुराहड़िया के नेतृत्व में आयोजित इस सम्मेलन में आगामी पंचायत चुनावों को लेकर रणनीति तैयार की गई। सम्मेलन के मुख्य अतिथि बिहार सरकार के लोक स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के कैबिनेट मंत्री संजय कुमार सिंह थे। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि पार्टी राजस्थान में अपने संगठन को पंचायत स्तर तक ले जाएगी। उन्होंने स्वर्गीय रामविलास पासवान के संकल्प को दोहराते हुए कहा कि मैं उस घर में दिया जलाने चला हूँ, जहाँ सदियों से अंधेरा है। इसी विजन को आगे बढ़ाते हुए चिराग पासवान युवाओं और महिलाओं के लिए नए अवसर पैदा करने की दिशा में काम कर रहे हैं। मंत्री सिंह ने स्पष्ट किया कि राजस्थान में होने वाले आगामी पंचायत चुनावों में लोजपा पूरी मजबूती के साथ अपने प्रत्याशी उतारेगी। इसके लिए विभिन्न प्रकोष्ठों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। सम्मेलन में वक्ताओं ने बिहार फर्स्ट-बिहारी फर्स्ट की तर्ज पर राजस्थान के विकास में भी सहभागिता निभाने पर जोर दिया। इस सम्मेलन में पार्टी के दिग्गज नेताओं की मौजूदगी रही।

स्वच्छता अभियान आयोजित

निसं

जयपुर (नवयत्न)। कर्मचारी राज्य बीमा निगम ईएसआईसी द्वारा मनाए जा रहे पखवाड़े के अंतर्गत क्षेत्रीय कार्यालय जयपुर में स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया। निगम मुख्यालय नई दिल्ली के निर्देशानुसार आयोजित इस अभियान में अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों और कर्मचारियों ने निगम के बैनर तले कार्यालय परिसर में झाड़ू लगाकर स्वच्छता अभियान की शुरुआत की और स्वच्छ कार्यस्थल बनाए रखने का संकल्प लिया। इस अवसर पर क्षेत्रीय निदेशक प्रभारी दिवांशु मिश्रा

ने सभी के स्वस्थ रहने की कामना करते हुए कहा कि यह पखवाड़ा अनुशासन और जिम्मेदारी की भावना को सुदृढ़ करता है। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य केवल कार्यालय ही नहीं, बल्कि घरों और सार्वजनिक स्थलों को भी पूर्णतः स्वच्छ रखना होना चाहिए।

उन्होंने जानकारी दी कि पखवाड़े के दौरान बीमितों और उनके आश्रितों के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। निर्धारित तिथियों पर औषधालयों, औद्योगिक इकाइयों तथा निगम के अस्पतालों और महाविद्यालयों में स्वास्थ्य जांच शिविर लगाए जाएंगे, जिनका लाभ बीमित सीधे प्राप्त कर सकते हैं। साथ ही शाखा कार्यालयों एवं क्षेत्रीय कार्यालय, जयपुर में सुविधा समागम और निधि आपके निकट कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जाएगा, जहां बीमित अपनी समस्याओं का समाधान प्राप्त कर सकते हैं।

एरिया डोमिनेशन : पुलिस ने 377 ठिकानों पर दबिश देकर किया 178 अपराधियों को गिरफ्तार

निसं

जयपुर (नवयत्न)। राजधानी के उत्तर जिले में अपराधियों के खिलाफ पुलिस ने बुधवार को पुलिस उपायुक्त उत्तर करन शर्मा के निर्देश पर चलाए गए विशेष एरिया डोमिनेशन अभियान के तहत पुलिस की अलग-अलग टीमों ने एक साथ 377 ठिकानों पर दबिश दी । इस सघन तलाशी अभियान के दौरान जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों से कुल 178 सक्रिय अपराधियों को दबोचा गया है । पुलिस उपायुक्त उत्तर करन शर्मा ने बताया कि अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त प्रथम व द्वितीय के सुपरविजन में समस्त सहायक पुलिस आयुक्तों और थाना अधिकारियों ने विशेष टीमें गठित की । टीमों ने सक्रिय आदतन अपराधियों, हार्डकोर बदमाशों, हिस्ट्रीशीटरों और वांछित अपराधियों के ठिकानों पर अचानक छापेमारी की। जिससे आपराधिक तत्वों में हड़कंप मच गया। पकड़े गए अपराधियों के खिलाफ पुलिस ने विभिन्न अधिनियमों के तहत कड़ी कार्रवाई की है। जिसमें एनडीपीएस एक्ट में 05, आबकारी अधिनियम में 11 और आर्म्स एक्ट के तहत 03 बदमाशों को पकड़ा गया ।

इसके अलावा पुलिस ने 47 स्थाई व गिरफ्तारी वारंटियों को गिरफ्तार किया और 01 इनामी अपराधी भी पुलिस के हत्थे चढ़ा । साथ ही शांति भंग और अन्य निरोधात्मक धाराओं में कुल 103 लोगों को पाबंद किया गया । पुलिस ने कार्रवाई के दौरान अपराधियों के कब्जे से 04 वाहन भी जब्त किए हैं ।

पर्यटकों के लिए खास है गुजरात के ये जैन मंदिर

गुजरात राज्य का नाम सामने आते ही उनके कल्चर व खान-पान की छवि दिमाग में उभरकर सामने आती हैं। लेकिन आध्यात्मिक दृष्टिकोण से भी यह राज्य अपना एक विशिष्ट स्थान रखता है। गुजरात को जैन धर्म के गढ़ों में से एक माना जाता है। यह एक ऐसा राज्य है, जहां पर एक या दो नहीं, बल्कि कई जैन मंदिर है और हर जैन मंदिर की अपनी एक अलग विशेषता है।

श्री गिरनार तीर्थ, जूनागढ़

गिरनार पर्वत श्रृंखला कई मंदिरों का घर है, जिनमें से सबसे प्रसिद्ध 22वें तीर्थंकर नेमिनाथ का मंदिर है। ऐसा माना जाता है कि उन्होंने गिरनार पर्वत पर ध्यान किया था। मंदिर का लेआउट सुंदर है। मंदिर तक पहुंचने और भगवान नेमिनाथ की मूर्ति की पूजा करने के लिए 9500 सीढ़ियां चढ़नी पड़ती हैं। ऐसा कहा जाता है कि यह 84000 साल से अधिक पुरानी है। चढ़ाई करने में पांच घंटे लगते हैं। पास में मल्लीनाथ मंदिर और 15वीं शताब्दी का पार्श्वनाथ मंदिर भी है।

शांतिनाथ जैन मंदिर, कोठारा

कच्छ के अब्दासा में कुल मिलाकर पांच जैन मंदिर हैं, लेकिन सबसे लोकप्रिय शांतिनाथ जैन मंदिर है, जो अपनी शानदार वास्तुकला और मूर्तिकला के लिए विशेष रूप से प्रसिद्ध है। शांतिनाथ जैन मंदिर की ऊंचाई लगभग दो मंजिला इमारत के बराबर है। इसमें पांच गुंबद हैं, जिनकी ऊंची मीनारें आसमान की ओर उठती हैं।

पालिताना मंदिर, भावनगर

जब गुजरात में सबसे प्रसिद्ध जैन मंदिरों की बात आती है, तो भावनगर में पलिताना मंदिर का जिक्र जरूर किया जाता है। जैन मंदिरों का भव्य समूह भावनगर से सटे पालिताना में शत्रुंजय पहाड़ी पर स्थित है। बहुत कम लोगों की इस बात की जानकारी है कि 23 तीर्थंकरों ने पालीताना मंदिरों की यात्रा की थी, इसलिए इसे तीर्थयात्रियों के लिए एक पवित्र स्थान माना जाता है। इस जैन मंदिर का निर्माण कार्य 11वीं शताब्दी में शुरू हुआ और लगभग 900 वर्ष तक यह कार्य चलता रहा। पहाड़ी (दिल्ली के आसपास के पहाड़ी इलाके) पर कुल मिलाकर नौ समूह हैं जिनमें एक मुख्य मंदिर और सभी तरफ दर्जनों छोटे मंदिर हैं। मंदिरों की विशेषता दीवारों, छत और रास्तों पर बेहतरीन नक्काशी है, जिनमें से सबसे शानदार नक्काशी मुख्य मंदिर आदिनाथ मंदिर में प्रदर्शित है। खास बात यह है कि सूरज ढलने के बाद यहां कोई भी नहीं रुक सकता।

वसई जैन मंदिर, भद्रेश्वर

अगर आप गुजरात में कच्छ घूमने का मन बना रहे हैं तो आपको भद्रेश्वर में स्थित वसई जैन मंदिर को जरूर देखना चाहिए। भद्रेश्वर तीर्थ के नाम से मशहूर वसई जैन मंदिर का निर्माण देवचंद्र ने करवाया था, जो एक जैन भक्त थे। भद्रेश्वर से महज 1 किमी दूर स्थित वसई जैन मंदिर को कई बार भूकंपों का सामना करना पड़ा, लेकिन फिर भी जैन भक्त तीर्थयात्रियों द्वारा मंदिर का जीर्णोद्धार करवाया गया।

महिला सोलो ट्रैवलर के लिए बेस्ट हैं भारत के ये होस्टल्स

सोलो ट्रैवल अपने साथ कई अनोखे अनुभव और उन्हें अपनी शर्तों पर अपनाने की आजादी लेकर आता है। आप अपनी कल्पना से परे स्थानों की खोज करते हैं और कई रोचक पलों को जीते हैं। सोलो ट्रैवल में कोई आपको टोकने वाला नहीं होता। कहां जाना है? कहां खाना है और क्या करना है ? सब आपकी अपनी पसंद के ऊपर होता है। बीते कुछ सालों में सोलो ट्रैवलिंग का चलन काफी ज्यादा बढ़ने लगा है और पुरुषों के साथ-साथ महिलाएं भी इसमें आगे बढ़ रही हैं। अब जब सोलो ट्रैवलिंग की बात है, तो सवाल उठता है अकेले रहने का... एक पुरुष तो फिर भी एडजस्ट कर सकता है, लेकिन महिलाओं के लिए अक्सर यह सेफ्टी का सवाल खड़ा करता है। सोलो ट्रैवलिंग को बढ़ते देख देश की कई जगहों पर होस्टल की सुविधाएं होने लगी है। इन में वह सारी चीजें उपलब्ध होती हैं, जो आप एक होटल में पा सकते हैं, बल्कि उससे कई ज्यादा एक्टिविटीज यहां करने का मौका मिलता है। आप लोगों से घुल-मिल सकते हैं।

जोस्टल, लद्दाख

अगर आप लेह-लद्दाख की यात्रा पर जा रही हैं, तो वहां वैसे भी कई चीजों का ध्यान रखना जरूरी है। अब ऐसे में रहने की टेंशन लेना एक बड़ी समस्या हो जाती है। अगर आप लद्दाख में हैं, तो रुकने के लिए जोस्टल का सहारा ले सकती हैं। यह साफ-सुथरा और आरामदायक होस्टल है, जहां कई सारे रूम्स आपको कम कीमतों पर उपलब्ध होंगे। यहां जाने से पहले फोन पर एक बार बुकिंग की बात कर लें। यहां आपको 479 रुपये/ रात में भी बेड मिल जाता है, लेकिन उसके लिए डेट और समय अनुकूल होना चाहिए। फ्री वाई-फाई की सुविधा मिलती है, जिससे आपके काम आसान हो सकते हैं। ब्रेकफास्ट के लिए आपको शुल्क देना पड़ता है।

ट्रिपर बीच होस्टल, गोकर्णा

गोवा से बोर हो चुके लोग गोकर्णा जरूर जाते हैं। अगर अब तक आप वहां नहीं गई हैं, तो आपको वहां जरूर जाना चाहिए। और अगर रुकने की चिंता हो, तो आप ट्रिपर बीच होस्टल में रुक सकती हैं। समुद्र के किनारे इस खूबसूरत कोजी से होस्टल में रहने का मजा ही अलग होगा। गोकर्ण बीच के पास बना यह सस्ता हॉस्टल महाबलेश्वर मंदिर से तीन कि.मी. और गोकर्ण रोड रेलवे स्टेशन से 12 कि.मी. दूर है।किफ़ायती डॉर्म में बंक बेड्स और लकड़ी के पैनल वाली दीवारें हैं। यहां आपको एक बेड 600 रुपये/रात के हिसाब से मिल जाएगा, लेकिन पहले बुकिंग के लिए बात जरूर करें। यहां आपको एयरकंडीशन, फ्री वाई-फाई भी मिलेगा। कमाल की बात यह है कि यह होस्टल पेट-फ्रेंडली है।

ब्लूशीप होस्टल, तीर्थन वैली

तीर्थन घाटी एडवेंचर पसंद लोगों के लिए सबसे बेहतरीन घाटियों में से एक है। ये जगह प्राकृतिक सौंदर्य और कई पर्यटन स्थलों से भरी है। अगर आप तीर्थन वैली आने का प्लान कर रहे हैं, तो आपको यहां स्थित ब्लूशीप होस्टल में ठहरना चाहिए। यह तीर्थन घाटी में एक स्थानीय सेराजी हिमाचली परिवार द्वारा संचालित एक छोटा सा होमस्टे और होस्टल है।

होस्टल के बाहर निकलते ही आप सेब के कई बाग देख सकते हैं। लकड़ी से बना यह होस्टल रॉयल फीलिंग देता है। आप यहां परिवार के साथ भी आ सकते हैं और खास बात यह है कि यहां आपको कुक मिलता है, तो आप जो चाहें उससे बनवा सकते हैं। हालांकि आपको उसका पैसा देना पड़ेगा।

जैसलमेर में स्थित हैं ये म्यूजियम

राजस्थान का जैसलमेर एक बेहद ही खूबसूरत शहर है। इस शहर का जैसलमेर फोर्ट बेहद ही फेमस है और दूर-दूर से लोग यहां पर आते हैं। जैसलमेर राजस्थान की संस्कृति और विरासत का प्रतीक है। यूं तो जैसलमेर में घूमने व देखने लायक बहुत कुछ है।

कोठारी पटवा हवेली म्यूजियम

यह म्यूजियम वास्तव में एक हवेली में बनाया गया है। दरसअल, जैसलमेर में सबसे खूबसूरत हवेली को एक प्राइवेट म्यूजियम में बदल दिया गया, जो पटवा परिवार के जीवन के तरीके को दर्शाता है, जो अमीर जैन ब्रोकेड व्यापारी थे। इस परिवार ने 19वीं सदी की शुरुआत में क्लस्टर में चार अन्य लोगों के साथ मिलकर हवेली का निर्माण किया था। इसे पूरा होने में 50 साल से अधिक का समय लगा। हवेली की छत से शहर और किले का खूबसूरत नजारा देखना न भूलें।

जैसलमेर वॉर म्यूजियम

जैसलमेर वॉर म्यूजियम भारतीय सशस्त्र बलों के बहादुर सैनिकों को श्रद्धांजलि देता है। इन सैनिकों ने इतिहास की कुछ सबसे चुनौतीपूर्ण लड़ाइयों में बहादुरी से लड़ाई लड़ी। भारतीय सेना की डेज़र्ट कोर ने लेफ्टिनेंट जनरल बॉबी मैथ्यूज के तहत इसे विकसित किया। अगर आप देश के सैन्य इतिहास में रुचि रखते हैं तो आपको एक बार जैसलमेर का वॉर म्यूजियम को अवश्य देखना चाहिए।

जैसलमेर फोर्ट पैलेस म्यूजियम

जैसलमेर किले के अंदर पूर्व शाही निवास को अब एक म्यूजियम में बदल दिया गया है। जिसमें जैसलमेर किले के अंदर शहर के इतिहास को दर्शाने वाले कई आर्टिफैक्ट्स मौजूद हैं। इसकी संरचना जैसलमेर की अन्य हवेलियों की तुलना में सरल है। पूरा महल जनता के लिए खुला नहीं है, लेकिन आप उन कमरों में घूम सकते हैं, जहां पर आने वाले मेहमानों का मनोरंजन किया जाता था और राजा और रानी के अलग-अलग क्वार्टर भी थे। यहां के मुख्य आकर्षणों में राजा का चांदी का सिंहासन, 15वीं सदी की मूर्तियों की एक गैलरी, प्राचीन वस्तुएं जैसे पेंटिंग, राजस्थान के पूर्व रियासतों के टिकट और जैसलमेर के वार्षिक गणगौर उत्सव जुलूस पर एक सेक्शन है।

बा री हवेली म्यूजियम

अगर आप जैसलमेर किले में रोजमर्रा की जिंदगी के बारे में जानना चाहते हैं तो आप किले के अदंर जैन मंदिर परिसर के पास मौजूद इस म्यूजियम के जरिए यह जान सकते हैं। 450 साल पुरानी हवेली को अब म्यूजियम में बदल दिया गया है। यह हवेली कभी हिंदू पुजारियों के स्वामित्व में थी जो राजा को सलाह देते थे।

थार हेरिटेज म्यूजियम

इस छोटे से म्यूजियम की स्थापना 2006 में प्रसिद्ध स्थानीय इतिहासकार, लोकगीतकार और लेखक लक्ष्मी नारायण खत्री द्वारा की गई थी। यह म्यूजियम जैसलमेर रेगिस्तान के इतिहास और जीवन शैली से संबंधित कलाकृतियों के संग्रह को दर्शाता है। इसमें प्राचीन समुद्री जीवाश्म, हथियार, स्थानीय व्यापारियों और एशिया के विजिटर्स के बीच व्यापार सौदों के बारे में बताने वाले दस्तावेज, सिक्के, पेंटिंग, बर्तन, उपकरण, कपड़े आदि मौजूद हैं।

बजट में कहीं भी करना हो ट्रैवल तो इन टिप्स का रखें ख्याल

जब हम ट्रैवल करने के बारे में सोचते हैं, तो हमारे दिमाग में सबसे पहले बजट की टेंशन होने लगती है। 3-4 दिन के लिए कहीं जाना यानी की पैसों की बर्बादी और बस यही सोचकर आप कहीं जा नहीं पाते हैं। अगर आप बजट में ट्रैवल करना चाहते हैं, तो कुछ टिप्स का ख्याल रखें। पहले से अगर आप अपने ट्रैवल एक्सपेंसेस को प्लान कर लेंगे और उसी के मुताबिक चलेंगे, तो यकीन मानिए आप ट्रैवल भी कर सकेंगे और अच्छे से अपनी जगहों को एक्सप्लोर कर सकेंगे। एक बात का ख्याल रखिए कि किसी जगह को एक्सप्लोर करने के लिए आपको खूब सारे पैसों की नहीं, बल्कि समझदारी की जरूरत होती है।

सबसे पहले प्लान करें : यदि आपके पास समय और धन की कमी है, तो स्पॉन्टेनियस यात्रा करना बहुत अच्छा होता है। लेकिन अगर आप एक बजट में यात्रा कर रहे हैं, तो सबसे पहले उसके लिए योजना तैयार करें। इसके लिए आपको अपनी छोटी-सी-छोटी चीजों को लिखने की जरूरत नहीं है। बस इतना प्लान करें कि आपको जहां जाना है, वहां की कॉस्ट क्या होगी। प्लान न करने पर आपको लास्ट मिनट ज्यादा पैसा खर्च करना पड़ता है।

ऑफ-सीजन ट्रैवल करें : स्कूल की छुट्टियों के दौरान यात्राओं से बचें, यह तब होता है जब यात्रा उद्योग उन परिवारों का लाभ उठाने के लिए कीमतों में बढ़ोतरी करता है जो केवल इन हफ्तों के दौरान यात्रा कर सकते हैं। आप जिस जगह जाना चाहते हैं, वहां जाने के लिए सबसे अच्छा समय खोजें और फिर इन डेट्स के ठीक पहले या बाद में यात्रा करें। इसे शोल्डर सीजन भी कहा जाता है। इस दौरान हो सकता है जहां आप जा रहे हैं, वहां ज्यादा गर्मी हो या ज्यादा ठंड हो लेकिन आपको मजा भरपूर आएगा। साथ ही ऐसे में होटल्स और एयरलाइन्स के दाम भी कम होते हैं।

होटल्स की बजाय होस्टल हैं बेहतर : होटल्स के महंगे कमरों की बजाय आप होस्टल्स देखें। जब आप कमरे को शेयर करते हैं, तो अपने आप आपका फालतू का एक्सपेंस कम हो जाता है। आप ऐसी वेबसाइट्स को सर्च कर सकते हैं, जो होमस्टे या स्थानीय लोगों के घर पर ठहरने का अवसर प्रदान करती हैं। अगर आप किसी ऐसी जगह जा रहे हैं, जहां आपका कोई दोस्त या रिश्तेदार रहता है, तो होटल में रहने की जगह उनसे बात करें और उनके साथ रह सकते हैं। इससे आपकी कॉस्ट कटिंग में बहुत अंतर आएगा।

पब्लिक ट्रांसपोर्ट का सहारा लें : हममें से अधिकतर लोग जब कहीं जाते हैं, तो वहां जाकर एक्सपेंस सिर्फ आने-जाने में करते हैं। मगर क्या आपको पता है कि आप इसे भी बचा सकते हैं। सबसे पहले फ्लाइट में जाने से पहले उस जगह के लिए बसों और ट्रेनों के रूट देख लें। बस और ट्रेन में आप आराम से रात की नींद पूरी करते हुए जा सकते हैं। दूसरी, जब आप लोकेशन में पहुंचे तो वहां भी कैब, टैक्सी लेने से पहले लोकल पब्लिक ट्रांसपोर्ट के बारे में पता कर लें और उससे ट्रैवल करें।

स्थानीय ढाबों पर खाएं : ज्यादा खर्चीले रेस्तरां या कैफे में बैठकर चाय और कॉफी पीने से अच्छा है कि आप किसी सस्ती जगह जाकर इसका आनंद लें। रात के खाने के लिए भी जगह चुनने से पहले घूम लें और आसपास की डेलिकेसी का पता कर लें। स्थानीय भोजन आपको स्वादिष्ट भी लगेगा और आपके पॉकेट में ज्यादा वजन भी नहीं पड़ेगा।

वहीं कुछ होस्टल में खुद बनाने की सुविधा भी होती है और काफी किफायती दामों में भोजन भी मिलता है। इसके साथ जो एक अन्य अहम चीज है वो यह कि आपके फोन में हमेशा एक ऐसा ऐप होना चाहिए, जिसमें आप ट्रैवल एक्सपेंस का लेखा-जोखा सेव कर सकें। इससे आपको पता चलता रहेगा कि आपने कहां कितना पैसा खर्च किया है। आप ऐप के जरिए अपने खर्चों पर नजर रख सकते हैं।

दुनिया के ये सस्ते देश जहां आप जी सकते हैं लग्जरी लाइफ, एक बार जरूर करें एक्सप्लोर

आजकल की बढ़ती महंगाई का सबसे ज्यादा असर लोगों की जेब पर पड़ रहा है। तो वहीं आलिशान जिंदगी जीने के सपने पर भी पानी फेर रहा है। महंगाई ने सबकी इच्छाओं पर जैसे विराम लगा दिया है। ऐसे में अगर आप भी घूमने फिरने के शौकीन हैं, लेकिन महंगाई के कारण विदेश घूमने का प्लान कैंसिल कर देते हैं।

सर्बिया : अगर आप ऐतिहासिक कलाकृतियों और क्लासिक वास्तुकला देखने के शौकीन हैं, तो आप भी सर्बिया की बीजान्टिन, बैरोक और रोमनस्क्यू आदि को एक्सप्लोर कर सकते हैं। इस देश में आपको 200 से भी अधिक मठ मिलेंगे, जहां पर आप रुक सकते हैं। बता दें कि इस देश में आपको एक महीने रहने के लिए करीब 58,753 रुपए खर्च करने पड़ेंगे। यहां पर आप इतने कम पैसों में लग्जरी लाइफ जी सकते हैं।

मेक्सिको : मेक्सिको दूसरा सबसे बड़ा लैटिन अमेरिकी देश है। इस देश की आबादी करीब 123.5 मिलियन है। हांलाकि इस देश में अधिक स्पेनिश भाषा बोलने वाले लोग मिलेंगे। मैक्सिको अमेरिका की कई प्राचीन संस्कृतियों के लिए भी जाना जाता है। ऐसे में आप काफी कम बजट में मेक्सिको को एक्सप्लोर कर सकते हैं।

दक्षिण अफ्रीका : अगर आप भी घूमने के साथ लग्जरी लाइफ जीना चाहते हैं, तो आपको दक्षिण अफ्रीका को एक्सप्लोर करना चाहिए। यहां पर आपको लग्जरी लाइफ जीने के लिए काफी रुपए भी खर्च नहीं करने पड़ेंगे। यह देश काफी सस्ता है। ऐसे में आप इस देश को भी एक्सप्लोर कर सकते हैं।

वियतनाम : वियतनाम एक बेहद ही खूबसूरत देश है। आप यहां पर घूमने के लिए आ सकते हैं। बता दें कि जनसंख्या के मामले में दूसरे सबसे बड़े दक्षिण पूर्व एशियाई देश में गिना जाता है। आप विभिन्न वाइल्ड लाइफ सैंचुरी को भी एक्सप्लोर कर सकते हैं।

मलेशिया

मलेशिया दक्षिण पूर्व एशिया का एक खूबसूरत देश है। यह घूमने के लिहाज से भी काफी अच्छी जगह है। यहां पर आप कम पैसों में घूम सकते हैं। आप यहां पर कई आकर्षक जगहों को देखने के अलावा यहां का लोकल फूड और शॉपिंग आदि भी कर सकते हैं। शानदार और लग्जरी चीजों का मजा लेने के लिए मलेशिया सबसे सस्ते देशों में से एक है। यहां की खूबसूरती किसी जन्नत से कम नहीं लगती।

नीमकाथाना के साथ सौतेला व्यवहार बंद करे सरकार : मोदी

निसं

नीमकाथाना (नवयत्न)। राजस्थान विधानसभा के पंचम सत्र में विधायक सुरेश मोदी ने नीमकाथाना क्षेत्र से जुड़ी विभिन्न गंभीर समस्याओं को सदन में प्रमुखता से उठाया और सरकार से ठोस कार्रवाई की मांग की। विधायक सुरेश मोदी ने कहा कि रेलवे फाटक संख्या 76 पर स्वीकृत आरयूबी गलत तरीके से निर्मित किया गया है जिससे आधे नीमकाथाना की जनता के लिए भारी समस्या खड़ी हो गई है। उन्होंने कहा कि संबंधित विभाग के मंत्री भी इसी जिले से आते हैं और समस्या से भली-भांति परिचित हैं। अत: अपने उद्बोधन में इस विषय पर स्पष्ट घोषणा करें तथा तकनीकी खामियों को दूर कर आमजन को राहत प्रदान करें। उन्होंने बताया कि नगरपालिका द्वारा मास्टर प्लान 2047 का ड्राफ्ट जारी किया गयाए जिस पर आमजन द्वारा बड़ी संख्या में आपत्तियां दर्ज करवाई गई किंतु आज तक उनका निस्तारण नहीं हुआ। जनता असमंजस में है कि कार्य पुराने मास्टर प्लान से होंगे या नए से। सरकार तत्काल स्थिति स्पष्ट करे। पूर्व सरकार द्वारा प्रारंभ की गई सफाई कर्मचारियों की भर्ती प्रक्रिया पर वर्तमान सरकार ने रोक लगा दी, जिससे बेरोजगार युवाओं में निराशा है। इस संबंध में कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। नगरपालिका के समस्त कार्यालय स्टाफ का तबादला कर दिया गया जबकि नए कर्मचारी नियुक्त नहीं किए गए। वर्तमान में केवल एक एलडीसी कार्यरत है, न कोई अकाउंटेंट है और न पर्याप्त प्रशासनिक स्टाफ। यहां तक कि फायरमैन को कैश शाखा का कार्य करना पड़ रहा है, जो प्रशासनिक अव्यवस्था का उदाहरण है। नगरपालिका एवं वार्ड परिसीमन को विधायक ने भेदभावपूर्ण और नियमों के विरुद्ध बताया। कई वार्डों में 2500–3000 मतदाता हैं तो कुछ में केवल 600–700। आपत्तियों की सुनवाई किए बिना अधिसूचना जारी कर दी गई। उन्होंने पुन: निष्पक्ष परिसीमन हेतु सरकार से स्वतंत्र टीम गठित करने की मांग की। साथ ही मानपुरा, खादरा, माहवा, चला की ढाणी, मण्ढोली, पुरानाबास, गोवर्धनपुरा, नयाबास, कैरवाली, नापावाली जैसे क्षेत्रों को नगरपालिका सीमा से बाहर रखने पर भी आपत्ति जताई। नगरपालिका द्वारा स्थापित एफएसटीपी प्लांट का निर्माण दो वर्ष पूर्व पूर्ण हो जाने के बावजूद आज तक जनता को उसका लाभ नहीं मिल रहा है। विधायक ने कहा कि पूर्व सरकार ने नीमकाथाना को नगर परिषद का दर्जा दिया था, किंतु वर्तमान सरकार ने इसे पुन: नगरपालिका बना दिया, जो क्षेत्र के विकास पर कुठाराघात है। उन्होंने नीमकाथाना को पुन: नगर परिषद बनाए जाने की मांग की। उन्होंने कहा कि शहर का विकास पूरी तरह ठप है स्ट्रीट लाइट, सफाई व्यवस्था, नालियों की सफाई, सड़कों के गड्ढों तक की मरम्मत नहीं हो पा रही है। नए विकास कार्यों की कल्पना तक संभव नहीं है। विधायक सुरेश मोदी ने पाटन, जो दूसरा ब्लॉक मुख्यालय है तथा जहां तहसील, पंचायत समिति, सरकारी कॉलेज, सीएचसी एवं स्टेट हाईवे स्थित है, उसे नगरपालिका बनाने की मांग की। इसी प्रकार गुहाला, जो बड़ी पंचायत एवं आसपास की कई पंचायतों का केंद्र है, उसे भी नगरपालिका में क्रमोन्नत किया जाए। उन्होंने नीमकाथाना में बुजुर्गों एवं स्वास्थ्य प्रेमी नागरिकों के लिए नेचर पार्क तथा टाउन हॉल निर्माण हेतु बजट स्वीकृत करने की भी मांग की। अंत में विधायक ने सरकार से निवेदन करते हुए कहा कि दो वर्षों में नीमकाथाना से जिला दर्जा छीना गया, सीकर संभाग समाप्त किया गया और नगर परिषद को हटाकर नगरपालिका बना दिया गया। सरकार नीमकाथाना के साथ सौतेला व्यवहार बंद करे और विकास कार्यों में बाधा न डाले, जनता पर कुठाराघात ना करे नहीं तो जनता की जो लाठी है वो बिना आवाज किये बहुत जोर से लगती है।

होलिका दहन और धुलंडी का सस्पेंस खत्म

2 मार्च को होलिका दहन, 3 मार्च को धुलंडी

निसं

जयपुर (नवयत्न)। जयपुर सहित पूरे राजस्थान में रंगों और खुशियों का पर्व होली-धुलंडी इस वर्ष 2 और 3 मार्च को मनाया जाएगा। शहर के प्रमुख धार्मिक स्थल गोविंददेव जी मंदिर में भी होली 2 मार्च को ही उत्साहपूर्वक मनाई जाएगी। ज्योतिषविदों के अनुसार 2 मार्च की शाम 5:56 बजे से अगले दिन सुबह 5:32 बजे तक भद्रा रहेगा, वहीं पूर्णिमा की शुरुआत भी शाम 5:56 बजे से हो रही है। शास्त्रों के अनुसार इस स्थिति में भद्रा पुच्छ काल के समय मध्यरात्रि के बाद होलिका दहन करना शुभ रहेगा। इस कारण इस वर्ष होलिका दहन 2 मार्च की मध्यरात्रि के बाद किया जाएगा।

सिटी पैलेस में होलिका दहन

जयपुर के पूर्व राजपरिवार की ओर से सिटी पैलेस में भी होलिका दहन दो मार्च की मध्यरात्रि में आयोजित होगा। परंपरा अनुसार सबसे पहले यहां होलिका दहन किया जाएगा और उसके बाद शहरभर में होली की उमंग फैलेगी।

भद्रा और शुभ मुहूर्त

ज्योतिषाचार्य बनवारी लाल शर्मा के अनुसार, तीन साल बाद होलिका दहन गोधूलि बेला के बजाय मध्यरात्रि बाद होगा। 2 मार्च को पूर्णिमा तिथि शाम 5:56 बजे से अगले दिन शाम 5:08 बजे तक रहेगी। शास्त्रों के अनुसार प्रदोष काल में पूर्णिमा होने के कारण, भद्रा पुच्छ काल में मध्यरात्रि बाद ही होलिका दहन करना श्रेष्ठ माना गया है। इस वर्ष होलिका दहन का शुभ मुहूर्त रात 1326 बजे से 2:38 बजे तक रहेगा।

भद्रा काल का महत्व

शर्मा के अनुसार, बिहार, झारखंड, असम, दिल्ली यूपी और पंजाब में इस वर्ष पर्व तीन और चार मार्च को मनाया जा रहा है। भद्रा काल को क्रोध और विघ्न का समय माना जाता है। शास्त्रों के अनुसार इस दौरान विवाह, गृह प्रवेश, मुंडन जैसे शुभ कार्य नहीं करने चाहिए। भद्रा शनिदेव की बहन मानी जाती हैं और उनका स्वभाव उग्र होता है।

धुलंडी का पर्व

2 मार्च की मध्यरात्रि के बाद होलिका दहन होने के कारण 3 मार्च को राजस्थान में धुलंडी का पर्व मनाया जाएगा। परंपरा के अनुसार होलिका दहन के अगले सूर्योदय पर ही धुलंडी का उत्सव आयोजित किया जाता है। इस प्रकार, जयपुर और प्रदेशभर में इस वर्ष होली का उत्सव पारंपरिक रीतियों के अनुसार उत्साह और भद्रा मुहूर्त का ध्यान रखते हुए मनाया जाएगा।

20 वीं ऑल इंडिया हनुमान सिंह महिला हैंडबॉल आज से

निसं

जयपुर (नवयत्न)। युवा मामले एवं खेल तथा उद्योग मंत्री राजस्थान सरकार व ओलम्पिक रजत पदक विजेता कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ गुरुवार की शाम 5 बजे सवाई मान सिंह इंडोर स्टेडियम में आयोजित हो रही तीन दिवसीय 20वी ऑल इंडिया हनुमान सिंह महिला हैंडबॉल चैंपियनशिप-2025-26 के उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि होंगे। इस अवसर पर राज्य हैंडबॉल संघ के अध्यक्ष ललित कुमार कलाल, भारतीय महिला हैंडबॉल टीम के हेड कोच सचिन चौधरी भी मौजूद रहेंगे।

राजस्थान राज्य हैंडबॉल संघ के मानद सचिव यश प्रताप सिंह ने बताया कि लोकप्रिय राज्य कर्मचारी नेता एवं कुशल खेल प्रशासन रहे स्व. हनुमान सिंह की स्मृति में हैंडबॉल एसोसिएशन इंडिया के तत्वाधान में राजस्थान राज्य हैंडबॉल संघ एवं हनुमान सिंह फाउंडेशन द्वारा इस प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें मेजबान राजस्थान सहित देश की 10 शीर्ष टीमें हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, नॉर्दर्न रेलवे, बीएसएफ, सीआईएसएफ व एलपीयू-फगवाड़ा भाग ले रही है। उन्होंने बताया कि सभी टीमों को दो पूल पूल एक- राजस्थान, उत्तर प्रदेश, सीआईएसएफ, एलपीयू-फगवाड़ा, दिल्ली, पूल बीरूबीएसएफ, नॉर्दर्न रेलवे, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, पंजाब में बांटा गया है। प्रतियोगिता लीग कम नॉकआउट आधार पर खेली जायेगी। प्रतियोगिता के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी को हनुमान सिंह ट्रॉफी से सम्मानित किया जाएगा।

अवॉर्ड सेरेमनी व मोटिवेशनल सेमिनार आयोजित

सुरेन्द्र शर्मा

सीकर (नवयत्न)। पालवास रोड, सीकर स्थित प्रिंस स्कूल में कक्षावार टेस्ट सीरीज, इंटरनेशनल कॉमर्स व इंग्लिश ओलंपियाड तथा नेशनल साइंस ओलंपियाड में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों के सम्मान में अवॉर्ड सेरेमनी व मोटिवेशनल सेमिनार आयोजित हुआ। कार्यक्रम में प्रिंस एजुकेयर चेयरमैन डॉ. पीयूष सुण्डा, मुख्य प्रबंध निदेशक राजेश ढिल्लन, प्रिंसिपल विकास केडिया, सीमा राजपुरोहित एवं फैकल्टी मेंबर्स ने चयनित 139 विद्यार्थियों को नकद पुरस्कार, मेडल व रजिस्टर देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर डॉ. पीयूष सुण्डा ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि एकेडमिक एक्सीलेंस के लिए रटने की बजाय समझ, चिंतन व रेगुलर डेली डाउट अपडेशन अत्यंत महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम में एकेडमिक हेड सुरेश सिंघल, कोर्डिनेटर महेंद्र बिजारणिया, उर्मिला शर्मा, रश्मि सेठी सहित समस्त स्टाफ सदस्य व हजारों विद्यार्थी उपस्थित रहे। संचालन व्याख्याता सुनील सारण ने किया।

निजी बसों का संचालन दूसरे दिन भी रहा ठप

निसं

चूरू (नवयत्न)। निजी बसों की हड़ताल जिले में दूसरे दिन भी जारी रही, जिला मुख्यालय पर कॉन्ट्रैक्ट कैरिज परमिट, स्टेज कैरिज व ग्रामीण सेवा परमिट और राजस्थान लोकसेवा परमिट बसें की मुख्य मांगों को लेकर और समस्या के निराकरण के लिए एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने विरोध प्रदर्शन किया। जिलाध्यक्ष रणवीर सिंह कस्वां ने बताया कि जिले में करीब 200 निजी बसों के संचालकों ने हड़ताल को लेकर बसों का संचालन ठप हो रहा है। जिससे 30 रूट प्रभावित हो रहे है। जिलाध्यक्ष कस्वां ने बताया कि निजी बसों का अनावश्यक भारी चालान रोके जाए, आरसी निलंबित नहीं की जाए, बस कोड 0153 की पालना 1 अप्रैल 2026 के बाद बनी बसों पर लागू किया जाए, जिस बस के पास वैध डॉक्यूमेंट हो उसको बीच रास्ते में सीज नहीं किया जाए, 31 दिसंबर 2025 से पहली की बसों को बस बॉडी कोड 0153 से बाहर रखा जाए, स्टेज कैरिज और ग्रामीण परमिट बसों को लगेज करियर लगाने की छूट दी जाए, इमरजेंसी गेट के सामने वाली 3 सीट का टैक्स माफ किया जाए, बस चेसिस काट कर बड़ी डिग्गी की परमिशन दी जाए या बसों के अंदर 5 सीट खोल कर लगेज डालने की परमिशन दी जाए और 5 सीट का टैक्स कम किया जाए, आरसी सरेंडर बिना किसी शर्त और बिना टाइम बाध्यता के की जाए, चुनाव ड्यूटी या किसी और सरकारी कार्यक्रम में अधिग्रहित की जाने वाली बसों को पड़ोसी राज्यों की तरह भुगतान या 5500 रूपये प्रति दिन से भुगतान और 3.5 की एवरेज से डीजल दिया जाए, 31 मार्च 2026 से पहले की निर्मित बसों का रजिस्ट्रेशन किया जाए, लोक परिवहन परमिट की अवधि 10 साल की जाए, रोडवेज बसों के टाइम टेबल लोक परिवहन बसों के टाइम देख कर, सामान अंतराल देख कर रोडवेज का टाइम टेबल दिया जाए, लोक परिवहन बसों का टैक्स रोडवेज की तर्ज पर कम किया जाए, इमरजेंसी गेट की 3 सीट का टैक्स माफ किया जाए एवं चुनाव ड्यूटी और सरकारी कार्यक्रम में लोक परिवहन बसों का अधिग्रहण ना किया जाए अगर करें तो उतने दिन का टैक्स माफ किया जाए आदि मांगों को लेकर पुराने बस स्टैण्ड पर विरोध प्रदर्शन किया गया। इस अवसर पर शीशराम बेनीवाल, विष्णु स्वामी, देवी सिंह, याकुब खान, भंवर सिंह, नरेन्द्र सिंह, सतपाल सिंह, देवी सिंह, विजेन्द्र, उम्मेद खां, रिद्धकरण, रमेश, केसरराम, छोटू, सुनील, सांवत सिंह, बिरेन्द्र सिंह, राकेश चलकोई, देवा गुर्जर, मनोज, श्रवण भैड़ा, रामस्वरूप, गोपाल शर्मा आदि सहित एसोसिएशन के पदाधिकारी मौजूद रहे।

विशेष जागरुकता शिविर आज व कल

निसं

चूरू (नवयत्न)। डॉ. भीमराव अंबेडकर राजस्थान दलित आदिवासी उद्यम प्रोत्साहन योजना में जागरुकता के लिए गुरुवार, 26 फरवरी को तारानगर उपखंड मुख्यालय पर रैगर बस्ती वार्ड नंबर 21 स्थित वर्षा गेस्ट हाउस तथा शुक्रवार, 27 फरवरी को राजगढ़ उपखंड मुख्यालय पर रैगरान मोहल्ला गंगा माता मंदिर धर्मशाला में विशेष जागरुकता शिविर आयोजित किया जाएगा। उद्योग महाप्रबंधक उजाला ने बताया कि राजस्थान के अनुसूचित जातिध्जनजाति वर्ग के उद्यमी युवकों/युवतियों को आसान शर्तों एवं कम लागत पर ऋण प्रदान करने के लिये डॉ भीमराव अम्बेडकर राजस्थान दलित आदिवासी उद्यम योजना प्रारंभ की गई है। उन्होंने बताया कि शिविर सवेरे 11 बजे से प्रारंभ होंगे तथा शिविर में योजना के संबंध में विस्तृत जानकारी दी जाएगी। इसी के साथ औद्योगिक क्षेत्र में कार्यरत श्रमिकों हेतु विश्वकर्मा युवा उद्यमी प्रोत्साहन योजना, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना, ओडीओपी पॉलिसी एवं एमएसएमई पॉलिसी की जानकारी दी जाएगी। उन्होंने इच्छुक व्यक्तियों से शिविर में उपस्थित होने की अपील की है।

अवैध गांजा के साथ महिला गिरफ्तार

निसं

चूरू (नवयत्न)। चूरू की कोतवाली थाना और कालिका यूनिट टीम ने बुधवार को आपणी योजना के पास संयुक्त कार्रवाई करते हुए 343 ग्राम अवैध गांजे के साथ एक महिला को दस्तयाब किया है। कोतवाली थाने के सब इंस्पेक्टर किशना राम बिश्नोई ने बताया कि कालिका यूनिट टीम की सूचना पर कोतवाली थाना पुलिस ने भालेरी रोड स्थित आपणी योजना के पास सड़क किनारे टी स्टॉल पर छापा मारा, जहां टी-स्टॉल से बड़ी मात्रा में अवैध गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने बताया उक्त महिला नीतू कंवर है जो जसरासर निवासी है जो टी-स्टॉल की आड़ में गांजा तस्करी कर रही थी, बरहाल पुलिस गांजा तस्करी के नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की भी पड़ताल कर रही है और यह पता लगाने का प्रयास कर रही है की तस्करी के नेटवर्क में और कौन लोग शामिल है। इस दौरान कोतवाली थाने के सब इंस्पेक्टर किशना राम बिश्नोई एवं कालिका टीम की कौशल्या सहित टीम के अन्य सदस्य मौजूद थे।

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता सार्वजनिक निर्माण विभाग-खण्ड फतेहपुर (सीकर)

क्रमांकः-2016 दिनांकः- 18.02.2026

ऑनलाईन निविदा सूचना संख्या : 14/2025-26

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से सड़क मरम्मत कार्यों के लिए उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में दिनांक 27.02.2026 को सायं 6:00 बजे तक ऑनलाईन निविदाऐं आमंत्रित की जाती है। निविदा में 6 कार्य कुल राशि रू. 65.21 लाख के हैं। ई-निविदा से सम्बन्धित विवरण वेब साईट https://sppp.rajasthan.gov.in, http://dipr.rajasthan.gov.in व http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

NIB No. PWD2526A5762
UBN No. PWD2526WSOB23554 to PWD2526WSOB23559

अधिशाषी अभियन्ता
सा.नि.वि. खण्ड फतेहपुर

DIPR/C/3946/2026

फागण के श्रृंगार में सजे गणपति बप्पा

निसं

जयपुर (नवयत्न)। छोटी काशी में बुधवार को फागोत्सव की धूम देखने को मिली। मोती डूंगरी गणेश मंदिर सहित अन्य गणेश मंदिरों में फागोत्सव मनाया गया। गणेश जी विशेष पूजा-अर्चना की गई। गणेशजी को नवीन पंचरंगी साफा धारण कराकर फूलों के सिंहासन पर विराजमान किया गया। मोती डूंगरी गणेश मंदिर में फूलों और गुलाल गोटे के साथ होली खेली गई। फूलों के सिंहासन पर विराजमान होकर भगवान गणेश जी ने भक्तों के साथ फूलों और गुलाल गोटो से होली खेली। शाम को शेखावाटी ढफ वादन पर भजन संध्या का आयोजन किया गया। फाग उत्सव के विशेष अवसर पर मंदिर में भगवान गणेश को केसरिया पोशाक और पचरंगी साफा धारण करवाया गया। उन्हें फूलों के सिंहासन पर विराजमान किया गया। फूलों के सिंहासन पर विराजमान होकर गणेश जी ने भक्तों के साथ फूलों और गुलाल गोटों से होली खेली। भक्तों ने भी फूलों और गुलाल गोटों से गणेश जी के साथ होली खेली। मंदिर में सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया। इस दौरान शेखावाटी के कलाकारों ने ढप पर धमाल गाई और नृत्य किया। कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियों से राजस्थानी संस्कृति की छटा बिखेरी। ब्रह्मपुरी माउंट रोड़ पर स्थित अति प्राचीन दाहिनी सूँड दक्षिण मुखी श्री नहर के गणेश जी महाराज के मंदिर में हर वर्ष की भाँति इस वर्ष विशाल फागोत्सव बुधवार को मनाया गया। मंदिर युवाचार्य पंण्डित मानव शर्मा ने बताया कि यह उत्सव मंदिर महंत पं. जय शर्मा के सानिध्य में प्रात: गणपति की पूजा अर्चना करके रंग बिरंगी फागुणिया पोशाक पहना कर प्रारंभ हुआ। इस पावन अवसर पर मंदिर में रंग बिरंगे परिधानों एवं ढ्प-चंग-पिचकारी, रंग बिरंगी गुलाल से नयनाभिराम फागुणियाँ झाँकी सजायी गयी तत्पश्चात दोपहर 2 बजे से सायं 6 बजे तक पद्मश्री गुलाबो सपेरा व साथी कलाकारए सुरेश पाँचाल, नृत्य गुरु राजेन्द्र राव व उनके शिष्यगण, गोपाल सिंह राठौड़ एवं भवई नृत्यांगना आचुकी सागर के भवई तथा मीनाक्षी डांसर व श्याम जी झांकी वालों की झांकियां तथा परवीन मिर्जा, उस्ताेन तँवर के कार्यक्रम हुए, तथा आरती के पश्चात राष्ट्रीय अन्तर्राष्ट्रीय कथक कलाकारों के नृत्य के कार्यक्रम हुए जिसमें प्रमुख रूप से नृत्य गुरु शशि साँखला व शिष्यगण, संगीता सिंघल व शिष्यगण, शिवी जोशी, मोनिका अग्रवाल, नलीनी, रोहित मदन महाराज, जयराज जबड़ा व शिष्यगण, परमेश्वर कथक, सांवरमल कथक, दिलशाद इत्यादि के कार्यक्रम हुए मंच संचालन राजेश आचार्य व आर डी अग्रवाल ने किया। हाजिरी देने वाले सभी कलाकारों का मंदिर परिवार की ओर से स्वागत सम्मान किया गया।

कार्यालय नगरपालिका श्रीमाधोपुर सीकर (राज0)

E-mail – shrimadhopur.jaipur@yahoo.com Ph. No. 01575-250016

क्रमांक / नपाश्रीमा. / 2025–26 / 2727 दिनांक :– 20.02.2026

निविदा सूचना

सर्वसाधारण पंजीकृत फर्म / ठेकेदारो को सूचित किया जाता है, कि नगरपालिका द्वारा वर्ष 2026–27 में आवश्यक सेवायें ली जाने / आवश्यक सामान क्रय किये जाने की दर संविदा किये जाने हेतु निविदा फार्म निविदा प्रकाशन से कार्य के सामने अंकित विक्रय तिथी को दोपहर 12.00 बजे तक विक्रय की जावेंगी एवं कार्य के सामने अंकित प्राप्ति तिथी को दोपहर 12.00 बजे तक सीलबन्द लिफाफे में प्रस्तुत करने होगें तथा संभव हुआ तो प्राप्त सीलबन्द निविदाऐं उसी दिवस को दोपहर बाद 02.00 बजे से उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष खोली जावेंगी। उक्त तिथी को अवकाश होने पर आगामी कार्य दिवस को निविदा प्रति विक्रय / प्राप्त / खोली जावेगी। उक्त निविदा सूचना http://sppp.raj.nic.in पोर्टल पर दिनांक 20.02.2026 से देखी जा सकती है। उक्त कार्य की एनआईबी कोड व यूबीएन निम्नानुसार हैं :–

NIB code : - DLB2526B1968

UBN : -

DLB2526SSOB35371 DLB2526GSOB35372 DLB2526SSOB35376
DLB2526WSOB35378 DLB2526WSOB35380 DLB2526WSOB35383
DLB2526WSOB35385 DLB2526WSOB35386 DLB2526SSOB35388
DLB2526SSOB35389 DLB2526SSOB35391 DLB2526SSOB35393
DLB2526SSOB35394 DLB2526SSOB35398 DLB2526SSOB35401
DLB2526GSOB35402 DLB2526GSOB35404 DLB2526SSOB35405
DLB2526WSOB35406 DLB2526WSOB35407

अधिशाषी अधिकारी
नगरपालिका श्रीमाधोपुर

राज.संवाद / सी / 25 / 21187

कार्यालय नगर परिषद, सीकर (राज0)

Add:- NEAR ABMEDKAR CIRCLE Sikar Pin 332001
Email:- sikarulb.jaipur@gmail.com

क्रमांक : 414 दिनांक :– 19.02.2026

ई–निविदा सूचना सं. 37/2025–26

Open BIDS for ENIB No. 37/2025-26 Dispetch 406-413 dated 19.02.2026 Percurement for (01 work) of Subject matter are invited from interested bidders for online tender submite upto 04.03.2026 upto 06:00 PM and Online tender Open at 05.03.2026 at 10:00 A.M. Other particulars or details of NIB of the bid may be visite at the percurement portal http://sppp.rajasthan.gov.in/ and / http://eproc.rajasthan.gov.in/ of the state rajasthan. Eproc Tender ID as per given below.

NIB CODE : DLB2526B1903

S.NO.	UBN ID
01	DLB2526WSOB35155

आयुक्त
नगर परिषद, सीकर

राज.संवाद / सी / 25 / 21167

विशाल फागोत्सव एवं फूलों की होली एक को

जयपुर (नवयत्न)। सिविल लाइंस पार्क राजभवन रोड पर 1 मार्च 2026 को प्रात: 8 बजे से दोपहर 12 बजे तक विशाल फागोत्सव एवं फूलों की होली का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम को लेकर श्रद्धालुओं और क्षेत्रवासियों में उत्साह देखा जा रहा है। हरमेन्द्र खोवाल के अनुसार भक्ति और उत्साह से परिपूर्ण इस रंगारंग कार्यक्रम में सन्नी कुमार एंड पार्टी द्वारा पुष्प वर्षा की जाएगी। साथ ही राधा-कृष्ण सुदामा लीला, हनुमान झांकी, काली माता झांकी, शेरावाली झांकी तथा भोलेनाथ की आकर्षक झांकियां प्रस्तुत की जाएंगी। फूलों की होली और भजन-कीर्तन के साथ श्रद्धालु भक्तिमय वातावरण का आनंद लेंगे। आयोजक धर्मेन्द्र कुमार सैनी पिंटू भैया ने बताया कि फागोत्सव को भव्य रूप देने के लिए विशेष तैयारियां की जा रही हैं। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है।

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, खण्ड सीकर

(दूरभाष संख्या 01572-294311, ई-मेल eephedskr@gmail.com)

कमांक: एफ1( )/2025-26/8909 दिनांक:- 16/2/2026

ई-निविदा सूचना

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु उपयुक्त श्रेणी में जन स्वास्थ्य अभियांत्रिक विभाग में पंजिकृत डी एंव उच्च श्रेणी के संवेदको एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/ डाक एवं दूर संचार विभाग/रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों जो कि राजस्थान सरकार के एए श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेंट प्रकिया हेतु ऑन लाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा फार्म ऑन लाईन वेबसाईट http://www.eproc.rajasthan.gov.in से दिनांक 09.03.2026 को सांय 5:00 बजे तक डाउनलोड किये जा सकते है। ऑन लाईन निविदाएं इसी वेबसाइट पर इच्छुक संवेदकों द्वारा 09.03.2026 को सांय 6:00 बजे तक जमा कराये जा सकते है। वेबसाइट पर तकनीकी बिड दिनांक 10-03-2026 को इस कार्यालय में प्रात: 11:00 बजे खोली जावेगी। यदि किसी कारणवश उस दिन अवकाश रहता है तो उसके अगले कार्यदिवस को उसी समय पर तकनीकी बिड खोली जावेगी। इच्छुक संवेदको को अपने डिजीटल(DSC)हस्ताक्षर के माध्यम से वेबसाईट http://www.eproc.rajasthan.gov.in पर फर्म को रजिस्टर्ड करवाना आवश्यक है।

निविदा संख्या	विवरण	निविदा की अनु. लागत (रू. लाख)	धरोहर राशि (रूपये)	निविदा शुल्क (रूपये)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	NIB No	UBN No
86/25-26	Annual Rate Contract for Work of Repair of Tubewells, Pumpsets, Pump House Machinary and various size of valves of UWSS LOSAL under Division Sikar."	27.84	55680	500	12 माह	PHE2526 A6627	PHE2526 WSRC14340

(रामकुमार चाहिल)
अधिशाषी अभियन्ता
जन स्वास्थ्य अभियांन्त्रिकी विभाग खण्ड सीकर

DIPR/C/3688/2025

प्रधानमंत्री की जनसभा में सर्वाधिक कार्यकर्ता जाएंगे अजमेर : मटोरिया

सुरेन्द्र शर्मा

सीकर (नवयत्न)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 28 को अजमेर में आयोजित जनसभा व पंचायती राज चुनावों की तैयारियों को लेकर भाजपा की बैठक बुधवार को जिला कार्यालय में हुई। बैठक में जिले के संगठन प्रभारी व पूर्व विधायक अभिषेक मटोरिया, सह प्रभारी व पूर्व विधायक अनिता गुर्जर मुख्य वक्ता रहे। अध्यक्षता जिलाध्यक्ष मनोज बाटड़ ने की। पूर्व सांसद स्वामी सुमेधानंद सरस्वती, पूर्व विधायक रतनलाल जलधारी व राजकुमारी शर्मा, पूर्व जिलाध्यक्ष व प्रदेश प्रवक्ता इंद्रा चौधरी, पूर्व जिलाध्यक्ष महेश शर्मा, दिनेश जोशी, प्रदेश प्रवक्ता महिपाल महला व भूपसिंह पूनियां, नीलम मिश्रा आदि मंचस्थ रहे। संचालन जिला महामंत्री राजेश रोलन ने किया। बैठक को संबोधित करते हुए जिले के संगठन प्रभारी व पूर्व विधायक अभिषेक मटोरिया ने कहा कि सीकर जिले की सभी आठों विधानसभा से हजारों से संख्या में कार्यकर्ता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जनसभा में जाएंगे। इसकी तैयारियों में जुट जाएं। उन्होंने कहा कि पंचायती राज व निकाय चुनावों की तैयारियों में अभी से जुट जाए। कहा कि सीकर की पंचायतों, जिला परिषद व निकायों में भाजपा की जीत का परचम लहराना है। सह जिला संगठन प्रभारी अनिता गुर्जर ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की अजमेर में होने वाली जनसभा में प्रत्येक बूथ से कार्यकर्ता जाए। पंचायती राज व निकाय चुनावों के लिए गुर्जर ने कहा कि भाजपा को अधिक मजबूती के साथ पंचायती राज व निकाय चुनावों में विजयी बनाएं। जिलाध्यक्ष मनोज बाटड़ ने कहा कि प्रधानमंत्री की अजमेर में 28 फरवरी को होने वाली जनसभा में जिले से 7500 से अधिक कार्यकर्ता जाएंगे।

कहा कि पंचायती राज व निकाय चुनावों में भाजपा जीते ऐसे प्रयास सभी को मिलकर करना है। पूर्व सांसद स्वामी सुमेधानंद सरस्वती ने कहा कि प्रधानमंत्री की अजमेर में होने वाली सभा में सर्वाधिक कार्यकर्ता जाएं यह प्रयास मिलकर करने हैं। उन्होंने कहा कि सभी को एकमत होकर पंचायती राज व निकाय चुनावों में उतरना है। जिला मीडिया संयोजक जितेंद्र माथुर ने बताया कि बैठक में राजेश रोलन, नेमीचंद कुमावत, जितेंद्र सिंह कारंगा, प्रभुसिंह सेवद, बाबुलाल यादव, प्रभुसिंह शेखावत, अजय खर्रा, करण सिंह, तेजप्रकाश सैनी, मूलचंद रणवां, नंदकिशोर सैनी, गोविंद बिजारणियां, गजेंद्र चारण, प्रकाश दाधीच, अनिता शर्मा, श्रीहरि बियाणी, विष्णु काबरा अशोक चौधरी, राजकुमार महला, वरूण कुशलेश शर्मा, ललित पंवार, इंद्र शर्मा, प्रदीप अग्रवाल, ओमप्रकाश बिजारणियां, मुकेश पिपलवा, गुलाब धींवा, रामदेव बिजारणियां, जावेद खान, दिनेश भादवासी, राजकुमार किरोड़ीवाल आदि मौजूद रहे।

संत गंगाराम साहिब की बरसी पर भव्य मेला 27-28 फरवरी को

निसं

जयपुर (नवयत्न)। आदर्श नगर स्थित गीता भवन में संत गंगाराम साहिब की 133वीं बरसी के उपलक्ष्य में 27 व 28 फरवरी 2026 को दो दिवसीय भव्य मेले का आयोजन किया जाएगा। मेला संयोजक मोहन गंगवानी ने बताया किकार्यक्रम की शुरुआत 27 फरवरी को प्रात: 9 बजे ध्वजारोहण, शुभारंभ घट स्थापना एवं हवन से होगी। इसके पश्चात ज्योत प्रज्वलन, जनेऊ एवं मुंडन संस्कार, बहिराणा साहिब तथा संत मंडली द्वारा भजन-कीर्तन का आयोजन किया जाएगा। सायंकाल आरती, छेज, डांडिया एवं सामूहिक फेरे होंगे। रात्रि 7 बजे भारत की प्रसिद्ध बालक मंडली गोरधन व दिलीप उदासी कटनी द्वारा भजन संध्या प्रस्तुत की जाएगी। कार्यक्रम से जुड़े हेमन दास रामचंदानी ने बताया कि 28 फरवरी को प्रात: 10 बजे से चिकित्सा एवं परामर्श शिविर लगाया जाएगा। 11 बजे गुरु ग्रंथ साहिब पाठ, भोग व अरदास का आयोजन होगा।

कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय छात्रावास शुरू

निसं

श्रीमाधोपुर (नवयत्न)। पीएम श्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय श्रीमाधोपुर के परिसर में कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय छात्रावास शुरू हो गया है जिसमें कक्षा 9 से 12 तक की छात्रा नि:शुल्क प्रवेश ले सकती हैं। प्रत्येक कक्षा की 25 सीट हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार सभी छात्राओं का भोजन, आवास एवं पढ़ाई नि:शुल्क है। कक्षा 9 और 10 में व्यावसायिक शिक्षा में ब्यूटी एंड वैलनेस और कृषि विज्ञान सेक्टर भी संचालित है कक्षा 11 व 12 में विभिन्न विषय संचालित हैं। बताया गया है कि विज्ञान वर्ग में भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान, गणित, कला वर्ग में भूगोल, राजनीतिक विज्ञान, चित्रकला, संस्कृत, वाणिज्य वर्ग में-अर्थशास्त्र, व्यवसाय अध्ययन, लेखा शास्त्र, कृषि संकाय में-कृषि विज्ञान कृषि रसायन विज्ञान कृषि जीव विज्ञान, कंप्यूटर विज्ञान को सभी संकाय में अतिरिक्त विषय के रूप में लिया जा सकता है। पीएम श्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय श्रीमाधोपुर में सुसज्जित प्रयोगशालाएं, आईसीटी लैब, रोबोटिक लैब, स्मार्ट कक्षा कक्ष, संविधान कक्ष, डॉक्टर्स कक्ष, छात्र परामर्श कक्ष है। जिनमें विद्यार्थी विभिन्न प्रयोग, पीएम श्री गतिविधि, प्रोजेक्ट, इत्यादि बना सकते हैं पीएम श्री गतिविधि में विद्यार्थियों को राज्य, अंतराज्यीय भ्रमण करवाया जाता है जिससे विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ-साथ व्यवहारिक ज्ञान प्राप्त होता है।

हास्य कवि सम्मेलन 28 को

निसं

जयपुर (नवयत्न)। जैन सोश्यल ग्रुप कैपिटल के बैनर व जैन सोश्यल ग्रुप इंटरनेशनल फेडरेशन नॉर्दर्न रीजन के सहयोग से 20वां हास्य कवि सम्मेलन 28 फरवरी को शाम 7 बजे बिड़ला सभागार में आयोजित किया जाएगा। इस मौके पर देश के ख्यातनाम कवि अपनी रचनाओं से उपस्थित जनसमूह को गुदगुदायेंगे। इस आयोजन की बहुरंगीय पोस्टर का विमोचन ने किया। संस्थापक सुभाष चंद्र ने बताया कि इस कवि सम्मेलन में फर्रूखाबाद पर सरदार मंजीत सिंह, उज्जैन के अशोक भाटी, शाजापुर के अशोक नागर, रतलाम के राकेश शर्मा, मेरठ की शुभम त्यागी, नाथद्वारा के कानून पंडित व कवि सम्मेलन की सूत्रधार डॉ. प्रेरणा ठाकरे सहित अन्य कवि हास्य रचनाएं सुनाएंगे। आयोजन की तैयारियां जोरों पर चल रही हैं।

जीरो प्लास्टिक वेस्ट जागरूकता रैली आयोजित

हर्ष सोनी

झुंझुनू (नवयत्न)। जिला परिषद झुंझुनू के पर्यावरण संरक्षण अभियान एवं श्स्वच्छ ग्राम-सशक्त पंचायत संकल्प के अंतर्गत ग्राम हंसासरी में स्वच्छ भारत मिशन के तहत जीरो प्लास्टिक वेस्ट जागरूकता रैली का सफल आयोजन किया गया। रैली में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय हंसासरी के छात्र-छात्राओं के साथ बड़ी संख्या में ग्रामवासियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। रैली का शुभारंभ विद्यालय के प्रधानाचार्य विकास रूहिल द्वारा हरी झंडी दिखाकर किया गया। इस अवसर पर प्लास्टिक उपयोग में कमी लाने, पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा स्वच्छ एवं हरित ग्राम निर्माण के लिए सामूहिक सहभागिता का संदेश दिया गया। रैली के दौरान विद्यार्थियों ने धरती मां की यही पुकार, प्लास्टिक को करो इनकार जैसे प्रभावशाली नारे लगाकर ग्रामीणों को सिंगल-यूज प्लास्टिक के बहिष्कार के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का आयोजन पिरामल फाउंडेशन से गांधी फेलो प्रमोद शेंडे एवं वर्षा दुबे द्वारा किया गया। कार्यक्रम में ग्राम पंचायत हंसासरी की ओर से वी.डी.ओ. रेनू कुमारी कारेल, एल.डी.सी. सरिता, एंबेसडर इमरान, विकास, विद्यालय के समस्त शिक्षकगण एवं ग्रामवासी उपस्थित रहे। रैली के समापन पर ग्रामीणों ने प्लास्टिक के स्थान पर कपड़े के थैलों के उपयोग की घोषणा करते हुए पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया। साथ ही सभी प्रतिभागियों ने प्लास्टिक मुक्त जीवन अपनाने की सामूहिक शपथ ली।

8 मार्च को जुटेगा पूर्व सैनिकों का महाकुंभ, तैयारियों को लेकर जनसंपर्क तेज

निसं

सुजानगढ़ (नवयत्न)। आगामी 8 मार्च को जिला स्टेडियम, चूरू में आयोजित होने वाली विशाल पूर्व सैनिक रैली की सफलता को लेकर गौरवशाली सैनानी समिति सुजानगढ़-बीदासर द्वारा क्षेत्र में व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाया जा रहा है। समिति के अध्यक्ष सेवानिवृत सूबेदार मेजर रतनलाल ढाका, सेवानिवृत नायब सूबेदार रामनिवास तेतरवाल ने सुजानगढ़, बीदासर, सालासर, कोलासर, मलसीसर, मालासी, राजियासर और बामणिया सहित दर्जनों गांवों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने पूर्व सैनिकों और वीरांगनाओं से मुलाकात कर रैली में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने का आह्वान किया। समिति के सदस्य रामनिवास तेतरवाल ने बताया कि इस रैली का मुख्य उद्देश्य पूर्व सैनिकों की पेंशन संबंधी विसंगतियों को दूर करना है। रैली में स्पर्श पोर्टल और ईसीएचएस से जुड़ी समस्याओं के निवारण के लिए विशेष डेस्क लगाई जाएगी।

कार्यक्रम में वीर नारियों और वीरांगनाओं का विशेष सम्मान किया जाएगा। आयोजकों ने बताया कि रैली में शामिल होने वाले पूर्व सैनिकों के लिए परिवहन की उत्तम व्यवस्था की गई है। रैली प्रात: 9 बजे जिला स्टेडियम चूरू में शुरू होगी।

इस दौरान समिति के अन्य सदस्य और क्षेत्र के गणमान्य पूर्व सैनिक उपस्थित रहे।

मेगा हाईवे पर पलटा स्पिरिट से भरा टैंकर, मची अफरा-तफरी

निसं

रतनगढ़ (नवयत्न)। रतनगढ़ में मेगा हाईवे पर जालान कॉलेज के पास एक बड़ा सड़क हादसा होने से टल गया। पंजाब के भटिंडा से जयपुर के बगरू डिपो जा रहा स्पिरिट से भरा एक टैंकर अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गया। हादसे के बाद टैंकर से स्पिरिट और तेल का रिसाव शुरू हो गया, जिससे इलाके में सनसनी फैल गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, टैंकर काफी रफ्तार में था और मोड़ पर अचानक संतुलन खो देने के कारण पलट गया। गनीमत रही कि हादसे के समय वहां से कोई अन्य वाहन नहीं गुजर रहा था, जिससे जान.माल का बड़ा नुकसान होने से बच गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची और यातायात को सुचारू करवाया। सुरक्षा के मद्देनजर नगरपालिका की दो दमकलें भी मौके पर तैनात की गई हैं ताकि किसी भी प्रकार की अनहोनी या आगजनी की घटना को रोका जा सके। हाईवे पुलिस के हैड कांस्टेबल ने बताया कि टैंकर को सीधा करने के लिए जेसीबी और क्रेन को मौके पर बुलाया गया है। फिलहाल पुलिस और प्रशासन की टीम स्थिति पर करीब से नजर बनाए हुए है। टैंकर पलटने के बाद मौके पर स्थानीय लोगों की काफी भीड़ जमा हो गई।

महंत सुनीता किन्नर ने गरीब परिवार की बेटी की शादी में सोने-चांदी से भरा भात

निसं

तारानगर (नवयत्न)। तारानगर क्षेत्र के राजपुरा गांव में उस समय भावुक और गर्व का माहौल बन गया, जब तारानगर की महंत सुनीता किन्नर अपनी टीम के साथ एक गरीब परिवार की दो बेटियों की शादी में भात भरने पहुंचीं। ढोल-नगाड़ों और मंगल गीतों के बीच जैसे ही भात की रस्म अदा की गई, वहां मौजूद लोगों में चर्चा का विषय बन गया । जानकारी के अनुसार महंत सुनीता की धर्म बहन मूर्ति की दो बेटियों का विवाह था। परिवार आर्थिक रूप से कमजोर होने के कारण शादी की जिम्मेदारियां भारी थीं। ऐसे में महंत सुनीता ने आगे बढ़कर बहन का फर्ज निभाया और पूरे सम्मान के साथ भात की रस्म अदा की। भात में उन्होंने 3 सोने के गले के आभूषण, 3 चांदी के कड़े, 3 जोड़ी चांदी की पाजेब, सोने व चांदी की अंगूठियां, घरेलू बर्तन व आवश्यक सामान सहित 21,000 नकद राशि भेंट की। इसके अलावा विवाह समारोह में आए सैकड़ों मेहमानों को कपड़े और नकद राशि देकर सम्मानित किया गया। महंत सुनीता ने कहा कि समाज ने उन्हें पहचान और सम्मान दिया है, इसलिए जरूरतमंद परिवारों की मदद करना उनका कर्तव्य है। उन्होंने बताया कि वे अब तक 11 बार भात भर चुकी हैं और दो गरीब परिवारों की बेटियों की शादी भी संपन्न करवा चुकी हैं। भात कार्यक्रम के दौरान उनकी टीम की राधा, मोनिक, रूबी सहित कई सदस्य मौजूद रहे। ग्रामीणों ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणादायक कदम बताया। ज्ञात हो कि महंत सुनीता समय-समय पर विभिन्न सामाजिक कार्यों-जैसे गरीब परिवारों की मदद, जरूरतमंदों को आर्थिक सहयोग, वस्त्र वितरण और सामूहिक आयोजनों में सहयोग-के माध्यम से समाज सेवा करती रहती हैं। वही आपको बता दे की राजपुरा गांव में संपन्न यह आयोजन केवल एक विवाह समारोह नहीं रहा, बल्कि सामाजिक सहयोग और मानवीय संवेदना का सशक्त संदेश बन गया।

नगरीय विकास कर बकाया होने पर 12 संपत्तियों को किया कुर्क

निसं

जयपुर (नवयत्न)। उपायुक्त मालवीय नगर जोन मुकुट सिंह के नेतृत्व में बुधवार को 12 सम्पत्तियों पर नगरीय विकास कर बकाया होने पर कुर्क की कार्रवाई की गई। जिसमें 6 सम्पत्तिधारकों द्वारा 40 लाख रूपये की राशि मौके पर ही जमा करवाया तथा 6 सम्पत्तियों को सीज किया गया। उपायुक्त मुकुट सिंह ने बताया कि मालवीय नगर जोन द्वारा बकाया कर दाताओं को नगरीय विकास कर के बिल भिजवाये गये एवं कर्मचारियों द्वारा व्यक्तिश: संपर्क के भी बकाया नगरीय विकास कर जमा नहीं कराने वाले सम्पत्ति धारकों को जोन कार्यालय नगर पालिका अधिनियम 2009 की धारा 130 के तहत मांग नोटिस जारी करने के पश्चात धारा 131 के तहत वारंट जारी किये गये। जिसके परिणाम स्वरूप जोन कार्यालय राजस्व टीम एवं पुलिस जाब्ता के साथ 12 सम्पत्तियों पर कुर्की की कार्रवाई की गई। जिसमें 6 सम्पत्तिधारकों द्वारा मौके पर राषि जमा करवाई गई। कार्यवाही के दौरान राजस्व अधिकारी मालवीय नगर जोन पवन कुमार मीणा, राजस्व निरीक्षक अमित कुमार पारीक एवं सहायक राजस्व निरीक्षक राजेन्द्र शर्मा एवं राजस्व टीम मौजूद रही।

परकोटा गणेश मंदिर में फाग की मस्ती

निसं

जयपुर (नवयत्न)। गुलाबी नगरी में फाल्गुन की रंगत अब परवान पर है। चांदपोल स्थित परकोटा गणेश जी महाराज के मंदिर में बुधवार को फाग महोत्सव का उल्लास नजर आया। मंदिर प्रांगण में आयोजित इस कार्यक्रम में भक्ति और रंगों का अनूठा संगम देखने को मिला। महोत्सव का शुभारंभ मंदिर के महंत पंडित अमित शर्मा के सानिध्य में हुआ। सर्वप्रथम गजानन महाराज का विभिन्न तीर्थों के जल से अभिषेक किया गया। इसके पश्चात भगवान को सिंदूर का चोला चढ़ाकर नवीन फाल्गुनी पोशाक धारण कराई गई। गणेश जी का विशेष श्रृंगार कर उन्हें गुलाल के गजरे पहना, गए और फुलों से भव्य फाल्गुनी झांकी सजाई गई। महंत पंडित अमित शर्मा ने बताया कि फाल्गुन के इस विशेष अवसर पर प्रथम पूज्य को शीतलता प्रदान करने के लिए ठंडाई, गुजिया, खीर और मालपुआ का विशेष भोग लगाया गया।

96 मरीजों की मोतियाबिंद की जांच व 30 का लेंस प्रत्यारोपण के लिए चयन

निसं

रतनगढ़ (नवयत्न)। रतनगढ़ माहेश्वरी सभा ट्रस्ट, शंकरा आई हॉस्पिटल व जिला अंधता निवारण समिति जयपुर व भंवरलाल विनितादेवी बैद चेरिटेबल ट्रस्ट के सहयोग से 36वां नि:शुल्क मोतियाबिंद जांच व नेत्र लेंस प्रत्यारोपण शिविर का आयोजन माहेश्वरी भवन के प्रांगण में हुआ। ट्रस्टी व शिविर प्रभारी नरेंद्र झंवर ने बताया कि शिविर में 96 मरीजो की मोतियाबिंद जांच कर 29 मरीज नेत्र लैंस प्रत्यारोपण व 1 मरीज कॉर्निया इलाज के लिए चयन किया गया व शेष मरीजो को नि:शुल्क दवाई दी। चयनित रोगियों को ऑपरेशन के लिए जयपुर ले जाया गया। वहां उनका ऑपरेशन गुरुवार को आधुनिक तकनीक द्वारा बिना टांके का किया जाएगा। मानव सेवा के इस अनूठे अभियान का शुभारंभ भगवान शंकर की प्रतिमा के आगे डा. प्रिया सिंह, प्रदीप नाहटा, छतरसिंह हीरावत, चतुर्भुज गोस्वामी, दीनदयाल खेतान ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया।

शिविर शुभारंभ पर नरेश पेड़ीवाल व एडवोकेट रजनीकांत सोनी ने अतिथियों का स्वागत व अभिनंदन किया। इस मौके पर रामोतार चांडक, राकेश जाजू, महेश जाजू, मांगीलाल स्वामी, एडवोकेट कमल सोनी, प्रताप बोथरा, नन्दकिशोर माटोलिया, पूर्णमल कम्मा, मुरलीधर मण्डगिरा, कनक सोनी, एडवोकेट रामोतार ठठेरा, महावीर रामगढ़िया, अब्दुल सत्तार शंकरा आई हॉस्पिटल की टीम अनेक गणमान्य व्यक्ति व मरीज उपस्थित थे।

108 कुंडीय श्रीराम महायज्ञ : अब तक 61 लाख आहुतियां

निसं

जयपुर (नवयत्न)। सीकर रोड स्थित भवानी निकेतन में आयोजित कोटि होमात्मक नौ दिवसीय 108 कुंडीय श्रीराम महायज्ञ में अब तक 61 लाख आहुतियां समर्पित की जा चुकी हैं। महायज्ञ के एक विशेष दिवस पर राजस्थान के महामहिम राज्यपाल की गरिमामय उपस्थिति रही। राज्यपाल ने यज्ञशाला में पहुंचकर प्रधान कुंड में राजस्थान के जन-कल्याण एवं समग्र विकास की कामना के साथ आहुतियां अर्पित कीं। इस अवसर पर यज्ञाचार्य पंडित गणेश दास महाराज, यज्ञकर्ता महंत हरि शंकर दास महाराज वेदांती तथा सियाराम बाबा की बगीचे वालों की उपस्थिति रही। वैदिक मंत्रोच्चार और अग्निहोत्र के बीच यज्ञ की दिव्यता ने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। राज्यपाल ने कथा स्थल पर पहुंचकर कथा का भी श्रवण किया एवं कहा कि राजस्थान धार्मिक नगरी है यहां धर्म प्राणी लोग यज्ञ हवन करते हैं तो वातावरण भक्ति में हो जाता है एवं गौ माता की रक्षा भी होती है। महायज्ञ की ख्याति देश-विदेश तक फैल चुकी है। तारक पीठाधीश्वर शक्ति पाठ एवं समाधि सिद्ध महायोगी अनंत युक्त जगतगु: रामानंद आचार्य स्वामी रामकृष्ण आचार्य नेपाल, विधायक एवं महामंडलेश्वर बालमुकुंद आचार्य महाराज हाथोज धाम, निर्मल दास महाराज गोवर्धन धाम, रामकिशोर दास सुदामा कुटिया, सूती शरण दास महाराज सुदामा कुटिया, राम रतन दास देवाचार्य महाराज डाकोर धाम, महामंडलेश्वर गणेश दास महाराज अयोध्या धाम अवधपुरी, अलबेली माधुरी शरण महाराज सरस निकुंज जयपुर, सहित देश के विभिन्न राज्यों के साथ-साथ विदेशों से भी साधु-संत यज्ञ स्थल पर पहुंच रहे हैं और अपने आशीर्वचनों से आयोजन को पुण्यप्रद बना रहे हैं। प्रतिदिन श्रद्धालुओं की बड़ी संख्या यज्ञ में सहभागिता कर रही है। आयोजकों के अनुसार 26 एवं 27 फरवरी को राजेंद्र दास जी महाराज द्वारा कथा वाचन किया जाएगा, जिसमें श्री राम चरित और भक्ति-तत्व पर प्रवचन होंगे। श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु प्रतिदिन विशाल भंडारे की व्यवस्था भी सतत रूप से चल रही है।

26 फरवरी को महायज्ञ में उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी तथा जयपुर सांसद मंजू शर्मा की उपस्थिति भी प्रस्तावित है। आयोजकों का कहना है कि महायज्ञ के शेष दिनों में भी विभिन्न संत-महात्माओं और विशिष्ट अतिथियों का आगमन होगा।

साहित्य कला संगम की गोष्ठी में मारवाड़ी को श्रद्धार्पण

निसं

रतनगढ़ (नवयत्न)। साहित्य कला संगम द्वारा गत सायं रतनगढ़ में आयोजित साहित्य गोष्ठी में आगामी साहित्यिक और सांस्कृतिक गतिविधियों के संबंध में विचार मंथन के साथ दिवंगत हास्य कवि केसरदेव मारवाड़ी को श्रद्धासुमन अर्पित किए गए। वरिष्ठ संगीतकार जगदीश प्रसाद कत्थक ने अपने भावपूर्ण गीत बिछुड़ गया है यार हमारा, साथ ले गया प्यार हमारा प्रस्तुत कर मारवाड़ी के निधन को साहित्य जगत की अपूरणीय क्षति बताया । संगम के अध्यक्ष वैद्य बालकृष्ण गोस्वामी ने स्व केशरदेव मारवाड़ी की सहृदयता का स्मरण करते हुए उनके असामयिक निधन पर गहरा दुख प्रकट किया। उन्होंने होली के त्यौहार पर अपनी रचना मुदित प्रकृति की सरगम होली, खुशहाली की हमदम होली सुनाकर इस रंगीले पर्व की विशिष्टताओं को काव्यात्मक स्वरूप प्रदान किया । युवा कवि मनोज चारण ने नव सृजित गीत बैठे हो तुम चिलमनों के जो पीछे की सरस प्रस्तुति दी। ओम प्रकाश मंगलहारा ने अपने चिर परिचित अंदाज में शेर और शायरी सुनाते हुए वाह-वाही लूटी तो नवोदित कवि प्रभात बील ने भी अपनी कविताएं प्रस्तुत की । स्थानीय नवोदयन किड्स एकेडमी में कुलदीप व्यास द्वारा प्रस्तुत सरस्वती वंदना और दीप प्रज्ज्वलन से शुरू हुई गोष्ठी में बाल कलाकार लक्ष्य पारीक ने भी उत्साहपूर्वक प्रस्तुति दी । संस्था निदेशक रामचंद्र पारीक ने सभी का स्वागत किया। इस अवसर पर आगामी माह में अणुव्रत समिति के तत्वावधान में होने वाली अणुव्रत काव्य धारा की रूपरेखा भी बनाई गई।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना शर्मा के लिए उदय प्रिंटर्स 43-ए, माली कॉलोनी, चांदपोल के बाहर जयपुर में मुद्रित व प्लॉट नं. 88, तहसील के पीछे दांतारामगढ़, सीकर (राज.) से प्रकाशित संपादक सपना शर्मा
मो. 9783931239 मुख्य कार्यालय-जी-4, मान नगर, नगर परिषद के सामने, झुंझुनू, 01592-297190